THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 268 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.4 2082 बुधवार, 24 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

महेश बैंक निदेशक मण्डल चुनाव में संस्थापक पैनल की ऐतिहासिक विजय पर हार्दिक अभिनन्दन

श्री लक्ष्मीनारायण राठी

श्री रमेश कुमार बंग

श्री रामप्रकाश भण्डारी

श्री गोविन्द नारायण राठी
वाईस चेयरमैन

नव निर्वाचित निदेशकों को हार्दिक बधाई

श्री अमित लड्ढा (गग्गु)
निदेशक

CA मुरली मनोहर पलोड (चेयरमैन)

श्री दीपक कुमार बंग

श्री देवेन्द्र झँवर

श्री भांगड़िया कैलाश नारायण

श्री कैलाश मंत्री

श्री मनोज लोया

श्री मुकुन्दलाल बाहेती

श्री पवन कुमार लोहिया

श्री रुपेश सोनी

श्री विनोद कुमार बंग

CA अल्का झँवर

श्रीमती कविता तोष्णीवाल

ब्रिजगोपाल भूतड़ा
Chairman : Finecab Wires & Cables

शुभकामनाओं सहित

रामनिवास ब्रिजगोपाल भूतड़ा

गच्ची बावली, हैदराबाद

FINECAB®
WIRES AND CABLES

BHAVES

प्रियंका गांधी को पीएम उम्मीदवार बनाने की मांग पर बोले रॉबर्ट वाड्रा

'देश के मुद्दों पर फोकस'

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति और उद्योगपति रॉबर्ट वाड्रा ने एक साक्षात्कार में देश के मौजूदा हालात पर खुलकर अपनी बात रखी। क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रार्थना की है कि पूरे देश में भाईचारा बना रहे और समाज में सौहार्द कायम हो।

वाड्रा ने कहा कि उनका पूरा ध्यान स्वास्थ्य और सामाजिक सरोकारों पर रहता है। इसी सोच के साथ वे बच्चों से मिले, जिन्होंने उन्हें कैरल के गीत सुनाए और अपने स्कूल व भविष्य के सपनों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बच्चे आगे बढ़ने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें एहसास है कि देश में बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती बन चुकी है और शिक्षा ही उन्हें बेहतर भविष्य की उम्मीद देती है।

प्रियंका गांधी को पीएम उम्मीदवार बनाने की मांग

कांग्रेस के लोकसभा सांसद इमरान मसूद द्वारा प्रियंका गांधी वाड्रा को प्रधानमंत्री पद का संभावित

> वो सब की मांग होती है, सब कहते हैं कि प्रियंका को आना चाहिए। लोग मुझे भी राजनीति में आने को कहते हैं, लेकिन अभी जो असल मुद्दे हैं उस पर ध्यान देना चाहिए।
>
> *रॉबर्ट वाड्रा, (प्रियंका गांधी को पीएम उम्मीदवार बनाने के सवाल पर बोले)*

उम्मीदवार बताए जाने पर उनके पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सब की मांग होती है, सब कहते हैं कि प्रियंका को आना चाहिए। उन्होंने खुद के राजनीति में आने के सवाल पर कहा कि लोगों की ओर से ऐसी मांगें जरूर आती हैं, लेकिन फिलहाल सबसे जरूरी है कि असल मुद्दों पर ध्यान दिया जाए। रॉबर्ट वाड्रा ने खासतौर पर प्रदूषण के मुद्दे को बेहद गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है। उन्होंने स्वीकार किया कि वे खुद पहले खेलकूद और दौड़ जैसी गतिविधियों में सक्रिय रहते थे, लेकिन अब प्रदूषण के कारण बाहर निकलने से बचते हैं। वाड्रा ने लोगों से भी अपील की कि वे प्रदूषित माहौल में दौड़ने या साइकिल चलाने से बचें, क्योंकि यह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण जैसे अहम मुद्दे पर संसद में व्यापक चर्चा होनी चाहिए। वाड्रा ने यह भी जिक्र किया कि प्रियंका गांधी इस विषय पर संसद में बात करना चाहती थीं, लेकिन सदन की कार्यवाही स्थगित हो गई। रॉबर्ट वाड्रा ने सुझाव दिया कि अगर देश के भीतर प्रदूषण का समाधान संभव नहीं है, तो अंतरराष्ट्रीय सहयोग लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन या अन्य देशों के अनुभवों से सीखकर भारत को प्रदूषण से राहत पाने का रास्ता निकालना चाहिए।

भाईचारा, सुरक्षा और असली मुद्दों पर फोकस

क्रिसमस पर अपनी कामना साझा करते हुए वाड्रा ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी इच्छा भाईचारे की मजबूती है। उन्होंने कहा कि वे देशभर में अलग-अलग धर्मों के लोगों से मिलते हैं और सभी की प्रार्थना व उम्मीद एक जैसी होती है मुश्किलें कम हों और जीवन बेहतर बने। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम नागरिक हिंदू-मुस्लिम जैसे विवादों में नहीं उलझना चाहता, बल्कि बेरोजगारी, प्रदूषण और महिलाओं की सुरक्षा जैसे वास्तविक मुद्दों पर समाधान चाहता है। वाड्रा ने कहा कि पहले देश के अंदर इन समस्याओं का हल निकालना जरूरी है, उसके बाद ही बांग्लादेश या दूसरे देशों के मुद्दों पर बात होनी चाहिए।

बीएमसी चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू, उम्मीदवारों का एलान होना अभी भी बाकी

मुंबई, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। बीएमसी चुनाव के लिए आज से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। हालांकि अभी तक अधिकतर प्रमुख राजनीतिक पार्टियों ने अपने-अपने उम्मीदवारों का एलान नहीं किया है।

बीएमसी चुनाव बेहद अहमियत रखते हैं क्योंकि बीएमसी का 2025-26 का सालाना बजट 74 हजार करोड़ रुपये हैं और बीएमसी एशिया का सबसे बड़ा नगर निकाय है। बीएमसी चुनाव 15 जनवरी को होने हैं और चुनाव नतीजे 16 जनवरी को जारी किए जाएंगे।

बीएमसी चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 23 दिसंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर तक चलेगी। 31 दिसंबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और 2 जनवरी तक नामांकन वापस लेने की तारीख है। अभी तक राजनीतिक पार्टियों ने अपने उम्मीदवारों का भी एलान नहीं किया है और साथ ही गठबंधन में भी सीटों के बंटवारे का औपचारिक एलान नहीं हुआ है।

अफ्रीकी फुटबॉल कोच को दिल्ली बीजेपी पार्षद की धमकी

कहा-यहां का पैसा खा रहे हो तो हिंदी सीखो, वरना पार्क छीन लेंगे

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पटपड़गंज वार्ड से बीजेपी पार्षद रेनू चौधरी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वे एक अफ्रीकी फुटबॉल कोच को एक महीने के भीतर हिंदी सीखने की चेतावनी देती नजर आ रही हैं।

पार्षद कहती हैं कि अगर हिंदी नहीं सीखी तो पार्क छीन लिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, यह अफ्रीकी नागरिक करीब 15 साल से उसी इलाके में रह रहा है। उसने दिल्ली नगर निगम से पार्क किराए पर लिया है और इसमें बच्चों को फुटबॉल कोचिंग देता है। पार्षद ने धमकाने का वीडियो खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है।

इसमें रेनू चौधरी अफ्रीकन कोच से पूछती हैं कि वह अब तक हिंदी क्यों नहीं सीख पाया? यहां का पैसा खा रहे हो तो हिंदी बोलना सीखो। जब वहां मौजूद कुछ लोग इस बात को मजाक समझकर हंसते हैं, तो पार्षद कहती हैं कि यह कोई मजाक नहीं है और वह इस चेतावनी को लेकर गंभीर हैं।

पार्षद ने सफाई दी

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और इसे धमकी और भेदभाव से जोड़कर देखा गया। बढ़ते विरोध के बीच बीजेपी पार्षद ने एक वीडियो संदेश जारी कर अपनी सफाई दी। उन्होंने कहा कि उनका इरादा किसी को डराने या अपमानित करने का नहीं था। उनका कहना है कि वह पार्क नगर निगम (एमसीडी) के अधीन है और वहां व्यावसायिक गतिविधि करने के लिए शुल्क देना जरूरी है। रेनू चौधरी के अनुसार, उन्होंने आठ महीने पहले भी कोच से एमसीडी को रेवेन्यू देने की बात कही थी, लेकिन हिंदी न आने के कारण एमसीडी अधिकारियों को उससे बातचीत में परेशानी हो रही थी। उन्होंने दावा किया कि इसी वजह से उन्होंने कोच को बुनियादी हिंदी सीखने की सलाह दी थी।

पार्षद ने कहा-मैंने खुद उससे कहा था कि वह बुनियादी हिंदी सीख ले, ताकि बातचीत में कोई दिक्कत न हो। उसके लिए हिंदी ट्यूटर का इंतजाम कराने और उसकी फीस खुद देने की भी पेशकश की थी, लेकिन उसने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया।

हाईकोर्ट में केंद्र की दलील खारिज

अदालत बोली-श्रीमद भगवतगीता धर्म ग्रंथ नहीं, नैतिक विज्ञान है

चेन्नई, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में स्पष्ट किया है कि विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के संदर्भ में श्रीमद्भगवद्गीता को धार्मिक ग्रंथ नहीं माना जा सकता।

अदालत ने कहा कि केवल गीता और योग की शिक्षा देने के आधार पर किसी ट्रस्ट को एफसीआरए पंजीकरण से वंचित नहीं किया जा सकता। इसी आधार पर कोर्ट ने अर्शा विद्या परंपरा ट्रस्ट को एफसीआरए पंजीकरण देने से इनकार करने के केंद्रीय गृह मंत्रालय के फैसले को खारिज कर दिया। यह मामला तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित एक ट्रस्ट से जुड़ा है, जो श्रीमद्भगवद्गीता के अध्ययन और शिक्षण का कार्य करता है। केंद्र सरकार ने यह कहते हुए ट्रस्ट का एफसीआरए आवेदन खारिज कर दिया था कि उसकी गतिविधियां धार्मिक प्रकृति की हैं, इसलिए उसे विदेशी फंडिंग की अनुमति नहीं दी जा सकती। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जी. आर. स्वामीनाथन ने स्पष्ट शब्दों में कहा श्रीमद्भगवद्गीता कोई धार्मिक पुस्तक नहीं है, बल्कि यह जीवन मूल्यों और नैतिकता की शिक्षा देने वाला ग्रंथ है। यह भारतीय सभ्यता का एक अभिन्न अंग है। गृह मंत्रालय ने तर्क दिया था कि श्रीमद्भगवद्गीता, उपनिषद, वेदांत और संस्कृत के शिक्षण पर केंद्रित होने के कारण ट्रस्ट एक धार्मिक संगठन है।

केंद्र सरकार को पुनर्विचार के निर्देश

हाईकोर्ट ने गृह मंत्रालय को निर्देश दिया कि वह ट्रस्ट के एफसीआरए आवेदन पर नए सिरे से विचार करे और केवल 'धार्मिक' टैग के आधार पर किसी संस्था को विदेशी फंडिंग से वंचित न किया जाए। ट्रस्ट की ओर से वरिष्ठ वकील श्रीचरण रंगराजन और अधिवक्ता मोहम्मद आशिक ने याचिका पर बहस की।

केंद्रीय गृह मंत्रालय और दूसरे प्रतिवादी का प्रतिनिधित्व भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एआरएल सुंदरेशन ने किया, जिनकी सहायता भारत के उप सॉलिसिटर जनरल के गोविंदराजन ने की।

दिल्ली एयरपोर्ट पर पैसेंजर को पीटने वाले पायलट पर एफआईआर

पुलिस ने हिरासत में लिया; पीड़ित का दावा-नाक की हड्डी टूटी

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली एयरपोर्ट पर पैसेंजर से मारपीट के मामले में दिल्ली पुलिस ने पायलट पर एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी वीरेंद्र सेजवाल को पुलिस ने हिरासत में लिया है और पूछताछ कर रही है।

दरअसल 19 दिसंबर को आरोपी ने एक यात्री के साथ मारपीट की थी जिसके बाद पीड़ित ने अपने साथ हुई घटना के कुछ फोटोज सोशल मीडिया पर पोस्ट किए थे। घटना के समय आरोपी ऑफ ड्यूटी था। वह उस दिन परिवार के साथ यात्रा कर रहा था। वहीं पैसेंजर अंकित ने दावा किया है कि सीटी स्कैन में उसकी नाक की हड्डी में फ्रैक्चर आया है। मारपीट की घटना के बाद सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने मामले की जांच के आदेश दिए थे।

> एमपी की एसआईआर मसौदा सूची जारी

42 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम कटे केरल-छत्तीसगढ़ की भी आएगी लिस्ट

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने मंगलवार को मध्य प्रदेश की मसौदा मतदाता सूची जारी कर दी। आयोग द्वारा जारी की गई एसआईआर मतदाता सूची में 42.74 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। राज्य चुनाव आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक राज्य में कुल 5 करोड़ 74 लाख 6 हजार 143 निर्वाचकों में से 5 करोड़ 31 लाख 31 हजार 983 निर्वाचकों ने अपने गणना प्रपत्र जमा किए हैं। बता दें कि आज केरल और छत्तीसगढ़ की भी एसआईआर मतदाता सूची जारी की जाएंगीं।

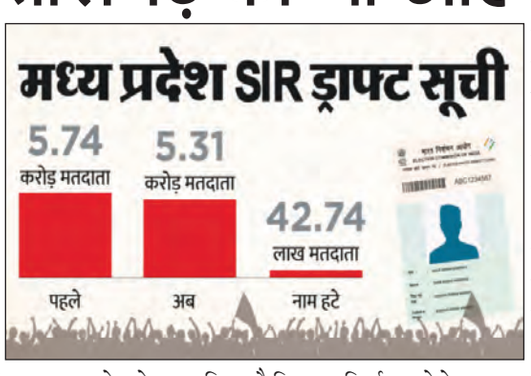

मसौदा सूची से जो 42 लाख से अधिक नाम काटे गए हैं। उसमें 31.51 लाख मतदाता शिफ्ट हो गए या अनुपस्थित मिले। वहीं 8.46 लाख मतदाता मृत पाए गए। इसके अलावा 2.77 लाख मतदाताओं के एक से अधिक जगहों पर नाम पाए गए। मध्य प्रदेश निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि कुछ निर्वाचक ऐसे रहे, जिनसे गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हो सके। इसके पीछे कई कारण रहे। निर्वाचक का अन्य राज्य में पंजीकरण, व्यक्ति का अस्तित्व में न होना, समय सीमा तक प्रपत्र जमा न करना अथवा स्वयं मतदाता का पंजीकरण में रुचि न लेना। इसके अलावा, एक से अधिक स्थानों पर नामांकित पाए गए निर्वाचकों का नाम केवल एक स्थान पर ही रखा जाएगा।

तमिलनाडु-गुजरात में हटाए गए डेढ़ करोड़ से अधिक मतदाता

चुनाव आयोग की तरफ से पिछले सप्ताह जारी की गई ड्राफ्ट सूची में तमिलनाडु और गुजरात के 1.5 करोड से अधिक मतदाताओं के नाम हटा दिए। आयोग द्वारा जारी यह सूची राज्यों में हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद जारी की गई थी। एक तरफ जहां तमिलनाडु मतदाता सूची से 97.37 लाख नाम हटाए गए है। वहीं दूसरी ओर गुजरात में 73.73 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए है।

बता दें कि चुनाव आयोग के द्वारा जारी ड्राफ्ट सूची का सबसे ज्यादा असर राजधानी चेन्नई में देखने को मिला। यहां यहां 14.25 लाख मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट सूची से हटाए गए। इसके बाद कुल मतदाता संख्या 40.04 लाख से घटकर 25.79 लाख रह गई। करूर जिले में 79,690 मतदाताओं के नाम हटाए गए।

'गैर-निर्धारित जगह पर फीडिंग रोकना अपराध नहीं'

आवारा कुत्तों के मामले में कोर्ट की टिप्पणी

मुंबई, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। आवारा कुत्तों को खाना खिलाने को लेकर सोसायटियों में अक्सर होने वाले विवादों पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने अहम और स्पष्ट फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि गैर-निर्धारित जगहों पर आवारा कुत्तों को खाना देने से किसी को रोकना कानूनन अपराध नहीं है और इसे न तो गलत तरीके से रोकना माना जा सकता है और न ही अवैध। अदालत ने इस फैसले से आम नागरिकों और आवासीय समितियों को बड़ी राहत दी है। न्यायमूर्ति मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति संदेश पाटिल की पीठ ने पुणे के 42 वर्षीय एक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला रद्द कर दिया। उस व्यक्ति पर आरोप था कि उसने एक महिला और उसके साथियों को अपनी हाउसिंग सोसायटी के गेट पर आवारा कुत्तों को खाना देने से रोका और कथित तौर पर उन्हें बाहर जाने से भी रोका। अदालत ने कहा कि ऐसे हालात में यह कृत्य भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध नहीं बनता। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि फुटपाथ, सोसायटी के प्रवेश और निकास द्वार, स्कूल बस स्टॉप जैसे स्थानों पर आवारा कुत्तों को खाना देने से रोकना स्वैच्छिक बाधा या गलत तरीके से रोकना नहीं कहा जा सकता। अदालत ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति गैर-निर्धारित स्थान पर कुत्तों को खाना खिला रहा है और उसे रोका जाता है, तो यह कानून का उल्लंघन नहीं है।

अरुणाचल प्रदेश में जासूसी रैकेट का भंडाफोड़

जम्मू-कश्मीर के दो लोग गिरफ्तार, पाकिस्तान को सूचना भेजने का आरोप

ईटानगर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने राज्य में चल रहे एक बड़े जासूसी रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के रहने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

आरोप है कि ये लोग अरुणाचल प्रदेश के संवेदनशील इलाकों से अहम जानकारियां जुटाकर पाकिस्तान में बैठे अपने हैंडलर्स को भेज रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान एजाज अहमद भट और बशीर अहमद गनई के रूप में हुई है। मामले में पुलिस महानिरीक्षक चुखु आपा ने बताया कि दोनों लोगों को 18 दिसंबर को जम्मू और कश्मीर के कुपवाड़ा जिले से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन दोनों को ट्रांजिट रिमांड पर अरुणाचल प्रदेश लाया गया, जहां वे वर्तमान में पुलिस की हिरासत में हैं। यह मामला तब सामने आया जब 21 नवंबर को पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर नजीर अहमद मलिक (गंगा गांव से) और साबिर अहमद मीर (अबोटानी कॉलोनी से) को ईटानगर से गिरफ्तार किया था। इसके अलावा, वेस्ट सियांग पुलिस ने हिलाल अहमद नाम के एक व्यक्ति को आलो शहर के ओल्ड मार्केट से पकड़ा, जो वहां कपड़ों की दुकान चला रहा था।

कंबल विक्रेता बनकर कर रहे थे जासूसी

आईजीपी चुखु आपा के अनुसार, पकड़े गए आरोपी मुख्य रूप से कंबल बेचने का काम करते थे। इस व्यवसाय की आड़ में वे राज्य के अलग-अलग हिस्सों में घूमते थे और सुरक्षा व अन्य रणनीतिक महत्व की संवेदनशील जानकारियां इकट्ठा करते थे। ईटानगर के एसपी जुम्मार बसर के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने इस गिरोह का भंडाफोड़ किया। जांच के दौरान चांगलांग जिले के मियाओ से गुलाम मोहम्मद मीर को भी हिरासत में लिया गया था। हालांकि, जांचकर्ताओं को उसके खिलाफ जासूसी गतिविधियों में शामिल होने के ठोस सबूत नहीं मिले, जिसके बाद उसे रिहा कर दिया गया है।

फॉरेंसिक जांच और आगे की कार्रवाई

पुलिस अब आरोपियों के पास से जब्त किए गए उपकरणों की फॉरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। आईजीपी ने स्पष्ट किया कि पूछताछ अभी जारी है और आने वाले दिनों में मिले सबूतों के आधार पर और भी गिरफ्तारियां संभव हैं। पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि वे पाकिस्तान में किसके संपर्क में थे और अब तक कितनी जानकारी साझा की जा चुकी है।

हत्यारोपी बेटे को ठाणे की अदालत से राहत

'मां' को मौत की नींद सुलाने के मामले में जज ने बरी किया

ठाणे, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने 24 वर्षीय एक व्यक्ति को अपनी सौतेली मां की हत्या के आरोपी में बरी कर दिया है। दरअसल ,अभियोजन पक्ष ने साक्ष्यों देने में असफल रहा है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस.बी. अग्रवाल ने शाहनवाज यूनुस अंसारी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत लगाए गए आरोपों से निर्दोष पाया।

पांच साल पहले किया था सौतेली मां का हत्या - अभियोजन पक्ष

अभियोजन पक्ष के अनुसार अंसारी ने कथित तौर पर 28 और 29 मई, 2020 की दरमियानी रात को साकेत-कलवा पुल के पास अपनी सौतेली मां, रेशमा खातून मोहम्मद यूनुस अंसारी की हत्या कर दी थी।इसमें तर्क दिया गया कि पीड़िता द्वारा अंसारी और उसके भाई-बहनों को परेशान करना और 90,000 रुपये का कर्ज चुकाने में उसकी विफलता ही अपराध का मकसद था। न्यायाधीश अग्रवाल ने अभियोजन पक्ष के बयान में मौजूद महत्वपूर्ण कमियों और विरोधाभासों को उजागर करते हुए पीड़ित के भाई की गवाही को अविश्वसनीय करार दिया। अदालत ने सीसीटीवी फुटेज के सबूतों को भी खारिज कर दिया, यह देखते हुए कि प्रमाण पत्र जारी करने वाले तकनीशियन ने केवल पुलिस द्वारा तैयार किए गए दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने की बात स्वीकार की थी।

शिवसेना और मनसे मिलकर लड़ेंगे बीएमसी चुनाव

संजय राउत बोले-सीट बंटवारा पूरा; औपचारिक घोषणा बाकी-वोटिंग 15 जनवरी को

मुंबई, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने दावा किया है कि उद्धव-राज का गठबंधन वास्तव में अस्तित्व में आ चुका है। दोनों दलों के कार्यकर्ता मुंबई समेत राज्य के कई हिस्सों में मिलकर काम करने लगे हैं। संजय राउत ने कहा कि सोमवार रात दोनों पार्टियों के बीच सीटों के बंटवारे पर अंतिम सहमति बन गई है। अब केवल एक औपचारिक घोषणा बाकी है। हालांकि राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) चुनावों के लिए शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के बीच दादर, सेवरी, विक्रोली और भांडुप इलाकों में सीट शेयरिंग को लेकर सहमति नहीं बन पाई है। यहां दोनों को ही जनता का समर्थन है। महाराष्ट्र में बीएमसी सहित 29 नगर निगम चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई है। वोटिंग 15 जनवरी को होनी है। काउंटिंग 16 जनवरी को होगी।

कांग्रेस से अलायंस कर सकते हैं अजित पवार

न्यूज एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने आगामी पुणे नगर निगम चुनाव में कांग्रेस के साथ आने की संभावना पर बात की है।

अजित ने रविवार रात कांग्रेस नेता सतेज पाटिल से फोन पर बात की और साथ चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा। इस पर पाटिल ने कहा कि वे इस मुद्दे पर पहले अपनी पार्टी के नेताओं से चर्चा करेंगे, इसके बाद ही कोई फैसला लेंगे।

रील पर विवाद-पूर्व सीएम हरीश रावत ने भाजपा पर लगाए आरोप

एफआईआर दर्ज कराने पहुंचे थाने

देहरादून, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने उनकी एआई से बनी वायरल रील को लेकर भाजपा पर आरोप लगाए और प्रदर्शन किया। इसके साथ ही वह एफआईआर दर्ज कराने नेहरू कालोनी थाने पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा पर मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप लगाया है। कहा कि हरीश रावत ने कहा था कि उन्होंने कहा कि 2017 में भी भाजपा ने झूठ बुलवाया। शुक्रवार को जुमे की नमाज के लिए छुट्टी करवाएं। 2022 में भी झूठ बोला। कहा कि कांग्रेस ने कहा कि सत्ता में आएंगे तो मुस्लिम यूनिवर्सिटी खुलवाएंगे। अब एआई का सहारा लेकर मुझ पर झूठे आरोप लगा रहे हैं। अब मैंने प्रमाण दो यात्रा निकाली, लेकिन उनके पास कोई उत्तर नहीं दिया है।

मुझे देश द्रोही बताया जा रहा है। पाकिस्तान को सूचनाएं देने वाला बताया जा रहा है। एआई से प्रपंच रचकर भाजपा फिर से झूठ का सहारा ले रही है। इस बार मैंने तय किया कि प्राण तो चले जाएंगे, मगर भाजपा के झूठ का पर्दाफाश करूंगा। भाजपा के झूठ की हांडी को इस बार हम किसी भी कीमत पर चढ़ने नहीं देंगे। बता दें कि एआई से बनी इस रील की शुरुआत में रावत कहते दिख रहे हैं, मुस्लिम शरणम गच्छामि, मजार शरणम गच्छामि, लव जिहाद शरणम गच्छामि" (मैं मुसलमानों की शरण में जाता हूं, मैं मजारों की शरण में जाता हूं, मैं 'लव जिहाद' की शरण में जाता हूं)।

'द वीक' ने शुभांशु शुक्ला को चुना 'मैन ऑफ द ईयर' 2025

> भारतीय वायुसेना ने ग्रुप कैप्टन को दी बधाई

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को मैग्जीन 'द वीक' ने अपने 21 दिसंबर 2025 के एडिशन में 'मैन ऑफ द ईयर' चुना है। भारतीय वायुसेना ने शुभांशु की इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को एक्सीओम-4 मिशन में उनकी अहम भूमिका के लिए यह सम्मान मिला है।

मंगलवार को भारतीय वायुसेना ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह सम्मान न केवल ग्रुप कैप्टन शुक्ला की व्यक्तिगत उत्कृष्टता को दर्शाता है, बल्कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की बढ़ती वैश्विक पहचान का भी प्रतीक है। वायुसेना ने उनके समर्पण, साहस और पेशेवर क्षमता की सराहना करते हुए इसे देश के लिए गर्व का क्षण बताया। इस साल जून में भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पहुंचने वाले पहले भारतीय बने। वे 18 दिनों के मिशन के बाद 15 जुलाई को धरती पर लौटे। इस मिशन में इसरो द्वारा संचालित कई वैज्ञानिक प्रयोग और अंतरिक्ष स्टेशन पर अन्य गतिविधियां शामिल थीं। मिशन के बाद उन्होंने अमेरिका में कुछ समय तक पुनर्वास (रिकवरी) किया। शुक्ला 17 अगस्त की सुबह भारत लौटे और उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी से मुलाकात भी की थी। पीएम मोदी ने इसरो अंतरिक्ष यात्री की जैकेट पहने शुक्ला का गर्मजोशी से गले लगाकर स्वागत किया था और उनके कंधे पर हाथ रखकर उनके साथ चले। शुक्ला का एएक्स-4 मिशन, जो अंतरराष्ट्रीय सहयोग से पूरा हुआ, पूरे देश में सराहा गया। इस मिशन ने भारत को अंतरिक्ष विज्ञान में नया अनुभव दिया और भविष्य के मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' के लिए भारत की तैयारी और उम्मीदों को और मजबूत किया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 268 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.4 2082 बुधवार, 24 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

श्रीनगर से जम्मू तक 80 गांवों में घर-घर तलाशी

श्रीनगर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में आतंकी घुसपैठ की आशंकाओं के बीच सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ा कदम उठाया है। सीमा से सटे इलाकों में आतंकियों की घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम करने के लिए सेना, बीएसएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चला रही है। यह सर्चिंग बॉर्डर एरिया के 80 से ज्यादा गांवों में चलाया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, खुफिया इनपुट मिले थे कि आतंकी संगठन घने कोहरे, सर्द मौसम और दुर्गम इलाकों का फायदा उठाकर घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं। इसी के मद्देनजर यह बड़ा ऑपरेशन शुरू किया गया है। मजालता के जंगलों में तब शुरू किया गया जब दो आतंकवादियों के एक घर से खाना लेकर पास के जंगल में भागने की खबर मिली थी।

बांग्लादेशी हिंदू युवक की हत्या का भारत में विरोध

विश्व हिंदू परिषद का 6 शहरों में प्रदर्शन

> ढाका में भारतीय उच्चायुक्त तलब

नई दिल्ली/ढाका, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदू युवक की हत्या के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) देशभर में प्रदर्शन कर रही है। आज सुबह वीएचपी के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर प्रदर्शन किया। दिल्ली के अलावा वीएचपी ने मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद, भोपाल, हैदराबाद और जम्मू में रैली निकालकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की।

बांग्लादेश में 18 दिसंबर की रात हिंदू युवक दीपू चंद्र की हत्या कर दी गई थी। पहले यह दावा किया जा रहा था कि दीपू ने फेसबुक पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणी की थी, लेकिन शुरूआती जांच में इसका कोई सबूत नहीं मिला। इस बीच बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया है। यह एक 10 दिन में दूसरी बार है, जब भारतीय उच्चायुक्त को बुलाया गया है। बांग्लादेशी छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद भारत विरोधी प्रदर्शनों और फिर मैमन सिंह जिले में दीपू की मॉब लिंचिंग को लेकर दोनों देशों के रिश्ते काफी बिगड़ गए हैं।

बांग्लादेश ने राजनयिक मिशनों पर हमले को लेकर चिंता जताई

बांग्लादेश ने मंगलवार को भारत में अपने राजनयिक मिशनों पर हुए हमलों को लेकर गहरी चिंता जताई। विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक इन घटनाओं के विरोध में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया गया। घटनाएं नई दिल्ली और सिलीगुड़ी में हुईं।

बांग्लादेश ने कहा कि यह हिंसा और डराने-धमकाने की घटनाएं अस्वीकार्य हैं। ऐसे कृत्य न सिर्फ राजनयिक कर्मचारियों की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं, बल्कि आपसी सम्मान, शांति और सहिष्णुता जैसे मूल्यों को भी कमजोर करते हैं।

विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, प्रणय वर्मा को भारत में बांग्लादेशी मिशनों की सुरक्षा स्थिति को लेकर बुलाया गया। उन्हें निर्देश दिया गया कि सभी दूतावासों और संबंधित ठिकानों की सुरक्षा कड़ी की जाए। बांग्लादेश ने आरोप लगाया कि भारत में रहकर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना लगातार ऐसे बयान दे रही हैं, जिन्हें बांग्लादेश भड़काऊ मानता है।

बांग्लादेश बोला-भारत दूतावासों की सुरक्षा सुनिश्चित करे

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने उच्चायुक्त से कहा कि इन घटनाओं से डिप्लोमैट्स और हाई कमीशन की सुरक्षा पर खतरा पैदा हुआ है। उसने भारत सरकार से अपील की कि वह इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करे।

बयान में यह भी कहा गया कि बांग्लादेश सरकार ने भारत सरकार से इन घटनाओं की जांच कराने, भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने और भारत में स्थित बांग्लादेश के राजनयिक मिशनों और उनसे जुड़ी सुविधाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। इन घटनाओं में 22 दिसंबर 2025 को सिलीगुड़ी में बांग्लादेश वीजा सेंटर में तोड़फोड़ और 20 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन शामिल है।

बयान में कहा गया कि बांग्लादेश सरकार को उम्मीद है कि भारत सरकार अपनी अंतर्राष्ट्रीय और राजनयिक जिम्मेदारियों के तहत तुरंत उचित कदम उठाएगी, ताकि राजनयिक कर्मियों और दूतावासों की गरिमा और सुरक्षा बनी रहे। इन्हीं सुरक्षा चिंताओं के चलते बांग्लादेश ने दिल्ली और सिलीगुड़ी में वीजा सेवाएं निलंबित कर दी हैं।

'ईडी-सीबीआई का हथियार की तरह इस्तेमाल हो रहा'

> जर्मनी में राहुल गांधी बोले-हम बीजेपी से नहीं लड़ रहे

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी पर संविधान को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। राहुल ने कहा, बीजेपी संविधान की मूल भावना को नष्ट करना चाहती है, जो सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करती है।

बर्लिन के हर्टी स्कूल में एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा, हमने तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में चुनाव जीते हैं। मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की हैं जिनमें मैंने बिना किसी संदेह के स्पष्ट रूप से दिखाया है कि हमने हरियाणा चुनाव जीते हैं। हमें नहीं लगता कि महाराष्ट्र चुनाव निष्पक्ष थे। हमारे देश के संस्थागत ढांचे पर बड़े पैमाने पर हमला हो रहा है। मुझे लगता है कि भारत की संस्थाओं पर गंभीर दबाव है। सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों का दुरूपयोग किया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक संस्थाओं को स्वतंत्र रूप से कार्य करने से रोक रहा है। हम बीजेपी से नहीं लड़ रहे हैं, हम भारतीय संस्थागत व्यवस्था पर उनके कब्जे से लड़ रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा, अगर आप बड़े कारोबारी हैं और कांग्रेस का समर्थन करने की कोशिश करते हैं, तो आपको खतरा है। बीजेपी भारत के संस्थागत ढांचे का इस्तेमाल राजनीतिक सत्ता हासिल करने के लिए करती है। बीजेपी और विपक्ष के पास मौजूद पैसों में अंतर देखिए। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस संस्थानों पर कब्जे के खिलाफ प्रतिरोध का एक सिस्टम बनाएगी। उन्होंने कहा, लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला हो रहा है। विपक्ष के रूप में हमें इसका मुकाबला करने के तरीके खोजने होंगे। हम विपक्ष के प्रतिरोध की एक ऐसी प्रणाली बनाएंगे जो सफल होगी। हम भाजपा से नहीं, बल्कि भारतीय संस्थागत ढांचे पर उनके कब्जे से लड़ रहे हैं।

'जनता की भागीदारी से ही मजबूत होती है राष्ट्रीय सुरक्षा'

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार ने राष्ट्रीय सुरक्षा और जिम्मेदारी की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी से ही मजबूत होती है।

उन्होंने कहा कि लोग अपने आसपास हो रही घटनाओं के केवल दर्शक नहीं बने, बल्कि सतर्क और सक्रिय भागीदार बनें। उन्होंने जन भागीदारी को लोगों के लिए केंद्रित सुरक्षा का आधार बताया। बता दें कि राष्ट्रपति ने यह बात इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के शताब्दी उपनिवेश व्याख्यान में कही, जिसका विषय था 'जन-केंद्रित राष्ट्रीय सुरक्षा: विकसित भारत के निर्माण में सामुदायिक भागीदारी'। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार, गृह सचिव गोविंद मोहन और आईबी प्रमुख तपन कुमार डेका भी मौजूद थे। इस दौरान मुर्मू ने कहा कि सोशल मीडिया ने सूचना और संचार की दुनिया बदल दी है। इसके माध्यम से अच्छे और बुरे दोनों तरह के प्रभाव फैल सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से कहा कि वे सोशल मीडिया पर सच पर आधारित जानकारी साझा करें और गलत सूचनाओं से बचाव करें। इसके साथ ही राष्ट्रपति ने उदाहरण देते हुए कहा कि कई बार जागरूक नागरिकों की जानकारी के कारण सुरक्षा बल गंभीर संकट टालने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में पहले पुलिस और सरकारी कर्मचारियों के प्रति कुछ लोग दूरी महसूस करते थे, लेकिन विकसित देशों में लोग पुलिस को भरोसेमंद और मददगार मानते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पुलिस और आंतरिक सुरक्षा एजेंसियों का काम लोगों की सेवा करने की भावना से होना चाहिए।

> थरूर ने क्यों की एस जयशंकर की तारीफ?

नालंदा विश्वविद्यालय को बताया असाधारण

> नालंदा विश्वविद्यालय के पुनर्निर्माण पर भी बोले

पटना, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। अपने सियासी रंग रुप को लेकर इन दिनों खूब चर्चा में चल रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके मंत्रालय की तारीफ की। उन्होंने कहा कि बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय का नया परिसर और मंत्रालय के कई अनदेखे योगदान देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। थरूर ने इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया और विदेश मंत्रालय (एमईए) की अन्य सेवाओं के साथ भी इसे भी उच्च मूल्यांकन मिलने योग्य कहा।

बता दें कि थरूर नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित साहित्य महोत्सव में शामिल होने के लिए बिहार आए थे। इस दौरान उन्होंने पटना में पत्रकारों से कहा कि मैं बिहार की संस्कृति को देखने आया हूं, कोई राजनीतिक एजेंडा पूरा करने नहीं। उन्होंने अन्य लोगों को भी बिहार म्यूजियम और बापू टावर देखने की सलाह दी।

थरूर ने नालंदा विश्वविद्यालय के पुनरुद्धार का स्वागत किया :

थरूर ने कहा कि भारत अब दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में शामिल नहीं है। हालांकि कुछ विश्वविद्यालय अब शीर्ष 200 में आए हैं, लेकिन कोई भी शीर्ष 10 या 50 में शामिल नहीं है। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय के पुनरुद्धार का स्वागत किया और इसे भारत की सभ्यतागत विरासत का प्रतीक बताया। उन्होंने नालंदा महाविहार के इतिहास को याद करते हुए कहा कि यह तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से 13वीं शताब्दी तक शिक्षा और अध्ययन का प्रमुख केंद्र था। इसकी खुदाई स्थल अब यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट है, जिसे 2016 में यह दर्जा मिला।

थरूर ने कहा कि यह प्राचीन विश्वविद्यालय केवल इसलिए ही विश्व स्तर का नहीं था कि प्रतिस्पर्धा कम थी, बल्कि यह एक असाधारण संस्थान था। उन्होंने कहा कि लगभग 800 वर्षों के बाद इसे पुनः स्थापित किया जाना, खासकर 1200 ईस्वी में बख़्तियार खिलजी द्वारा तीसरी और अंतिम बार नष्ट किए जाने के बाद, अत्यंत संतोषजनक है। थरूर का कहना है कि नालंदा विश्वविद्यालय का पुनर्निर्माण भारत की शिक्षा और सभ्यता की महानता को पुनः स्थापित करने वाला एक ऐतिहासिक कदम है।

'अरावली को फिर से परिभाषित करने को लेकर इतनी आमादा क्यों है सरकार'

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने अरावली के मुद्दे को लेकर मंगलवार को मोदी सरकार पर फिर निशाना साधा। सवाल उठाया किया कि वह इस पर्वतमाला को फिर परिभाषित करने को लेकर इतनी आमादा क्यों है?

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि इस मामले पर पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के 'स्पष्टीकरण' ने और भी सवाल खड़े कर दिए हैं। भूपेंद्र यादव ने सोमवार को कांग्रेस पर अरावली की नई परिभाषा के मुद्दे पर 'गलत सूचना' और 'झूठ' फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा था कि पर्वत श्रृंखला के केवल 0.19 प्रतिशत हिस्से में ही कानूनी रूप से खनन किया जा सकता है। भूपेंद्र यादव ने कहा था कि नरेंद्र मोदी सरकार अरावली की सुरक्षा और पुनर्स्थापन के लिए 'पूरी तरह से प्रतिबद्ध' है। जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि अरावली मुद्दे पर पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री द्वारा हाल में दिया गया स्पष्टीकरण और भी अधिक सवाल और शंकाएं खड़ी करता है।

भारत करेगा श्रीलंका की मदद : 450 मिलियन डॉलर चक्रवात राहत पैकेज देने का प्रस्ताव

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत चक्रवात दितवाहा के दौरान श्रीलंका के साथ खड़ा है और उसने 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर के सहायता पैकेज का प्रस्ताव दिया है। जयशंकर इस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष दूत के तौर पर श्रीलंका में हैं। उन्होंने श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेरथ के साथ बातचीत में यह बात कही। उन्होंने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को मोदी का एक पत्र भी सौंपा।

भगवान अयप्पा के 'थंका अंकी' की भव्य शोभायात्रा शुरू

पथानामथिट्टा, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। सबरीमाला मंदिर में होने वाली शुभ 'मंडला पूजा' की तैयारियों के बीच, भगवान अयप्पा को पहनाए जाने वाले पवित्र 'थंका अंकी' (सुनहरे वस्त्र) की शोभायात्रा मंगलवार को अरनमुला पार्थसारथी मंदिर से शुरू हुई। इस शोभायात्रा में पवित्र 'थंका अंकी' को एक विशेष रूप से सजे-धजे रथ में ले जाया जा रहा है। इस यात्रा में त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हैं।

'लाल आतंक' का सरेंडर : ओडिशा में छत्तीसगढ़ के 22 नक्सलियों का समर्पण

> एक करोड़ का इनाम, एके-47 जैसे हथियार सौंपे

रायपुर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। नक्सल मामलों को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। छत्तीसगढ़ के 22 नक्सलियों ने ओडिशा पुलिस के सामने सरेंडर किया है। एक-47, इंसास समेत कुल नौ हथियारों के साथ सरेंडर करने सभी नक्सली पहुंचे थे। इन नक्सलियों पर एक करोड़ 84 लाख 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

ये नक्सली कई हिंसक घटनाओं में संलिप्त रहे हैं। बताया जाता है कि ये सभी नक्सली बस्तर संभाग में कई अपराधिक घटनाओं में शामिल रह चुके हैं। इन पर पुलिस ने कई धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया था। छत्तीसगढ़ में नक्सली एक के बाद एक करके सरेंडर कर रहे हैं। राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा ने भी नक्सलियों से आग्रह कर चुके हैं कि वो मुख्यधारा में शामिल हो जाएं। ऐसा नहीं करने पर पुलिस नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब देगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 से पहले छत्तीसगढ़ समेत देश को नक्सलमुक्त घोषित करने का संकल्प लिया है। इस क्रम ने नक्सलियों का लगातार एनकाउंटर किया जा रहा है।

'पीड़िता के पांच किलोमीटर के दायरे में न आएं'

> दिल्ली हाई कोर्ट ने उन्नाव बलात्कार मामले में पूर्व बीजेपी विधायक कुलदीप सेंगर को जमानत दी

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में जमानत दे दी। जस्टिस सुब्रमणियम प्रसाद और हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने सेंगर की सजा को उनकी दोषसिद्धि के खिलाफ अपील लंबित रहने के दौरान निलंबित कर दिया।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, हाई कोर्ट ने सेंगर को आदेश दिया कि वह पीड़िता के 5 किलोमीटर के दायरे में न आए और जमानत की अवधि के दौरान दिल्ली में ही रहे। उन्हें हर सोमवार को पुलिस को रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। कोर्ट ने कहा कि किसी भी शर्त का उल्लंघन करने पर जमानत रद्द कर दी जाएगी। इस लंबित अपील में निचली अदालत के उस फैसले को चुनौती दी गई है जिसमें सेंगर को 17 वर्षीय लड़की के बलात्कार के लिए दोषी ठहराया गया है। निचली अदालत ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और उस पर 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। इसके बाद पीड़िता को सेंगर के निर्देशानुसार पुलिस अधिकारियों द्वारा लगातार धमकाया गया और चेतावनी दी गई कि वह इस बारे में कुछ न बोले। अंततः सेंगर के खिलाफ बलात्कार, अपहरण और आपराधिक धमकी के साथ-साथ बाल यौन उत्पीड़न संरक्षण अधिनियम (पीओसीएसओ अधिनियम) की धारा के तहत एफआईआर दर्ज की गई। इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

खुला है 856 किमी लंबा 'भारत-बांग्लादेश' बॉर्डर

11 वर्ष में 21000 घुसपैठिये गिरफ्तार, घरों में से गुजरती सीमा

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले साल जुलाई-अगस्त में हुए बांग्लादेश के हिंसक प्रदर्शनों के बाद अब एक बार फिर वहां पर हिंसा हो रही है। इंकलाब मंच के नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद दोनों देशों के मध्य, रिश्तों में तनाव और कड़वाहट है। बांग्लादेश में यह अफवाह फैलाई जा रही है कि जिन लोगों ने हादी को गोली मारी है, वे भारत में जाकर छिप गए हैं। इस बीच प्रदर्शनकारियों ने दीपू चंद्र दास की 'बर्बर हत्या' कर दी। दोनों मुल्कों के बीच वीजा सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है। भारत और बांग्लादेश के बीच अभी तक 856 किमी लंबा हिस्सा ऐसा है, जो खुला है। यानी वहां पर 'बाड़' नहीं लगी है। गत 11 वर्ष में 21000 बांग्लादेशी घुसपैठिये गिरफ्तार किए गए हैं। कई जगहों पर घरों एवं गलियों के बीच से 'सीमा' रेखा गुजरती है। बता दें कि भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा की लंबाई 4096.70 किलोमीटर है। इसमें से 3239.92 किलोमीटर, यानी 79.08 प्रतिशत क्षेत्र पर बाड़ लगाई गई है। इस सीमा पर 856.778 किलोमीटर क्षेत्र, मतलब 20.92 प्रतिशत, ये ऐसा इलाका है, जहां बाड़ नहीं लगी है। भारत-बांग्लादेश सीमा पर 2014 से लेकर 2024 तक घुसपैठियों ने भारत में घुसने के लिए 7528 प्रयास किए हैं।

नितिन का रोड शो–सम्राट ने विजय सिन्हा को पीछे हटाया

3 घंटे जाम में फंसे लोग; नबीन बोले-राहुल को ऐसे भगाया कि जर्मनी चले गए

पटना, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद बांकीपुर विधायक नितिन नबीन पहली बार मंगलवार को पटना पहुंचे। पटना में 6कि.मी. के लंबे रोड शो के बाद उन्होंने मिलर हाई स्कूल के ग्राउंड में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन नबीन ने कहा, 'राहुल गांधी की तरह पार्ट टाइम पॉलिटिक्स नहीं करना है। बिहार की जनता ने राहुल को ऐसे भगाया कि जर्मनी में बस गए। जर्मनी की जमीन पर जाकर वे देश को गाली दे रहे हैं।

देश में रहकर देश को गाली देते हैं। ऐसे लोगों को चोट देने का समय आ गया है। बिहार में भी एक पार्ट टाइम पॉलिटिशियन है। चुनाव हारते हैं तो विदेश घूमने चले जाते हैं। उन्होंने कहा, बिहार के बाद बंगाल और केरल भी जीतेंगे।' मंच पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी मौजूद रहे। मिलर स्कूल पहुंचते ही बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जय श्रीराम के नारे लगाए। इस दौरान मंत्री श्रेयसी सिंह ने नितिन नबीन के पैर भी छुए।

सम्राट ने विजय सिन्हा को नितिन के बगल से हटाया

नितिन नबीन ने पटना एयरपोर्ट से रोड शो की शुरुआत की। उनके स्वागत के लिए हाथी,ऊंट और घोड़े का इंतजाम किया गया है। जोड़ी मोदी-नीतीश के हिट हो गइल गाने पर महिलाएं डांस करती दिखीं। राजवंशी नगर के हनुमान मंदिर में उन्होंने पूजा की। एयरपोर्ट इलाके में 1.5 कि.मी ज्यादा लंबा जाम लग गया है। रोड शो के दौरान विजय सिन्हा नितिन नबीन के बगल में खड़े थे, तभी सम्राट चौधरी ने उन्हें साइड होने को कहा और खुद राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के बगल में खड़े हो गए।

संजय सरावगी बोले-ये पद नहीं जिम्मेदारी है

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा, 'नितिन नबीन को पद नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारी मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करने में बिहार भाजपा पूरी ताकत से योगदान देगी। संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाया जाएगा'।

7 गाड़ियां टकराईं, 3 की मौत, 18 घायल

लखनऊ, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी में शीतलहर और कोहरे से हालात बिगड़ने लगे हैं। 48 घंटे में ठंड से 3 लोगों की मौत हो चुकी है। लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर समेत 30 शहर घने कोहरे की चपेट में हैं। कई शहरों में विजिबिलिटी शून्य तक पहुंच गई है। ओस की बूंदें बारिश की फुहारों जैसी पड़ रही हैं। गाजीपुर के ग्रामीण इलाकों में बर्फ जम गई। अधिकांश सड़कों पर सन्नाटा पसरा है। सर्द हवाओं से पहाड़ों जैसी ठंड महसूस हो रही है। 9 शहरों में 8वीं तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। इनमें रायबरेली, सुल्तानपुर, वाराणसी, जौनपुर, उन्नाव, सोनभद्र, मिर्जापुर, संभल और अंबेडकरनगर शामिल हैं। कोहरे का असर ट्रेनों पर भी देखने को मिल रहा है। कानपुर समेत कई रेलवे स्टेशनों पर 100 से ज्यादा ट्रेनें 2 से 10 घंटे तक की देरी से चल रही हैं। इसके अलावा फ्लाइटें भी लेट हैं। सोमवार की बात करें तो बाराबंकी प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। यहां का तापमान 4.5 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा 26 शहर नैनीताल (6°C) और शिमला (11°C) से भी ज्यादा ठंडे रहे।

> *खाने के शौक ने ली जान*

पिज्जा-बर्गर और चाऊमीन...अधिक फास्ट फूड सेवन से 11वीं की छात्रा की आंतें खराब-हुई मौत

अमरोहा, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। फास्ट फूड खाने का शौक अमरोहा की 11वीं की छात्रा अहाना (16) की जान पर भारी पड़ गया। चाऊमीन, मैगी, पिज्जा-बर्गर खाने से उसकी आंतें खराब हो गईं, उनमें छेद हो गए। निजी अस्पताल में छात्रा का ऑपरेशन कराया गया, बावजूद इसके उसे बचाया नहीं जा सका।

दिल्ली एम्स में इलाज के दौरान रविवार की रात छात्रा की मौत हो गई। छात्रा अहाना अमरोहा नगर के मोहल्ला अफगानान में रहने वाले मंसूर खान की बेटी थी। किसान मंसूर खान के परिवार में पत्नी सारा खान के अलावा एक बेटा और दो बेटियां हैं। सबसे छोटी बेटी अहाना शहर के हाशमी गर्ल्स इंटर कॉलेज में 11वीं की छात्रा थी। परिजनों के मुताबिक अहाना को फास्ट फूड खाने का शौक था। मना करने के बाद भी वह चाऊमीन, मैगी, पिज्जा-बर्गर जैसे फास्ट फूड खाती रहती थी। सितंबर माह में अहाना की तबीयत बिगड़ गई। पेट में अधिक दर्द की शिकायत होने पर 30 नवंबर को

उसे मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसकी आंत चिपकने के साथ उनमें छेद होने की बात बताई। डॉक्टरों ने आंतें खराब होने का मुख्य कारण फास्ट फूड का सेवन बताया।

चार दिन पहले दोबारा से बिगड़ी तबीयत

अस्पताल में भर्ती अहाना का 30 दिसंबर की रात डॉक्टर ने सफल ऑपरेशन किया। इसके दस दिन बाद अहाना को अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी। लेकिन, अहाना लगातार कमजोर होती चली गई, चार दिन पहले उनकी दोबारा से तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद परिजनों ने अहाना को दिल्ली एम्स में भर्ती कराया। परिजनों के मुताबिक यहां अहाना की सेहत में कुछ सुधार हो गया था और वह चलने फिरने भी लगी थी। लेकिन रविवार की रात अचानक अहाना की तबीयत बिगड़ गई और हार्ट फेल होने से मौत हो गई। छात्रा अहाना के मामा गुलजार खान उर्फ गुड्डू ने बताया कि डॉक्टरों ने फास्ट फूड खाने से आंत खराब होने की वजह बताई है। होनहार अहाना की मौत के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पिस्टल न देने पर शिवम का कत्ल

> गैंगस्टर मन्नू ने जेल से आते ही बनाया था गैंग

> अपराध करती आ रही तीन पीढ़ी

गाजियाबाद, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद के लोनी थाना इलाके में 11 दिसंबर को अल्वी नगर कॉलोनी निवासी शिवम की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात को हिस्ट्रीशीटर मन्नू के गैंग ने अंजाम दिया था। रविवार रात दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे टोल गेट के पास से पुलिस ने गैंग के दो सदस्यों को मुठभेड़ के दौरान दबोच लिया।

इनमें डाबर तालाब निवासी अफसर और अंकुर विहार के बलराम नगर निवासी शहजाद हैं। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्हें पिस्टल की जरूरत थी लेकिन शिवम से मांगने पर जब उन्हें पिस्टल नहीं मिली तब उन्होंने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। पूछताछ के बाद दोनों को कोर्ट में पेश किया गया है।

एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि शिवम की हत्या के बाद वारदात के समय मौजूद उसके दोस्तों से पुलिस ने पूछताछ की थी। सभी ने अंजान लोगों के पहुंचने और गोली मारने की बात कही थी। शुरुआती छानबीन के बाद और मुखबिर की सूचना पर हिस्ट्रीशीटर मन्नू गैंग का नाम सामने आया। इसके बाद पुलिस ने सुराग के आधार पर आगे तलाश शुरू की। रविवार देर रात गढ़ी कटैया गांव के पास चेकिंग के दौरान सामने से आ रहे बाइक सवारों को रुकने का इशारा किया लेकिन दोनों ने भागना शुरू कर दिया। पीछा करने पर दोनों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में बाइक सवार अफसर के गोली लगी। इसके बाद बाइक गिरने पर दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एसीपी ने बताया कि आरोपियों के पास से मिली बाइक दिल्ली से चुराई गई थी।

20 साल छोटी बीवी ने बूढ़ा कहा तो मार डाला

वाराणसी में चेहरे पर 5 वार किए; तीन बार बॉयफ्रेंड संग भाग चुकी थी

वाराणसी, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। वाराणसी में शादीशुदा लक्ष्मी का मर्डर लव अफेयर में हुआ। 26 साल की लक्ष्मी 46 साल के प्रदीप मिश्रा के साथ एडजेस्ट नहीं कर पा रही थी। उसका एक लड़के से अफेयर हो गया, मगर यहीं उसकी दर्दनाक मौत का कारण बन गया। मर्डर 19 दिसंबर की रात को हुआ, लक्ष्मी की बॉडी 21 दिसंबर की सुबह मिली।

5 युवकों की होटल में सोते वक्त मौत

सहारनपुर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के ठेकेदार समेत 5 युवकों की हरियाणा के होटल में मौत हो गई। सोमवार को काम से लौटने के बाद पांचों ने ठंड से बचने के लिए कमरे में कोयले की अंगीठी जलाई और खाना खाकर सो गए। मंगलवार सुबह देर तक नहीं उठे तो होटल मैनेजर पहुंचा। उसने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। मैनेजर ने तुरंत पुलिस बुलाई।

पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर गई। देखा तो पांचों बेहोश पड़े थे। सभी को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, पांचों युवक कुरुक्षेत्र जिला जेल के पास एक होटल में पेंट करने आए हुए थे।

कफ सिरप कांड : 50 हजार के इनामी शुभम जायसवाल समेत चार के खिलाफ लुकआउट नोटिस

वाराणसी, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। कोडीनयुक्त कफ सिरप की तस्करी के सरगना 50 हजार के इनामी शुभम जायसवाल, आकाश पाठक, दिवेश जायसवाल और अमित जायसवाल के खिलाफ कमिश्नरेट पुलिस ने सोमवार को लुकआउट नोटिस जारी किया है। एनडीपीएस, वित्तीय धोखाधड़ी समेत अन्य मामलों में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सर्कुलर जारी किया गया है।

रांची की फर्म शैली ट्रेडर्स के कर्ताधर्ता शुभम जायसवाल, डीएसए फार्मा का प्रोपराइटर दिवेश जायसवाल, सोनिया के काजीपुरा खुर्द निवासी अमित जायसवाल और सिद्ध माता लेन गोलघर निवासी आकाश पाठक हैं। आदमपुर थाना क्षेत्र के प्रहलाद घाट के कायस्थ टोला के मूल निवासी और शैली ट्रेडर्स के कर्ताधर्ता शुभम जायसवाल के खिलाफ कमिश्नरेट पुलिस ने 50 हजार का इनाम भी घोषित किया है।

वहीं, शुभम का सबसे बड़ा राजदार गोलघर मैदागिन का आकाश पाठक भी वांछित है। शुभम के लिए फर्म का पंजीकरण कराने का जिम्मा संभालने वाला दिवेश जायसवाल और अमित जायसवाल का नाम बोगस फर्म जुटाने और फर्जी तरीके से ई वे बिल जनरेट कराने में सामने आया। शहर के नवयुवकों के नाम से फर्म खुलवाकर बैंक खाता, पंजीकरण समेत अन्य जानकारियां दिवेश और अमित अपने पास रखता था। इसके एवज में नवयुवकों को हर महीने 40 से 50 हजार रुपये देते थे।

गिरफ्तारी में जुटी एसआईटी

ड्रग विभाग से भी जुटाई जा रही जानकारी

डीसीपी काशी जोन गौरव बंशवाल ने बताया कि 50 हजार के इनामी शुभम जायसवाल समेत चारों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी एसआईटी दबिश दे रही है। खरीद बिक्री में शामिल आरोपियों के बारे में ड्रग विभाग से भी जानकारियां जुटाई जा रही हैं। वित्तीय धोखाधड़ी और आपराधिक मामलों में वांछित भगोड़ों की गिरफ्तारी के लिए लुकआउट सर्कुलर जारी किया जाता है।

शुभम के साथ साए की तरह रहते थे दिवेश, अमित और आकाश

कोतवाली थाने में नामजद आकाश पाठक, दिवेश जायसवाल और अमित जायसवाल के बारे में एसआईटी को जानकारी मिली कि यह तीनों सरगना शुभम जायसवाल के साथ ही रहते थे। साए की तरह साथ चलने वाले तीनों को शुभम जायसवाल ने अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंप रखी थीं। आकाश को बैंकिंग संबंधित कामकाज और दिवेश, अमित फर्जी फर्म खुलवाते थे।

मेसर्स सिंडिकेट के प्रोपराइटर पिता-पुत्र के करीबियों से पूछताछ विशेश्वरगंज के औसानगंज निवासी मेसर्स सिंडिकेट के प्रोपराइटर मनोज यादव और उसके बेटे लक्ष्य यादव, सूजाबाद निवासी राहुल यादव, खोजवा के घनश्याम, अंकुश सिंह को एसआईटी ने रडार पर लिया है। इन आरोपियों के करीबियों से एसआईटी ने कई चक्र में पूछताछ की है।

> *यूपी में एक और 'मुस्कान'*

पहले पति के शव के किए टुकड़े-टुकड़े, फिर किया ये काम-राहुल हत्याकांड की पूरी कहानी

संभल, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। मेरठ की मुस्कान की तरह ही संभल की रूबी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की। इसके बाद ग्राइंडर से शव के टुकड़े किए। पति के शरीर के टुकड़े करते समय रूबी के हाथ नहीं कांपे।

इसके बाद रूबी ने पति की गुमशुदगी भी दर्ज करा दी। यूपी के संभल जिले के चंदौसी से झकझोर कर रख देने वाली घटना का पुलिस ने खुलासा किया तो मेरठ का सौरभ हत्याकांड नजरों के सामने घूम गया। मुस्कान ने प्रेमी की मदद से पति के टुकड़े कर ड्रम में डाला था, जबकि चंदौसी की रूबी ने प्रेमी के सहयोग से पति की हत्या कर ग्राइंडर से शव के टुकड़े कर दिए। इस हिला देने वाली घटना को अंजाम देते समय रूबी के हाथ नहीं कांपे। शव को साजिश के तहत ठिकाने लगाया गया। हत्या के बाद प्लास्टिक के बैग खरीदे और दोनों ने मिलकर रात में लाश के टुकड़े किए। पहले सिर धड़ से अलग किया फिर हाथ पैर काटे। दिन में ही रेकी कर यह देख लिया था कि जहां लाश ठिकाने लगानी है, वहां सीसीटीवी की नजर तो नहीं है। इसके बाद धड़ को ईदगाह के पास नाले में डाल दिया गया, जबकि सिर व हाथ-पैर बैग में भरकर दोनों राजघाट पहुंचे और शव के टुकड़े गंगा में बहा दिए। किसी मंझे हुए अपराधी की तरह रूबी ने हत्या करने के बाद 18 नवंबर को पति राहुल की गुमशुदगी भी थाने में दर्ज करा दी थी। लेकिन यहीं से पुलिस को सुराग मिला और आरोपियों तक पहुंच गई। पति के हत्या के आरोप में पत्नी जेल चली गई। अब बच्चों के सिर पर न पिता का साया और न मां का आंचल। राहुल का 12 साल का बेटा सातवीं कक्षा में पड़ता है, जबकि उसकी 10 साल की बहन छठी कक्षा में पढ़ती है।

बरेली में बड़ी कार्रवाई : मौलाना तौकीर के करीबी वाजिद बेग के बरातघर पर चला बुलडोजर

> भारी पुलिस फोर्स तैनात

बरेली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। बरेली में 26 सितंबर को शहर में बवाल कराने के मुख्य आरोपी मौलाना तौकीर रजा के करीबी प्रॉपर्टी डीलर वाहिद बेग के बरातघर पर भी मंगलवार को बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने बुलडोजर चलाया। सुबह 11:30 से बीडीए की पोकलेन मशीन और दो बुलडोजर बरातघर को जमींदोज करने में जुट गए। कार्रवाई शुरू होने के दौरान कुछ महिलाओं में विरोध जरूर किया था, लेकिन पुलिस बल की सक्रियता से उनका विरोध प्रदर्शन काम नहीं आया और बीडीए ने तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू कर दी थी।

इज्जतनगर थाना क्षेत्र के फरीदापुर चौधरी गांव में स्थित वाहिद बेग के बरातघर को ध्वस्त करने की कार्रवाई का कारण बीडीए मानचित्र स्वीकृत न होना बता रहा है। बरातघर को जमींदोज करने के लिए जिला प्रशासन ने मौके पर मजिस्ट्रेट के रूप में रामजन्म यादव को तैनात कर रखा है। साथ में एटीएम सिटी सौरभ दुबे भी मौजूद हैं। यहां पुलिस फोर्स का नेतृत्व एसपी सिटी मानुष पारीक कर रहे हैं। जबकि बीडीए की तरफ से संयुक्त सचिव दीपक कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर हैं।

सुनवाई के अवसर को वाहिद ने की अनदेखी

बीडीए के संयुक्त सचिव दीपक कुमार ने बताया कि प्रॉपर्टी डीलर वाजिद वेग ने ग्राम फरीदापुर चौधरी, सिकलापुर रोड पर लगभग 400 वर्ग मीटर में बाउंड्री कवर करते हुए बरातघर का निर्माण कर रखा है। स्थल पर कोई स्वीकृत मानचित्र नहीं दिखाया गया। इस मामले में वाहिद बेग को छह अक्तूबर को नोटिस भी जारी किया गया था। इसी दिन बरातघर को सील किया गया था। नोटिस पर सुनवाई के लिए 18 अक्तूबर की तारीख निर्धारित की गई थी, लेकिन प्रॉपर्टी डीलर पेश नहीं हुआ। फिर 11 नवंबर को वाहिद बेग की तरफ से उनके भाई आविद वेग हाजिर हुए थे और सील खोलने का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर शासन में दायर पुनरीक्षणवाद वाजिद वेग बनाम बीडीए में विशेष सचिव के स्तर से चार नवंबर को जारी आदेश की प्रति प्रस्तुत की गई थी।

विशेष सचिव ने जारी किए थे आदेश

बीडीए के संयुक्त सचिव ने बताया कि वाहिद बेग के भाई की तरफ से प्रस्तुत की गई विशेष सचिव के आदेश के प्रति में निर्देश दिए गए थे कि पुनरीक्षणकर्ता को सुनवाई का अवसर प्रदान कर उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरणों के लिए मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा मॉडल जोनिंग रेगुलेशन्स 2025 के आलोक में प्रकरण का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करें। जिसके क्रम में संपूर्ण कार्रवाई के बाद अब वाहिद बेग के बरातघर को ध्वस्त किया जा रहा है।

पंचायत चुनाव में गड़बड़ी नहीं हुई तो सबसे अधिक जनप्रतिनिधि हमारे होंगे : सांसद केएल शर्मा

अमेठी, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। सभी विधानसभाओं में कांग्रेस मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी। संगठन हमारा हर विधानसभा में हैं। सांप्रदायिक ताकतों को रोकने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व का निर्णय अंतिम होगा। पंचायत चुनाव में गड़बड़ी नहीं हुई तो ग्राम पंचायतों में कांग्रेस के सबसे अधिक जन प्रतिनिधि चुनाव जीतेंगे। ये बातें मंगलवार को गौरीगंज स्थित केंद्रीय कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस सांसद किशोरीलाल शर्मा ने कहीं।

उन्होंने एसआईआर कार्यक्रम को लेकर कहा कि बूथवार पार्टी के बीएलए अनुपस्थित, शिफ्टेड व अन्य मतदाताओं की मिली एएसडी सूची का सत्यापन कर रहे हैं। कई मामले ऐसे आए है कि परिवार के सदस्यों का नाम सूची में शामिल नहीं किया गया था। संबंधित बीएलए की शिकायत पर उसे सही करवाया गया। कहा कि विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेजी से की जा रही है। अमेठी और रायबरेली में संगठन पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं। कहा कि विधानसभा में जो जीतने वाले व पार्टी के साथ निष्ठा से काम करने वालों को ही टिकट के लिए प्रमोट किया जाएगा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर जारी हुई अनंतिम सूची की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार व सत्ताधारी दल चुनाव में तमाम हथकंडे अपनाते हैं। कहीं परचा खारिज कर तो कहीं मतदान में अन्य गड़बड़ी कराकर। उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शी चुनाव कराए तो जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायत में सबसे अधिक उनके प्रतिनिधि चुनाव जीतकर आएंगे।

सीवान में 40 हजार की रिश्वत लेते दरोगा गिरफ्तार

नाम हटाने के बदले ले रहा था घूस; हुई गिरफ्तारी

सीवान, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। सीवान जिले में निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक दरोगा को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। सिसवन थाना में पदस्थापित एसआई कन्हैया कुमार सिंह को 40 हजार रुपये घूस लेते हुए पकड़ा गया है। फिलहाल उनसे पूछताछ जारी है।

मामले के संबंध में बताया जाता है कि सिसवन थाना क्षेत्र के निवासी सुनील कुमार के घर 18 दिसंबर को जमीनी विवाद को लेकर मारपीट की घटना हुई थी। इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से सिसवन थाना में कांड संख्या 309/25 दर्ज किया गया था, जिसकी अनुसंधानकर्ता (आईओ) एसआई कन्हैया कुमार सिंह थे। आरोप है कि केस डायरी से सुनील कुमार की बहन का नाम हटाने के एवज में एसआई कन्हैया कुमार सिंह ने 40 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। इससे परेशान होकर सुनील कुमार ने निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के सत्यापन के बाद निगरानी विभाग ने कांड संख्या 170/25 दर्ज करते हुए शुक्रवार को जाल बिछाया। पटना से आई निगरानी विभाग की टीम ने डीएसपी विप्लव कुमार के नेतृत्व में सिसवन थाना क्षेत्र के महाराणा चौक स्थित बबलू चाय की दुकान पर छापेमारी की, जहां एसआई कन्हैया कुमार सिंह रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिए गए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 24 दिसंबर, 2025 5

युविचार

महत्त्व हमेशा खुद को ज्यादा देना क्योंकि, अगर दूसरो को दोगे तो अपना आत्म सन्मान ही खो दोगे!

मुख्यमंत्री सचिवों के प्रदर्शन की तिमाही समीक्षा करेंगे

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि परिणाम हासिल करने के लिए अधिकारियों के बीच प्रभावी समन्वय अनिवार्य है और कोई भी विभाग अलग-थलग रहकर काम नहीं कर सकता। राज्य सचिवालय में सभी विभागों के सचिवों की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने 'तीन-स्तरीय प्रदर्शन समीक्षा प्रणाली' की घोषणा की।

इसके तहत मुख्य सचिव हर महीने सचिवों के कार्य प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री स्वयं हर तीन महीने में व्यापक समीक्षा करेंगे। सचिवों को हर माह अपनी प्रगति रिपोर्ट मुख्य सचिव को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते दो वर्षों में ऊर्जा, शिक्षा, सिंचाई और स्वास्थ्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों में स्पष्ट नीतियां बनाई गई हैं। उन्होंने 'तेलंगाना राइजिंग-2047' विज़न डॉक्यूमेंट का उल्लेख करते हुए बताया कि राज्य को 'क्योर', 'प्योर' और 'रेयर' ज़ोन में विभाजित कर योजनाबद्ध विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्ययोजना की सफलता अधिकारियों के सहयोग पर निर्भर है। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों के सचिवों को नियमित, आउटसोर्स और संविदा कर्मचारियों का पूरा विवरण 26 जनवरी तक मुख्य सचिव को सौंपने के निर्देश दिए। साथ ही आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतन, ईपीएफ और ईएसआई लाभ मिल रहे हैं या नहीं, इसकी जांच भी उसी तिथि तक पूरी करने को कहा।

उन्होंने किराये की इमारतों में चल रहे सरकारी कार्यालयों को 26 जनवरी तक सरकारी भवनों में स्थानांतरित करने का आदेश दिया। बैठक में मुख्य सचिव रामकृष्ण राव सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

साइबराबाद में 2025 में साइबर अपराध और धोखाधड़ी में बड़ी गिरावट

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबरबाद पुलिस कमिश्नरेट के आंकड़ों के अनुसार 2025 में साइबर अपराध के मामलों में गिरावट आई है। 2024 में दर्ज 11,914 मामलों की तुलना में 2025 में 7,636 मामले दर्ज किए गए। साइबर धोखाधड़ी से होने वाले वित्तीय नुकसान भी घटकर 404.61 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024 में 793.18 करोड़ रुपये था। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से पीड़ितों को 54.67 करोड़ रुपये की वसूली भी हुई। अधिकतर धोखाधड़ी अंशकालिक नौकरी के मामलों में हुई (2,079 मामले), इसके बाद व्यापार धोखाधड़ी (1,256) और स्मिशिंग धोखाधड़ी (689) शामिल हैं। डिजिटल गिरफ्तारी धोखाधड़ी में 2024 के 1,002 मामलों से गिरकर 2025 में केवल 117 मामले दर्ज हुए। साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने बताया कि साइबर जागरूकता अभियानों, खातों को तेजी से फ्रीज करने और बैंकों व सेवा प्रदाताओं के समन्वय के कारण यह गिरावट आई है।

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने सिंगरेणी जेवीआर ओपन माइन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने मंगलवार को अधिकारियों के साथ सतुपल्ली स्थित जालगम वेंगला राव (जेवीआर) ओपन माइन का निरीक्षण किया। उन्होंने पहले व्यू प्वाइंट से खदान का जायजा लिया और बाद में खदान के भीतर जाकर कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोयला खनन की प्रक्रिया, परतों की संख्या, उपलब्ध कोयले के प्रकार, परिवहन व्यवस्था और चौबीसों घंटे चलने वाली खदान के लिए बिजली आपूर्ति की जानकारी ली। उन्होंने वाहनों की संख्या, स्थायी व संविदा कर्मचारियों की स्थिति, वेतन भुगतान प्रणाली, कोयले के बाजार मूल्य और सुरक्षा उपायों पर भी सवाल किए। इसके बाद उपमुख्यमंत्री ने कोयला डिस्पैच केंद्र का दौरा कर कोयले की आपूर्ति और उसके गंतव्य क्षेत्रों की जानकारी ली। इस अवसर पर विधायक कट्टा रघमयी, सीएमडी कृष्ण भास्कर, कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी, सीपी सुनील दत्त सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कृष्णा जल समझौता तेलंगाना के लिए 'मृत्युदंड' : वेदिरे श्रीराम

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के पूर्व सलाहकार और वर्तमान में महाराष्ट्र सरकार के सलाहकार वेदिरे श्रीराम ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा कृष्णा नदी के 299 टीएमसी जल पर सहमति देना तेलंगाना के लिए 'मृत्युदंड' साबित हुआ है। केसीआर के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए श्रीराम ने नदी जल बंटवारे पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि एपेक्स काउंसिल की बैठक में केसीआर ने कुल 811 टीएमसी में से केवल 299 टीएमसी जल पर सहमति दी, जो तेलंगाना के साथ अन्याय है। उन्होंने सवाल उठाया कि पालमूरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना की योजना के दौरान ऐसा निर्णय कैसे लिया गया। श्रीराम ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार 299 टीएमसी जल का भी पूरा उपयोग नहीं कर सकी और सिंचाई केवल चुनावी बयानबाजी तक सीमित रही। उन्होंने केंद्र द्वारा नए ट्रिब्यूनल के गठन का स्वागत करते हुए कहा कि मजबूत कानूनी रणनीति से तेलंगाना को 650 टीएमसी से अधिक जल मिल सकता है।

ट्रैवल बस पलटी, दो यात्री गंभीर घायल

संगारेड्डी, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले में मंगलवार तड़के एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। एनएच-65 पर कोहिर के पास एक निजी ट्रैवल बस सड़क से उतरकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में दो यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि बस में सवार अन्य यात्री बाल-बाल बच गए। घटना के बाद बस में आग लगने की आशंका से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। डर के कारण यात्री आपातकालीन दरवाजे से बाहर निकलने लगे। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए यात्रियों की मदद की और सभी को सुरक्षित बस से बाहर निकाला।

प्रत्यक्षदर्शियों और प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह हादसा चिंथा घाट के पास हुआ, जब बस चालक ने एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश की।

इसी दौरान चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और बस सड़क से उतरकर पलट गई। बताया जा रहा है कि बस में कुल 36 यात्री सवार थे। यह बस कर्नाटक से हैदराबाद जा रही थी। घायलों को तुरंत जहीराबाद के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बस को अपने कब्जे में लेकर स्थानीय पुलिस स्टेशन ले गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मनरेगा की जगह नया कानून 'ऐतिहासिक भूल' : श्रीकांत गौड़

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी फाइनेंस कॉर्पोरेशन के चेयरमैन नुथी श्रीकांत गौड़ ने मंगलवार को भाजपा-नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर नेहरू-गांधी विरासत को मिटाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने विशेष रूप से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलकर नया कानून लाने को निशाने पर लिया। 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन-ग्रामीण (बीवी- जी राम जी) विधेयक, 2025' के पारित होने पर प्रतिक्रिया देते हुए गौड़ ने इसे ऐतिहासिक भूल करार दिया और कहा कि यह अधिकार-आधारित कल्याण ढांचे को कमजोर करने का प्रयास है।

उन्होंने आशंका जताई कि नए प्रावधानों में मनरेगा के तहत मांग-आधारित 'काम का अधिकार' समाप्त होकर सरकार-नियंत्रित आपूर्ति-आधारित मॉडल लागू हो गया है। हालांकि रोजगार के दिनों को 100 से बढ़ाकर 125 किया गया है, लेकिन मजदूरों के लिए काम की कानूनी मांग का अधिकार कमजोर पड़ा है, उन्होंने कहा। केंद्र-राज्य वित्तीय हिस्सेदारी को 60:40 करने पर भी गौड़ ने आपत्ति जताई और इसे राज्यों पर बोझ डालने वाला अनुदान-विहीन दायित्व बताया। साथ ही, डिजिटल निगरानी और मौसमी विराम से भूमिहीन ग्रामीण मजदूरों पर प्रतिकूल असर पड़ने की चेतावनी दी।

कांग्रेस काल की योजनाओं के नाम बदलने के उदाहरण गिनाते हुए-राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना का दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना में बदलाव, इंदिरा आवास योजना का प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और जेएनएनयूआरएम का अमृत मिशन-उन्होंने कहा कि यह सुधार नहीं, बल्कि राजनीतिक पुनर्ब्रांडिंग का पैटर्न है। गौड़ ने कहा, ग्रामीण रोजगार योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाना प्रतीकात्मक और राजनीतिक रूप से अनुचित है, और चेताया कि यह मुद्दा आने वाले समय में बड़ा चुनावी मुद्दा बन सकता है।

सार्वजनिक स्थानों और स्कूलों में प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण की मांग

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। किसी भी चिकित्सीय आपात स्थिति में शुरूआती कुछ मिनट मरीज की जान बचाने में निर्णायक होते हैं, लेकिन अस्पताल पहुंचने में होने वाली देरी के कारण अक्सर 'सुनहरा समय' निकल जाता है। ऐसी अनावश्यक मौतों को रोकने के लिए हैदराबाद के जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सार्वजनिक स्थानों को आपातकालीन स्थिति के अनुकूल बनाने और विद्यालयों के पाठ्यक्रम में बुनियादी आपातकालीन चिकित्सा प्रशिक्षण शामिल करने की मांग की है।

वरिष्ठ आपातकालीन कार्डियक रिससिटेशन विशेषज्ञ डॉ.बी. विजया राव ने कहा कि मेट्रो स्टेशनों, रेलवे स्टेशनों और जेबीएस व एमजीबीएस जैसे बस टर्मिनलों में कार्डियक आपात स्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए जाने चाहिए। उन्होंने बताया कि स्वचालित बाह्य अपघटन यंत्र (एईडी) और प्रशिक्षित कर्मियों की मौजूदगी से हृदय गति रुकने के मामलों में जीवित रहने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसी क्रम में वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवरंजनी संतोष ने राज्य सरकार से अपील की है कि कक्षा 7 से ही सीपीआर और प्राथमिक उपचार को विद्यालयी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकतर आपात स्थितियों में आसपास मौजूद लोगों के पास चार मिनट से भी कम समय होता है, लेकिन अधिकांश लोग प्राथमिक चिकित्सा से अनभिज्ञ हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बच्चों को कम उम्र से ही आपातकालीन प्रतिक्रिया का प्रशिक्षण दिया जाए, तो अनेक जानें बचाई जा सकती हैं।

आदिलाबाद में कांग्रेस शासन के खिलाफ अनोखा विरोध

ग्रामीणों ने खुद को जूतों से पीटा

आदिलाबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद के मुखरा (के) गांव में ग्रामीणों ने मंगलवार को कांग्रेस सरकार के दो साल के शासन के खिलाफ अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने खेत में इकट्ठा होकर अपने ही जूतों से खुद को पीटकर सरकार द्वारा चुनावी वादों को पूरा न करने के प्रति अपना गुस्सा व्यक्त किया।

ग्रामीणों ने कहा कि सत्ता में आने के बाद से किसानों को यूरिया की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है और वे दो साल से रैतू भरोसा फसल निवेश सहायता का इंतजार कर रहे हैं। उनका आरोप है कि कांग्रेस ने किसानों को धोखा दिया है और उन्हें वोट देने के लिए दंडित किया गया है। ग्रामीणों ने बीआरएस शासन की तुलना करते हुए कहा कि उस समय फसल निवेश सहायता समय पर मिलती थी और उर्वरक भी आसानी से उपलब्ध होते थे। इस विरोध प्रदर्शन में पूर्व सरपंच गाडगे मीनाक्षी, पूर्व एमपीटीसी सदस्य सुभाष और बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए।

लंदन से हैदराबाद आ रही ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लंदन से हैदराबाद आ रही ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मंगलवार को हड़कंप मच गया। हवाईअड्डा सूत्रों के अनुसार, विमान के यहां सुरक्षित उतरने के बाद तुरंत मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू कर दिए गए। सूत्रों ने बताया कि हवाई अड्डे की ग्राहक सहायता सेवा को सोमवार को लंदन के हीथ्रो से हैदराबाद आ रही ब्रिटिश एयरवेज की उड़ान संख्या बीए 277 को बम से उड़ाने की धमकी वाला एक ईमेल प्राप्त हुआ था। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया। विमान के हैदराबाद पहुंचने पर उसे अन्य विमानों से अलग खड़ा किया गया। सभी यात्रियों और उनके सामान की गहन जांच की गई। सुरक्षा व्यवस्था के तहत अग्रिशमन वाहनों को तैयार रखा गया और खोजी कुत्तों की मदद से विमान की तलाशी ली गई।

सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। सभी सुरक्षा प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद विमान को वापस हीथ्रो के लिए रवाना कर दिया गया। गौरतलब है कि इसी महीने की शुरूआत में भी इंडिगो की मदीना-हैदराबाद और शारजाह-हैदराबाद उड़ानों को लेकर ऐसे ही धमकी भरे ईमेल हवाई अड्डे को मिले थे। मदीना-हैदराबाद की उड़ान को एहतियातन अहमदाबाद हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया था।

आदिवासी गांव में एक महीने तक जूते-चप्पल पहनकर प्रवेश पर रोक

उल्लंघन पर 5 हजार जुर्माना

आदिलाबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले के एक आदिवासी गांव में परंपरा और आस्था से जुड़ा एक अनोखा नियम इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। इंदरवेल्ली मंडल के थुम्मुगुडा गांव में आदिवासी समुदाय ने एक महीने तक बाहरी लोगों के जूते-चप्पल पहनकर गांव में प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी है। नियम का उल्लंघन करने वालों पर 5,000 रुपये का जुर्माना तय किया गया है। गांववासियों ने सोमवार को गांव में एक फ्लेक्स पोस्टर लगाकर इस नियम की जानकारी सार्वजनिक की। यह नियम पुष्य या पूस के पवित्र महीने के दौरान लागू किया गया है, जो मंगलवार से शुरू होकर 22 जनवरी तक चलेगा। इस अवधि में आदिवासी अपने देवी-देवताओं की विशेष पूजा-अर्चना करते हैं।

परंपरा के अनुसार, इस पवित्र महीने में आदिवासी सादगीपूर्ण जीवन जीते हैं। वे शराब और धूम्रपान से दूर रहते हैं, जमीन पर सोते हैं और नंगे पैर चलते हैं। इसी आस्था के चलते गांव में आने वाले बाहरी लोगों को भी गांव की सीमा पर चप्पल उतारकर ही प्रवेश करने का निर्देश दिया गया है। गांव के बुजुर्ग केशव राव ने बताया कि यह परंपरा दशकों से चली आ रही है और सभी से इसका सम्मान करने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि यह नियम केवल अनुशासन नहीं, बल्कि उनकी संस्कृति और आस्था का प्रतीक है।

दो दिन शहर के कई इलाकों में जलापूर्ति बंद

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मरम्मत कार्यों के चलते 27 दिसंबर सुबह 6 बजे से 28 दिसंबर शाम 6 बजे तक शहर के कई इलाकों में जलापूर्ति बाधित रहेगी। मेट्रो वाटर बोर्ड के मुख्य महाप्रबंधक के अनुसार मीर आलम, किशनबाग, फलकनुमा, बहादुरपुरा, जहानुमा, संतोष नगर, सईदाबाद, दिलसुखनगर सहित कई क्षेत्रों में 36 घंटे तक पानी की आपूर्ति नहीं होगी। लोगों से वैकल्पिक व्यवस्था करने की अपील की गई है।

आदिवासियों ने वकील और पुलिसकर्मी के खिलाफ धरना देकर सौंपा ज्ञापन

आदिलाबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद के आदिवासी समुदाय ने आरोप लगाया है कि कुछ व्यक्तियों (जिनमें एक वकील और एक पुलिसकर्मी शामिल हैं) उन्हें धमका रहे हैं और परेशान कर रहे हैं। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन के कार्यालय के सामने धरना देने के बाद आदिवासियों ने उन्हें एक ज्ञापन सौंपा।

भट्टिसावर्गोन गांव की कुमराम भीम कॉलोनी में रहने वाले आदिवासियों ने कल्लेम भूमारेड्डी, टिप्पा नारायण, सुरेश अग्रवाल, वकील डेविड और पुलिसकर्मी मल्लेश पर जमीन पर कब्जा करने के लिए धमकाने और उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि वे 2007 से कॉलोनी में झोपड़ियां बनाकर रह रहे हैं और सरकार ने उनकी आर्थिक स्थिति को देखते हुए उन्हें बुनियादी सुविधाएं देने का वादा किया था। आदिवासियों ने आरोप लगाया कि पांचों व्यक्ति राजस्व अधिकारियों के साथ मिलकर जाली स्वामित्व दस्तावेज और अदालती आदेशों का हवाला देकर सरकारी जमीनों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने पुलिस से अनुरोध किया है कि उनके साथ किए गए दुर्व्यवहार, धमकी और उत्पीड़न के मामलों में अनुसूचित जाति एवं जनजाति निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाए।

उपपरिवहन आयुक्त के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला, एसीबी की छापेमारी

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने महबूबनगर के उप परिवहन आयुक्त के खिलाफ ज्ञात आय स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया है। इसके बाद एसीबी की टीमों ने राज्य के विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान शुरू किया है।

एसीबी अधिकारियों ने मंगलवार तड़के छापेमारी करते हुए उप परिवहन आयुक्त किशन नाइक, उनके रिश्तेदारों, दोस्तों और संदिग्ध बेनामी व्यक्तियों के आवासों पर एक साथ तलाशी शुरू की। इस कार्रवाई से संबंधित इलाकों में हड़कंप मच गया।

सूत्रों के अनुसार, यह तलाशी अभियान महबूबनगर, रंगा रेड्डी और हैदराबाद सहित कई स्थानों पर एक साथ चलाया जा रहा है। छापेमारी के दौरान अधिकारियों द्वारा दस्तावेजों, नकदी और अन्य संपत्तियों की गहन जांच की जा रही है। एसीबी अधिकारियों का कहना है कि तलाशी अभियान पूरा होने के बाद जब्त सामग्री और दस्तावेजों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जांच जारी है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

बांग्लादेश में अराजकता?

बांग्लादेश इस समय अपने सबसे खतरनाक दौर से गुजर रहा है। छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या ने सड़क-आंदोलन को और भड़का दिया है, जो भीतर ही भीतर सुलग रहा था। एक हिंसक घटना से शुरू हुआ आक्रोश अब एक व्यापक चुनौती में बदल चुका है। अब तो लिए जाने वाले फैसले ही तय करेंगे कि बांग्लादेश संतुलन की ओर लौटेगा या लंबे समय तक आंदोलन की आग में झुलसता रहेगा। यूनुस का अंतरिम प्रशासन असाधारण दबाव में है। जिसके जिम्मेदार वे खुद ही हैं। उनके सामने एक ओर कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी है, तो दूसरी ओर अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले चुनावों की जमीन तैयार करने की चुनौती। अवामी लीग के रूप में एक केंद्रीय स्तंभ को हटा तो दिया गया, लेकिन उसके स्थान पर कोई व्यापक रूप से वैकल्पिक व्यवस्था नहीं दी गई। इसी खालीपन को भरने के लिए सड़कें आबाद कर दी गई हैं। मौजूदा उथल-पुथल से वहां असंतोष-आधारित राष्ट्रवाद और टकराव को बढ़ावा मिल रहा है। जबकि जमीनी विरोध-प्रदर्शनों के साथ लगातार तालमेल बिठाकर शासन चलाना न तो टिकाऊ है और न ही समझदारी भरा। जनआंदोलनों को जितनी देर टाला जाता है, संस्थागत सत्ता को बहाल करना उतना ही कठिन हो जाता है। नेतृत्व का अर्थ है जनभावनाओं को समझना, उनमें बह जाना नहीं। आज बांग्लादेश की सड़कों पर भारत-विरोधी नारे नजर आ रहे हैं। कूटनीतिक परिसरों के सामने प्रदर्शन हो रहे हैं। अगस्त 2024 से अब तक नई दिल्ली ने संयम बरता है, बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति पर सार्वजनिक टिप्पणी से परहेज किया है और शांत कूटनीतिक संवाद पर भरोसा किया है। लेकिन यह हमारी रणनीतिक धैर्य है। पाकिस्तान का खुफिया तंत्र ऐतिहासिक रूप से ऐसे अवसरों का लाभ उठाता रहा है। इसीलिए अधिक गंभीर खतरा यह है कि बांग्लादेश की धरती से कहीं भारत के खिलाफ उग्रवादी या आतंकवादी गतिविधियां न उभरने लगें। दशकों तक भारत और बांग्लादेश के बीच घनिष्ठ सहयोग ने ऐसे खतरों को पनपने नहीं दिया था। लेकिन यदि अब ऐसा हुआ तो सुरक्षा संबंधी धारणाएं नाटकीय रूप से बदल जाएंगी और कठोर प्रतिक्रिया से जुड़े जटिल प्रश्न खड़े हो जाएंगे। फिलहाल तो बांग्लादेश के नेतृत्व के लिए सबक साफ है। सड़कों पर होने वाले आंदोलन फौरी बदलाव तो ला सकते हैं, लेकिन दीर्घकालीन अच्छा प्रशासन नहीं दे सकते। बांग्लादेश जितनी देर तक ठोस राजनीतिक नेतृत्व से दूर रहेगा, वहां पर स्थायित्व लाना उतना ही मुश्किल होता चला जाएगा।

बांग्लादेश में हिंदुओं के कत्लेआम पर विश्व की बेशर्म खामोशी

संजय सक्सेना

बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार को ज़बरदस्ती गिराने के बाद वहां हिंदू समुदाय पर हो रही बर्बरता ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। हिन्दुओं पर अत्याचार के मामले में बांग्लादेश भी पाकिस्तान की राह पर चलता नज़र आ रहा है। हसीना की सरकार जाने के बाद बांग्लादेश में करीब दो सौ हिंदुओं की हत्या हो चुकी है, उनकी करोड़ों की संपत्ति लूटी जा चुकी है और हिंदू लड़कियों व महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार जैसी अमानवीय घटनाएं सामने आ रही हैं। भारत सरकार के पास इस संकट से निपटने के लिए कई मजबूत विकल्प मौजूद हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चुप्पी ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि बड़े देश और मीडिया क्यों इस पर गंभीर नहीं हो रहे। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के जाने के बाद अगस्त 2024 से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले तेज हो गए। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अगस्त से फरवरी 2025 तक इक्कीस हिंदुओं की हत्या हुई और एक सौ बावन मंदिरों पर हमले किए गए। पिछले दो महीनों में ही 76 घटनाएं दर्ज की गई, जिनमें लूटपाट, घरों पर आगजनी और महिलाओं पर अत्याचार शामिल हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया कि 281 हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ और एक सौ तिरासी हिंदुओं की हत्या कर दी गई। हाल ही में दीपू दास नामक हिंदू युवक को ईशनिंदा के झूठे आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला, जबकि वहां की पुलिस कह रही है कि उसके पास दीपू दास के खिलाफ ईशनिंदा का कोई सबूत नहीं है, जिससे भारत में जन आक्रोश फैल गया।

इन घटनाओं ने साबित कर दिया कि वहां कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और अल्पसंख्यक हिंदू निशाने पर हैं। जहां तक भारत सरकार क्या कदम उठा सकती है, इसकी बात की जाए तो हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार सबसे पहले बांग्लादेश सरकार पर कूटनीतिक दबाव बना सकती है। उच्च स्तरीय वार्ताओं के ज़रिए बांग्लादेश सरकार से अल्पसंख्यकों की रक्षा के ठोस कदम उठाने की मांग की जा सकती है, जैसा कि विदेश सचिव की यात्रा में किया गया। दूसरे विकल्प के रूप में संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मुद्दा उठाना संभव है, जहां बांग्लादेश पर वैश्विक दबाव बन सके। तीसरा, मानवीय सहायता कार्यक्रम शुरू करके हिंदुओं को भोजन, चिकित्सा और शरण प्रदान की जा सकती है। चौथा, बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठनों पर नजर रखी जा सकती है और उनके भारत-विरोधी एजेंडे को रोकने के लिए दबाव बनाया जा सकता है। पांचवां विकल्प आर्थिक निर्भरता का इस्तेमाल है, क्योंकि बांग्लादेश भारत से ईंधन, बिजली, कपास, दवाइयां और खाद्यान्न मंगाता है। इनकी आपूर्ति पर शर्तें लगाकर या अस्थायी रोक लगाकर दबाव बनाया जा सकता है, बिना आम जनता को ज़्यादा नुकसान पहुंचाए। छठा, सीमा पर सुरक्षा बढ़ाकर हिंदू शरणार्थियों को सुरक्षित प्रवेश देकर उनकी सहायता की जा सकती है। ये सभी कदम क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखते हुए प्रभावी साबित हो सकते हैं।

वैसे मोदी सरकार पहले ही बांग्लादेश के साथ अपनी चिंताएं साझा कर चुकी है और उच्चायोग वहां स्थिति पर नज़र रख रहा है। दिसंबर 2024 में बांग्लादेश ने कहा कि 1282 घटनाओं की जांच में 70 लोगों को गिरफ्तार किया गया। लेकिन ये कदम अपर्याप्त हैं, क्योंकि हिंसा थम नहीं रही। भारत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के ज़रिए दोनों देशों के हिंदू-मुस्लिम समुदायों में भाईचारा बढ़ा सकता है। साथ ही, व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने की शर्त पर अल्पसंख्यक सुरक्षा को बांध सकता है। अगर जरूरत पड़ी तो सैन्य सहायता या संयुक्त अभियान की तैयारी भी रखी जा सकती है, हालांकि फिलहाल कूटनीति को प्राथमिकता दी जा रही है ताकि बांग्लादेश की आम जनता पर बोझ न पड़े।

ये विकल्प भारत की मानवीय प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। पूरे घटनाक्रम में अंतरराष्ट्रीय मीडिया और बड़े देशों की चुप्पी सबसे बड़ा सवाल है। संयुक्त राष्ट्र ने हिंसा पर चिंता जताई और महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने नस्लीय हमलों की निंदा की, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पश्चिमी देश जैसे अमेरिका और ब्रिटेन ने कुछ बयान दिए, लेकिन वे कमजोर रहे। अमेरिकी सांसदों ने दीपू दास हत्याकांड की निंदा की, पर व्यापक विरोध नहीं हुआ।

वाजपेयी के सपनों को पूरा कर रहे हैं पीएम मोदी

अशोक भाटिया

अटल बिहारी वाजपेयी जिनका आज जन्म दिन है आजाद भारत में पैदा हुए पांच शानदार नेताओं में से एक थे। इन सभी पाँच नेताओं का देश की जनता पर गहरा और लगभग पूर्ण प्रभाव था। उनका कद, शैली, मानक और बोलबाला अद्वितीय और अभूतपूर्व था/हैं। ये पांच नेता थे/हैं महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी। जबकि पहले तीन राष्ट्रीय नेता विचारधारा की एक धारा का प्रतिनिधित्व करते थे, बाद के दो विचारधारा की बिल्कुल अलग धारा का प्रतिनिधित्व/प्रतिनिधित्व करते थे, जो पहले से बिल्कुल अलग है।इन्ही में से एक अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने राष्ट्र के प्रति सेवा काल में बहुत ही उत्कृष्ट काम किए जिन्हें विरोधी दल पचा नहीं पा रहे थे । उन्हें लगता था कि यदि अटल बिहारी वाजपेयी इसी प्रकार आगे बढ़ते रहे तो लोग उन्हें (विपक्षी दलों) को भूल जाएंगे । परन्तु वाजपेयी ने अपनी विचारधारा का लगातार अनुसरण करते रहे लेकिन भारत में तत्कालीन चुनावी राजनीति की मजबूरियों ने उन्हें गठबंधन की राजनीति का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस कला में दोनों स्थितियों में महारत हासिल की, जब वे विपक्ष में थे और तब भी जब वे सत्ता पक्ष में थे। राजनीति और सार्वजनिक जीवन में अपने लंबे अनुभव से, उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं, दूसरी पीढ़ी के नेतृत्व और करीबी अनुयायियों के लिए सीखने के लिए कई सबक छोड़े। समय की विडम्बना थी कि जब 1996 में प्रधान मंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान जब उन्हें लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा तो उनकी सरकार केवल एक वोट से गिर गई । उस समय उन्होंने लोकसभा में अपने शानदार भाषण में कहा था कि सरकारें आएंगी और जाएंगी, नेता आएंगे और जाएंगे, लेकिन यह देश सहना होगा, टिकना होगा......अगर आप (विपक्ष) हमें हटाकर सरकार बनाना चाहते हैं, तो बना सकते हैं, लेकिन मुझे उम्मीद नहीं है कि यह टिकेगी।भाजपा ऐसी पार्टी नहीं है एक कुकुरमुत्ते की तरह उग आया है, इसने जनता के बीच अपनी जगह बनाने के लिए चालीस साल तक काम किया है ...... आज आप (विपक्ष) हम पर हंस रहे हैं क्योंकि हमारे पास सीटें कम हैं, लेकिन एक दिन पूरा देश ऐसा करेगा आप पर हंसें।

हम जरूरी संख्या के साथ वापस आएंगे और जो मिशन हमने अपने हाथ में लिया है, उसका पालन करते रहेंगे।

उन्होंने अपने मिशन को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए संख्याओं के महत्व को रेखांकित किया। संसद में भाजपा के लिए पूर्ण संख्या प्राप्त करने का उनका सपना उनके ऐतिहासिक भाषण के 18 साल बाद 2014 में उनके सबसे करीबी शिष्यों में से एक नरेंद्र मोदी के भाषण के बाद साकार हुआ। 1996 के बाद, वाजपेयी दो बार भारत के प्रधान मंत्री चुने गए लेकिन दोनों समय; उन्हें गठबंधन सरकार बनानी पड़ी क्योंकि दोनों बार भाजपा केवल 182 सीटें जीत सकी, जो आवश्यक बहुमत से नब्बे एक कम थी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने 2014 के साथ-साथ 2019 में भी पूर्ण बहुमत हासिल किया और दोनों बार कांग्रेस को सिर्फ 50 सीटों के आसपास ही समेट दिया। वाजपेयी की बातें सच हुईं और उनका सपना भी साकार हुआ कि भाजपा एक दिन पूरे बहुमत के साथ वापस आएगी। भाजपा को पूर्ण बहुमत दिलाने में प्रधानमंत्री मोदी की असाधारण उपलब्धि की भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी ने संसद के केंद्रीय कक्ष में भाजपा की पहली संसदीय दल की बैठक में सराहना की, जो लोकसभा में पार्टी के नेता का चुनाव करने के लिए बुलाई गई थी मई 2014 में।

अब भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल के दौरान उनके प्रमुख सपनों को साकार करने में निरंतर कार्य कर रहे है । इन सपनों का अपने गहरे संगठनात्मक, वैचारिक और राजनीतिक निहितार्थों को ध्यान में रखते हुए न केवल भाजपा (पहले भारतीय जनसंघ) के लिए बल्कि पूरे देश के लिए बहुत महत्व था । वाजपेयी ने कई अवसरों पर अपनी कुछ प्रसिद्ध अभिव्यक्तियों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा की और आशा व्यक्त की कि सपने एक दिन सच होंगे, भले ही वे उनके जीवनकाल में साकार न हो सकें। उन्होंने उनके बारे में बात करने का कोई मौका नहीं छोड़ा और अपने कार्यकर्ताओं और लोगों दोनों को उन आदर्शों के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रेरित किया, जिन्होंने उनके जीवन को प्रेरित किया और उन्हें पूरा करने की दिशा में काम किया। प्रधान मंत्री के रूप में वाजपेयी की तीसरी पारी के दौरान, ₹उन्होंने (वाजपेयी) 2001 के पहले सप्ताह में अपने प्रवास के दौरान, केरल में समुद्र के आकार की वेम्बनाड झील के पिछले पानी पर कुमारकोम से अपनी प्रसिद्ध म्युसिंग लिखी थी। उन्होंने एक के बाद एक दो लेख लिखे। उसी स्थान से अन्य जिन्हें भारत के लगभग सभी प्रमुख समाचार पत्रों द्वारा प्रकाशित किया गया था। उन्होंने उन्हें ₹अतीत की समस्याओं को हल करने का समय, बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़ने का समय₹ शीर्षक दिया। प्रिय और महान अटल जी ने लिखा, "हमारा देश कई समस्याओं का सामना कर रहा है जो हमारे इतिहास की विरासत हैं। मैं उनमें से दो पर अपने विचार साझा करना चाहता हूं। एक जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के साथ लंबे समय से चली आ रही समस्या है और दूसरा अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद है। उन्होंने आगे कहा था कि हालांकि, मुझे यह जानकर दुख हुआ कि पाकिस्तान सरकार अपनी धरती पर स्थित आतंकवादी संगठनों पर लगाम लगाने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रही है, जो कश्मीर और अन्य हिस्सों में निर्दोष नागरिकों और हमारे सुरक्षा कर्मियों दोनों को निशाना बनाकर हत्या का सिलसिला जारी रखे हुए हैं। मैं उन कश्मीरियों के दर्द और पीड़ा को भी महसूस करता हूं जो अपनी ही मातृभूमि में शरणार्थी बन गए हैं। कश्मीर समस्या के बाहरी और आंतरिक दोनों आयामों के स्थायी समाधान की हमारी खोज में, हम केवल अतीत की घिसी-पिटी राह पर नहीं चलेंगे। बल्कि, हम पूरे दक्षिण एशिया क्षेत्र के लिए शांति और समृद्धि की भविष्य की वास्तुकला के साहसी और नवोन्मेषी डिजाइनर होंगे। और तदनुसार, प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने अपनी सरकार और भारत की संसद को ऐतिहासिक ₹शांति और समृद्धि के भविष्य की वास्तुकला के डिजाइनर₹ बनने का नेतृत्व किया, जब उन्होंने 5-6 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त करने का संकल्प पारित कराया और जम्मू-कश्मीर के संबंध में राजनीतिक द्वंद्व समाप्त हो गया। यह निश्चित रूप से ₹अतीत की घिसी-पिटी राह₹ से एक कदम दूर था। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 11 दिसंबर 2023 को भारतीय संविधान की दृष्टि से संसदीय कार्रवाई को मान्य कर दिया और इस प्रकार संवैधानिक द्वंद्व को भी हमेशा के लिए समाप्त कर दिया।आज कश्मीर में लोकतंत्र की सरकार है व 'दो प्रधान दो निशान' का नामोनिशान मिट गया हैं ।

अयोध्या मुद्दे के संबंध में, वाजपेयी ने कहा था की मैंने हमेशा माना है कि इस विवादास्पद मुद्दे को हल करने के दो तरीके हैं: न्यायिक मार्ग या पारस्परिक रूप से स्वीकार्य स्थिति के लिए बातचीत का मार्ग। मैंने कहा है कि सरकार न्यायपालिका के फैसले को स्वीकार करेगी और लागू करने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य है, चाहे वह कुछ भी हो। लेकिन यह गैर-सरकारी और गैर-राजनीतिक ढांचे में बातचीत की आवश्यकता को समाप्त नहीं करता है। न्यायिक मार्ग और बातचीत का विकल्प एक-दूसरे को बाहर नहीं करते, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने भारतीय लोकाचार का खूबसूरती से वर्णन किया था कि भारत अपने सभी नागरिकों और समुदायों का समान रूप से है, न किसी का ज्यादा और न किसी का कम। साथ ही, हमारी राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करना और देश की प्रगति में योगदान देना सभी नागरिकों और समुदायों का समान कर्तव्य है।

जागरूक होंगे, तभी मिलेगा इंसाफ

योगेश कुमार गोयल

उपभोक्ताओं के विभिन्न हितों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए देश में प्रतिवर्ष 24 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके हितों के लिए बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों तथा उनके अंतर्गत आने वाले कानूनों की जानकारी देना है। दरअसल ऑनलाइन खरीददारी हो या ऑफलाइन, ग्राहकों को कई बार सामान की गड़बड़ी अथवा अन्य प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इसी तरह की समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है।

हालांकि वर्ष 2020 तक विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों से ऑनलाइन खरीददारी को लेकर उपभोक्ताओं को कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था लेकिन उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) में ई-कॉमर्स को भी दायरे में लाकर उपभोक्ताओं को और मजबूती देने का प्रयास किया गया। पुराना उपभोक्ता संरक्षण कानून करीब साढ़े तीन दशक पुराना हो चुका था, जिसमें समय के साथ बड़े बदलावों की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसीलिए ग्राहकों के साथ अक्सर होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए 20 जुलाई 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान शामिल हैं।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वास्तव में उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर 9 दिसम्बर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण विधेयक पारित किया गया, जिसे राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बार 24 दिसम्बर 1986 को देशभर में लागू किया गया। पिछले कई वर्षों से भारत में प्रतिवर्ष इसी दिन राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें।

उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम ने उपभोक्ताओं को छह प्रमुख अधिकार प्रदान किए हैं, जिनमें सुरक्षा का अधिकार के तहत खतरनाक वस्तुओं और सेवाओं से बचाव का अधिकार, सूचना का अधिकार के तहत वस्तुओं और सेवाओं की गुणवत्ता, मात्रा, शुद्धता और कीमत की सही जानकारी का अधिकार, विकल्प का अधिकार के तहत प्रतिस्पर्धात्मक कीमतों पर वस्तुओं और सेवाओं का चयन का अधिकार, सुने जाने का अधिकार के तहत उपभोक्ता की शिकायतों और समस्याओं पर ध्यान दिया जाना का अधिकार, निवारण का अधिकार के तहत उपभोक्ता की शिकायतों और समस्याओं पर ध्यान दिया जाना का अधिकार, उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार के तहत अनुचित व्यापार प्रथाओं और शोषण के खिलाफ न्याय का अधिकार शामिल हैं। जहां तक उपभोक्ता की जिम्मेदारियां की बात है तो उपभोक्ताओं को चाहिए कि वे खरीदारी से पहले उत्पाद की गुणवत्ता और वैधता की जांच करें, नकली और घटिया उत्पादों से बचने के लिए प्रमाणित ब्रांड्स को ही प्राथमिकता दें, अपनी शिकायतों को दर्ज कराने में सक्रिय रहें, जागरूकता फैलाने में योगदान दें।

अगर उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतों का उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण में क्या योगदान है। दरअसल विभिन्न छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना पड़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है। हालांकि जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो हैरानी होती है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। कोई वस्तु अथवा सेवा लेते समय हम धन का भुगतान तो करते हैं पर बदले में उसकी रसीद नहीं लेते। शोषण से मुक्ति पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप जो भी वस्तु, सेवा अथवा उत्पाद खरीदें, उसकी रसीद अवश्य लें। यदि आपके पास रसीद के तौर पर कोई सबूत ही नहीं है तो आप अपने मामले की पैरवी सही ढ़ंग से नहीं कर पाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यही नहीं, उपभोक्ता अदालतों से न्याय पाने के लिए न तो किसी प्रकार के अदालती शुल्क की आवश्यकता पड़ती है और मामलों का निपटारा भी शीघ्र होता है।

कुत्ता और आदमी

डॉ टी महादेव राव

कुत्ते को बचाने के लिए कितने आदमी हैं जो आगे आते हैं।आदमी को बचाने लिए आदमी तो छोड़िए कुत्ते भी नहीं आते।

अजीब विडंबना है। पशु प्रेमी, पक्षी प्रेमी और श्वान प्रियतम आपको कई मिल जायेंगे लेकिन आदमी तो सिर्फ भगवान भरोसे ज़िंदा है। आप कहेंगे मानवाधिकार वाले हैं तो। वे आदमी पर से जब हादसा गुज़र जाता है, आदमी या तो लहूलुहान हो जाता है या एनकाउंटर में मारा जाता है तब खुलती है मानवाधिकार संस्था की आंखें। तब तक भोले शंकर सा आंखे मूंदें वे गहन ध्यान मुद्रा में इस बात का इंतज़ार करते हैं कि कोई अमानवीय घटना हो और वे आँखें खोलें। मानव या आदमी को नहीं उसके अधिकारों की रक्षा करेंगे।

मुझे लगता है कि जैसा दार्शनिक कहते हैं आदमी अकेला आता है और अकेला चला जाता है। यह मोह, माया, अपने, पराए, पैसे, गहने, जायदाद सब कुछ क्षणिक है, धूल है। दिल बहलाने या दूसरे शब्दों में कहें तो आदमी को उल्लू बनाने के लिए इसी तरह के तर्क आजकल करोड़पति संन्यासी, संत, कथावाचक देते हैं। उनकी ही बात मानकर मोह माया त्यागने के उद्देश्य से लोग तथा कथित संत ज्ञानियों को पैसों से तोलते हैं, बड़ी राशि दान दक्षिणा में देते हैं ताकि उन्हें इसी जन्म में मोक्ष प्राप्त हो, पुण्य मिले, मुक्ति मिले।

क्षमा करें हम अलग अलग बातों की वजह से विषय से बहक रहे हैं। कुत्ता और आदमी दोनों से अलग भटक रहे हैं। क्या कहें क्या न कहें जैसे त्रिशंकु स्वर्ग में लटक रहे हैं।

हमने पूछा छोटू बता कुत्ते और आदमी में क्या फ़र्क़ है?

बहुत फ़र्क़ है भैया! कुत्ता भाषा विहीन, चतुष्पाद पालतू पशु है जो दिगम्बर घूमता है जबकि आदमी द्विपाद जीव है जो कि भाषा जानता है और कपड़े पहनकर घूमता है। कुत्ता बड़ा निर्मोही सा, विश्वास का पर्याय, संन्यासी सा जीवन बिताता है। जो मिला खाता है। कहीं भी सो जाता है। आदमी को घर, घर में स्वादिष्ट खाना, नर्म बिस्तर की चाह होती है। वह विश्वास, स्नेह, ईमानदारी को ताक पर रखने को तैयार रहता है। कुत्ते की टेढ़ी पूंछ दिखाई देती है जो उसके खुश होने, नाराज होने और पलायन जैसे गुणों का ट्रांसमीटर होता है। आदमी की अदृश्य पूंछ होती है जो उसके अंदरूनी कुत्सित गुणों को प्रदर्शित तो नहीं करती बल्कि छुपे रुस्तम आदमी की उनकी इच्छाओं की पूर्ति करती सी अन्दर ही अंदर खुश होती है।

वाह छोटू! बहुत अच्छी बातें बताईं। लेकिन सामाजिक होने के बावजूद आदमी हर हालत में अकेला पड़ जाता है जबकि कुत्ता ऐसा नहीं।

इसका कारण जहां तक मुझे लगता है आदमी अलग अलग कम्पार्टमेंटों में बंटा होता है। कहीं पति, कहीं बाप, कहीं कर्मचारी, कहीं वोटर नागरिक, कहीं को, कहीं उचक्का, कहीं नेता तो कहीं कुछ और। इस वजह से वह आदमी नहीं रहता कुछ और होता जाता है। शायद इसलिए उसकी आदमीयत को नजर अंदाज किया जाता है। एक फिल्मी गीत में नीरज ने लिखा है आदमी से जानवर ज्यादा वफ़ादार है। इसे हम एक निचोड़ कह सकते हैं।

आरएसएस को भाजपा के नजरिए से न देखें तो कैसे देखें

कमलेश पाण्डेय

मोहन भागवत ने कोलकाता में हाल ही में दिए बयान में कहा कि आरएसएस को भाजपा के नजरिए से देखना बड़ी गलती है क्योंकि इससे संगठन की सच्ची प्रकृति का गलत अंदाजा लगता है। देखा जाए तो भागवत का यह बयान आरएसएस की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान को राजनीतिक चश्मे से अलग करने के उद्देश्य से आया है लेकिन इसके सियासी मायने राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय दोनों दृष्टि से अहम हैं। इसलिए देश-दुनिया के पक्ष-विपक्ष में यह बहस छिड़ चुकी है कि आखिरकार भाजपा (पूर्व नाम जनसंघ) के मातृ संगठन समझे जाने वाले आरएसएस को बदलती भाजपा की अवसरवादी नजरिए से न देखें तो आप लोग ही बता दें कि फिर कैसे देखें? मसलन, भागवत ने स्पष्ट किया है कि आरएसएस का कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं है और इसे न तो केवल सेवा संगठन समझा जाए, न ही भाजपा से जोड़कर। ऐसा उन्होंने इसलिए कहा क्योंकि कई लोग / दल गलती से आरएसएस को भाजपा से सीधे जोड़ते हैं जबकि संगठन समाज निर्माण और हिंदू एकता पर केंद्रित है। चूंकि कोलकाता कार्यक्रम में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमलों का भी जिक्र किया गया है, इसलिए भागवत के इस बयान का अंतर्राष्ट्रीय महत्व भी है।

भागवत का स्पष्ट कहना है कि आरएसएस को भाजपा का पर्याय मानना संगठन के स्वयंसेवक-आधारित, दीर्घकालिक राष्ट्र निर्माण कार्य को नजरअंदाज करता है। इसलिए उन्होंने जोर दिया कि आरएसएस जैसा कोई दूसरा संगठन नहीं और जिनकी ₹दुकानें बंद₹ होने का डर है, वे इसका विरोध करते हैं। इससे साफ प्रतीत होता है कि भागवत का यह बयान आरएसएस की स्वायत्तता पर जोर देने और इसके बारे में भाजपा विरोधी दलों द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार का माकूल जवाब है।

यही वजह है कि भागवत के इस बयान के कई सियासी मायने निकलते हैं क्योंकि उनका यह बयान भाजपा-आरएसएस संबंधों पर बहस छेड़ता है, खासकर जब विपक्ष संगठनों को एक-दूसरे का विस्तार बताता है। अपने इस परिवर्तित स्टैंड से जहां आरएसएस अपनी गैर-राजनीतिक छवि मजबूत करता है जो भविष्य के चुनावों में भाजपा को वैचारिक समर्थन तो देगा लेकिन हस्तक्षेप सीमित रखेगा। वहीं, भाजपा की अंतर्राष्ट्रीय छवि भी निखरती है और उसके इस दावे को बल मिलता है कि वह कोई साम्प्रदायिक पार्टी नहीं है और उस पर हिन्दू सम्प्रदायिकता फैलाने का विपक्षी आरोप निराधार है। इसलिए कहा जा सकता है कि कुल मिलाकर भागवत का यह बयान हिंदुत्व को राजनीति से ऊपर रखने का शाश्वत जनसंदेश है। उल्लेखनीय है कि भागवत द्वारा कोलकाता में दिया गया यह बयान बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों, पश्चिम बंगाल की चरम सांप्रदायिक तनाव वाली सियासत और आरएसएस-भाजपा संबंधों की अफवाहों के बीच आया है जो राजनीतिक रूप से संवेदनशील समय पर संघ और भाजपा दोनों की स्वायत्तता रेखांकित करता है। एक तरह से यह बयान 2024 चुनावों के बाद उभरे मतभेदों और भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन की नियुक्ति में आरएसएस की हुई उपेक्षा सम्बन्धी आरोपों का जवाब है, जहां विपक्ष दोनों को एक मानता है और प्रचारित करता है।

जहां तक भागवत के इस बयान के क्षेत्रीय संदर्भ की बात है तो कोलकाता कार्यक्रम में भागवत ने बांग्लादेशी हिंदुओं की स्थिति पर चिंता जताई और बंगाल सरकार को सीमाओं पर सतर्क रहने की अप्रत्यक्ष नसीहत दी। इससे व्याकुल टीएमसी नेता कुणाल घोष ने इसे केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार पर थोपने का प्रयास बताया जो बंगाल की सियासत में हिंदू एकता के मुद्दे को तेज करता है। इससे भाजपा को बंगाल में हिंदू वोट एकजुट करने का संकेत मिलता है। इसलिए समझा जाता है कि भागवत के इस बयान से आरएसएस-भाजपा के पारस्परिक सम्बन्धों में गतिशीलता आएगी।

जहां तक भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन की नियुक्ति को लेकर आरएसएस की उपेक्षा होने की बात के सियासी हलकों में तैरने का सवाल है, तो भागवत की परोक्ष सफाई बिल्कुल सही समय पर आई है जिसने स्पष्ट किया है कि संघ राजनीति से अलग एक प्रगतिशील सांस्कृतिक संगठन है जो सलाह दे सकता है लेकिन फैसले भाजपा के होते हैं। इस प्रकार यह बयान संघ की शताब्दी वर्ष में आंतरिक एकता मजबूत करता है और विपक्षी नैरेटिव को कमजोर करने जैसा है।

स्पष्ट है कि आरएसएस-भाजपा के मतभेद विचारों के हो सकते हैं लेकिन मनभेद कभी नहीं, जो समन्वय पर जोर देता है। इसलिए उनके इस दृष्टिकोण का दोनों के रिश्तों पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। साथ ही उनका यह बयान हिंदू राष्ट्र की अवधारणा को राजनीति से अलग रखने का संदेश देता है जो आने वाले चुनावों में भाजपा को वैचारिक समर्थन तो देगा लेकिन हस्तक्षेप सीमित रखेगा। इससे संघ की गैर-राजनीतिक छवि मजबूत होती है जो समाज निर्माण पर केंद्रित रहने का आश्वासन है।

बुधवार को न करें ये 5 काम, वरना गणेश जी हो जाएंगे नाराज

इस सप्ताह का बुधवार व्रत 24 दिसंबर को है. इस दिन पौष माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को है. इस दिन सूर्य धनु राशि में और चंद्रमा शाम 7 बजकर 46 मिनट तक मकर राशि में रहेंगे।

इसके बाद कुम्भ राशि में रहेंगे. बुधवार को अभिजीत मुहूर्त नहीं होता है और राहुकाल का समय दोपहर 12 बजकर 21 मिनट से शुरू होकर 1 बजकर 38 मिनट तक रहेगा. बुधवार को लोग व्रत रखकर गणेश जी की पूजा करते हैं, लेकिन कुछ कामों को करना मना है. आइए जानते हैं कि बुधवार व्रत में क्या नहीं करना चाहिए और व्रत का नियम क्या है?

बुधवार को न करें 5 काम

पौराणिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि बुधवार के दिन गजानन महाराज की विशेष पूजा करने और व्रत रखने से बुद्धि, ज्ञान और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है. अगर कोई भी जातक इस तिथि पर किसी कारणवश व्रत नहीं रख सकता है, तो वे मांस-मदिरा का सेवन, झूठ बोलना, किसी का अपमान करना, बाल या दाढ़ी कटवाना समेत कुछ चीजों से परहेज करें।

बुधवार व्रत की शुरुआत करने के लिए आप किसी भी शुक्ल पक्ष के पहले बुधवार से कर सकते हैं और 12 बुधवार व्रत रखकर उद्यापन भी कर सकते हैं।

धर्म ग्रंथों में व्रत की विधि का उल्लेख मिलता है. इसमें बताया गया है कि इस तिथि पर व्रत करने के लिए ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें, फिर मंदिर या पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल छिड़ककर शुद्ध करें।

एक चौकी पर कपड़ा बिछाकर पूजन सामग्री रखें, फिर ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) की ओर मुख करके आसन पर बैठें।

इसके बाद श्री गणेश को दूर्वा और पीले-लाल रंग के पुष्प अर्पित करें, साथ ही बुध देव को हरे रंग के वस्त्र चढ़ाएं. पूजा के दौरान श्री गणेश और बुध देव के "ॐ वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ, निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा" मंत्रों का जाप करें. फिर व्रत कथा सुनें और उनकी पूजा करें।

अंत में, श्री गणेश को हलवे का भोग लगाएं और फिर श्री गणेश व बुध देव की आरती करें. उसके बाद आरती का आचमन करें।

पूजा समाप्त होने पर भोग को प्रसाद के रूप में सभी में बांट दें. शाम के समय फलाहार से व्रत का पारण करें।

क्यों खरमास में नहीं होते शुभ काम?

गधे की इस कहानी से अनजान हैं 90% लोग

खर्मास हिन्दू कालगणना में एक विशेष समय है. यह वो अवधि है जब सूर्योदय का प्रभाव कम माना गया है और इसलिए सामान्य जीवन के शस्त्र यानी विवाह, गृह प्रवेश जैसे बड़े कार्यक्रम टाल दिए जाते हैं. लोग मानते हैं कि इस समय शुभ कार्यों का परिणाम ठीक नहीं मिलता।

इसी कारण से खर्मास में मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं. पर यह वर्जन केवल विश्वास पर आधारित नहीं बल्कि उसकी पौराणिक कथा भी उपलब्ध है. इंसान समय और ग्रहों के गमन को देखते हुए किसी भी कार्य के आरंभ या समापन का निर्णय लेते रहे हैं. खर्मास की कथा में भी एक पुरानी कथा मिलती है जिसमें सूर्यदेव और अन्य देवों का वर्णन आता है. यह काल एक महीने का होता है और साल में दो बार आता है।

2025 में खर्मास का आखिरी खंड दिसंबर की मध्य से प्रारंभ हुआ है।

ज्योतिषीय पंचांग के अनुसार सूर्यदेव जब धनु राशि में प्रवेश करते हैं तो खर्मास आरंभ हो जाता है।

इसी प्रकार जब सूर्य मीन राशि में प्रवेश करता है तब भी एक खर्मास आती है. इस आर्टिकल में हम 2025 के इस चल रहे खर्मास, उसकी कथा और उसकी विशेषताओं को सरल भाषा में जानेंगे भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से.

खर्मास किस दिन से 2025 में शुरू हुआ?

2025 में वर्तमान खर्मास 16 दिसंबर को लगा, जब सूर्यदेव धनु राशि में प्रवेश किये. यह अवधि लगभग 30 दिन तक रहेगी और 14 जनवरी 2026 को मकर संक्रांति के साथ समाप्त होगी. इन दिनों में सभी बड़े मांगलिक कार्यों को टाला जाता है।

जनवरी में सूर्य-गुरु की विशेष युति, इन 5 राशिवालों के लिए शुभ, धन, पद, प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी

नए साल 2026 के पहले माह जनवरी में ग्रहों के राजा सूर्य और देवों के गुरु बृहस्पति के बीच एक विशेष युति होने जा रहा है, जिससे 5 राशिवालों को लाभ होने की उम्मीद है. 10 जनवरी दिन शनिवार को सूर्य और गुरु एक दूसरे से 180 डिग्री पर विराजमान होंगे, जिससे सुर्य गुरु प्रतियुति योग का निर्माण होगा, जो एक राजयोग के समान माना जाता है. सूर्य और गुरु की इस युति से धन, संपत्ति, ज्ञान, सामाजिक प्रतिष्ठा, पद, सुख और सौभाग्य में बढ़ोत्तरी होती है. उस समय गुरु मिथुन राशि में और सूर्य देव धनु राशि में होंगे. आइए जानते हैं कि सूर्य और गुरु की इस युति से किन 5 राशिवालों को लाभ होने वाला है।

मेषः सूर्य और गुरु के प्रतियुति योग का शुभ प्रभाव

मेष राशिवालों के जीवन में देखने को मिलेगा. नौकरीपेशा लोगों का पद और प्रभाव बढ़ सकता है, आपको कोई नया प्रोजेक्ट मिल सकता है. समाज में आपका नाम और रुतबा बढ़ने की उम्मीद है. शुभ प्रभाव से आपके काम सफल होंगे।

सिंहः प्रतियुति योग से सिंह राशिवालों का मनोबल मजबूत होगा और वे किसी भी काम काम को एनर्जी के साथ करेंगे और सकारात्मक परिणाम पा सकते हैं. शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में अनुकूल सफलता प्राप्त होने की उम्मीद है. इस दौरान आपको निवेश का अच्छा मौका मिल सकता है. यह समय आपकी उन्नति का होगा।

तुलाः प्रतियुति योग की वजह से तुला राशिवालों के धन में बढ़ोत्तरी हो सकती है. आपके अटके हुए धन मिल सकते हैं या इस समय में आय का कोई नया स्रोत बन सकता है, जिससे आपकी आमदनी बढ़ सकती है. कुल मिलाकर आपका आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत होगा. करियर में आपकी स्थिति मजबूत होगी और प्रमोशन या नई जॉब की बात हो सकती है।

धनुः सूर्य और गुरु की युति का शुभ प्रभाव होने से धनु वालों को अपने काम में सफलता मिलेगी. पिता और गुरु से आपको विशेष मदद मिलने की उम्मीद है. पिता और गुरु की सेवा का मौका हाथ से न जाने दें. आपको लाभ होगा. विदेश यात्रा या विदेश से लाभ की उम्मीद है।

कुंभः प्रतियुति योग से कुंभ राशिवालों को भी फायदा होने की उम्मीद है. इस समय में आपकी सैलरी बढ़ने या आय के नए स्रोत बनने की

संभावना है. जो लोग नई जॉब की तलाश कर रहे हैं, उनको खुशखबरी मिल सकती है. आपके विचार और काम की सराहना होगी, बॉस खुश होंगे. कामकाज की दिशा में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

नए साल के पहले दिन दरवाजे पर चुपचाप रखें यह चीज

घर में होगा सुख–समृद्धि का वास, हमेशा खुशहाल रहेगा परिवार!

साल 2025 की विदाई और नए साल 2026 के स्वागत के कुछ दिन शेष बचे हैं. इस दौरान जातकों पर कई शुभ-अशुभ प्रभाव देखने को मिल सकते हैं. दरअसल, नया साल कई सारी नई उम्मीदें लेकर आता है. इसलिए हर व्यक्ति को नए साल से आशा होती है कि इस साल किस्मत साथ देगी और सारे काम ठीक से पूरे होंगे. लेकिन, कई लोग ऐसे भी होते हैं जिनको हर साल निराशा ही हाथ लगती है।

अगर आप भी अपना भाग्य नए साल में चमकाना चाहते हैं और चाहते हैं कि आपके सारे काम आसानी से पूरे हों. तो आपको नए साल के पहले दिन एक आसान उपाय करना होगा।

इस उपाय को करने से आपकी किस्मत के द्वार खुल सकते हैं. अब सवाल है कि आखिर, नए साल के पहले दिन क्या उपाय करें, जिससे किस्मत देने लगे साथ?

नए साल के पहले दिन का पावरफुल उपाय

घर में सुख-समृद्धि बनी रहे, इसके लिए लोग क्या से क्या नहीं करते. लेकिन इसके बाद भी कुछ ना कुछ परेशानी बनी ही रहती है. लेकिन, आपको बता दें कि, इन परेशानियों से निजात पाने के तरीके वास्तु शास्त्र में उपलब्ध हैं. शास्त्रों के मुताबिक, नए साल के पहले दिन सुबह-सुबह स्नान के बाद घर के

मुख्य द्वार पर पानी से भरा बर्तन रखें. ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, ऐसा करने वाले जातकों के घर में सुख-समृद्धि का वास होता है और नकारात्मक शक्तियां नष्ट होती हैं.

नए साल पर दरवाजे पर पानी का बर्तन रखने के लाभ

नकारात्मक ऊर्जा दूर होगीः पानी को वैज्ञानिक ही नहीं, अपितु वास्तु शास्त्र में भी अहम माना गया है. वास्तु शास्त्र के मुताबिक, पानी को ऐसा स्रोत माना जाता है जो घर की नकारात्मक ऊर्जाओं को नष्ट करने में मदद करता है. इसलिए घर के मुख्य द्वार पर पानी से भरा बर्तन रखने की सलाह दी जाती है.

बुरी शक्तियों को रोकेः ऐसा करने से बुरी शक्ति को मुख्य द्वार के भीतर आने से रोकता है और घर के लोगों को दुर्भाग्य से बचाता है. इसके अलावा यह आपके जीवन को कई अन्य समस्याओं से बचाने में मदद कर सकता है. यह आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

वातावरण शुद्ध बनाएः वातावरण को शुद्ध बनाने के लिए आप घर के मुख्य द्वार पर पानी से भरा बर्तन रख सकते हैं. यह घर आने वाले मेहमानों के स्वागत के लिए भी एक अच्छा तरीका हो सकता है. घर में प्रवेश करते समय पानी का कटोरा मेहमानों के लिए एक अच्छा दृश्य प्रस्तुत करता है।

नए साल पर पानी का भरा बर्तन रखने के नियम

– बर्तन ऐसी सामग्री से बना होना चाहिए जो वास्तु शास्त्र के अनुकूल हो जैसे तांबा या पीतल।

– नियमित रूप से बर्तन का पानी बदला जाना चाहिए और कटोरे को भी साफ अच्छ से साफ करें।

– घर के दरवाजे पर पानी का बर्तन रखने लिए किसी वास्तु विशेषज्ञ से उचित स्थान का चयन कराएं।

– बर्तन को किसी मेज या चौकी पर रखना ज्यादा उचित होगा, ताकि मेहमानों को आसानी से दिखाई दे।

– घर के दरवाजे पर पानी का बर्तन रखने से पहले ध्यान रखें कि सीधी धूप या गर्मी के पास रखने से बचें।

नए साल से पहले घर में करें ये छोटा सा बदलाव

घर के मेन एंट्रेंस पर दें खास ध्यान

वास्तु के अनुसार घर का मेन दरवाजा ऊर्जा का मुख्य रास्ता होता है. यही से पॉजिटिव और नेगेटिव एनर्जी घर में प्रवेश करती है. नए साल से पहले यह जरूरी है कि घर का मेन एंट्रेंस साफ सुथरा और खुला हुआ हो. दरवाजे के सामने जूते चप्पल, टूटा सामान या बेकार की चीजें न रखें. अगर संभव हो तो दरवाजे पर हल्की रोशनी का इंतजाम करें. शाम के समय दिया या लाइट जलाना शुभ माना जाता है. यह छोटा सा बदलाव घर में सुख शांति को बढ़ाने में मदद करता है।

पुराने और टूटे सामान को घर से बाहर करें

नया साल शुरू करने से पहले यह सबसे जरूरी काम माना जाता है. घर में पडा टूटा फर्नीचर, खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान, फटे पर्दे या इस्तेमाल न होने वाली चीजें नेगेटिव एनर्जी को बढाती हैं. वास्तु के अनुसार ऐसे सामान को संभाल कर रखने से जीवन में रुकावटें आती हैं. इसलिए नए साल से पहले घर को हल्का करें. जो सामान काम का नहीं है उसे दान करें या हटा दें. इससे घर में नई ऊर्जा के लिए जगह बनती है और मन भी हल्का महसूस करता है।

किचन में करें यह आसान बदलाव

किचन को घर की सेहत और समृद्धि से जोड़ा जाता है. वास्तु के अनुसार किचन में साफ सफाई और सही व्यवस्था बहुत जरूरी होती है. गैस चूल्हे के पास गंदगी न रखें और रोजाना किचन की सफाई करें. खाली या टूटे बर्तन किचन में न रखें. अगर किचन में सिंक और चूल्हा बहुत पास पास है तो इनके बीच कोई लकड़ी का बोर्ड या छोटा सा गैप बनाएं. यह छोटा बदलाव घर में तनाव और टकराव को कम करने में मदद करता है।

बेडरूम में रखें सुकून का माहौल

नया साल शांति और अच्छी नींद के साथ शुरू करना हर किसी की चाह होती है. इसके लिए बेडरूम का वास्तु सही होना बहुत जरूरी है. बेड के नीचे फालतू सामान न रखें. पुराने कपड़े, किताबें या बेकार चीजें बेड के नीचे जमा न होने दें. सोते समय सिर के पास भारी सामान या इलेक्ट्रॉनिक चीजें न रखें. हल्के रंग की चादरें और पर्दे इस्तेमाल करें. इससे मन शांत रहता है और रिश्तों में मधुरता बनी रहती है।

घर के उत्तर और पूर्व दिशा को रखें साफ

वास्तु के अनुसार उत्तर और पूर्व दिशा को बहुत शुभ माना जाता है. इन दिशाओं से पॉजिटिव एनर्जी घर में प्रवेश करती है. नए साल से पहले ध्यान रखें कि इन दिशाओं में कचरा, भारी फर्नीचर या अंधेरा न हो. यहां हल्की रोशनी और साफ सफाई रखें. अगर चाहें तो यहां छोटा सा पौधा या हल्का सजावटी आइटम रख सकते हैं. यह बदलाव घर के माहौल को फ्रेश और पॉजिटिव बनाता है।

पानी से जुडी चीजों का रखें ध्यान

वास्तु में पानी को भावनाओं और धन से जोडा जाता है. घर में पानी टपकने वाले नल, खराब टंकी या गंदा पानी नेगेटिव असर डाल सकता है. नए साल से पहले सभी नलों और पानी की व्यवस्था को ठीक कर लें।

'नागिन 7' में प्रियंका चाहर चौधरी के साथ नजर आएगा साहिल उप्पल, कब शुरू होगा सुपरनैचुरल शो?

छोटे पर्दे की क्वीन एकता कपूर के लोकप्रिय सीरियल 'नागिन' का सातवां सीजन शुरू होने वाला है। इसकी प्रीमियर डेट नजदीक आ रही है। इसी के साथ कास्ट को लेकर भी नई-नई अपडेट आ रही हैं। शो में लीड रोल एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी अदा करेंगी। उनके साथ एक लोकप्रिय एक्टर की शो में एंट्री हुई है। शो से साहिल उप्पल जुड़ गए हैं।

कब शुरू होगा शो?

रियलिटी शो 'बिग बॉस 16' और 'उडारियां' जैसे शोज में काम कर चुकीं प्रियंका चाहर चौधरी 'नागिन 7' में लीड रोल अदा करेंगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक शो में साहिल उप्पल लीड रोल में नजर आएंगे। हालांकि, इसे लेकर अभी 'पांड्या स्टोर' फेम साहिल की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है। यह शो 27 दिसंबर से शुरू होगा। इसके दर्शक रात आठ बजे कलर्स पर देख सकेंगे।

आज हुआ 'नागिन 7' का प्रेस इवेंट

इस शो को लेकर मेकर्स ने प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की। इस दौरान 'नागिन 7' की कास्ट नजर आई। प्रेस इवेंट में प्रियंका चाहर गोल्डन कलर की ड्रेस में पहुंचीं। वह अपने शो में निभाए जाने वाले किरदार के लुक में नजर आईं। इस दौरान नमिक पॉल भी नजर आए। प्रियंका चाहर और नमिक पॉल ने साथ में पोज दिए।

ये सितारे भी होंगे शो का हिस्सा

प्रियंका चाहर, नमिक पॉल और साहिल उप्पल के अलावा 'नागिन 7' में ईशा सिंह, विहान वर्मा, रिब्बू मेहरा, कुशाग्र दुआ, प्रतीक्षा राय, निवेदिता पाल और आफरीन दबेस्तानी भी अहम भूमिका अदा करते दिखेंगे। इतनी शानदार स्टारकास्ट के साथ वापसी कर रहे इस शो को लेकर दर्शक भी उत्साहित हैं।

ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामले में सीआईडी के सामने पेश हुईं अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू, जांच एजेंसियों ने तेज की जांच

हैदराबाद में अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के प्रचार से जुड़े मामले में तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू मंगलवार को सीआईडी कार्यालय पहुंचीं। यह पेशी उन चर्चित चेहरों की बढ़ती सूची का हिस्सा है, जिनसे जांच एजेंसियां अनधिकृत ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म्स के प्रचार को लेकर पूछताछ कर रही हैं। अभिनेत्री से कई घंटों तक सवाल-जवाब किए गए, जिसके बाद वह सीआईडी ऑफिस से रवाना हुईं।

सीआईडी के कार्यालय पहुंचीं लक्ष्मी मांचू

अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू को यह समन प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत जारी किया गया था। जांच एजेंसियों का मानना है कि कुछ ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स को मनोरंजन या चैरिटी से जुड़े अभियानों के रूप में पेश किया गया, ताकि आम लोगों को इनके प्रति आकर्षित किया जा सके। इन प्रचार अभियानों में कई नामचीन हस्तियों की भागीदारी की जांच की जा रही है।

सीआईडी और प्रवर्तन निदेशालय से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि लक्ष्मी मांचू का बयान मामले में पहले से मौजूद डिजिटल सबूतों, बैंक ट्रांजैक्शन्स और अन्य गवाहों के बयानों से मिलान किया जाएगा। जांच एजेंसियां यह समझने की कोशिश कर रही हैं कि क्या प्रचार के दौरान संबंधित प्लेटफॉर्म्स की वैधता की जांच की गई थी या नहीं, और क्या इसके बदले में किसी तरह का आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ।

कई फिल्मी सितारों से हो चुकी है पूछताछ

बताया जा रहा है कि यह जांच सिर्फ एक अभिनेत्री तक सीमित नहीं है। बीते कुछ महीनों में कई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, यूट्यूबर्स

और फिल्मी सितारों से भी पूछताछ की जा चुकी है। अधिकारियों का मानना है कि इन ऐप्स के जरिए बड़े पैमाने पर धन का लेन-देन हुआ और युवाओं को जुए की लत की ओर धकेला गया।

लक्ष्मी मांचू की पेशी के बाद यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। तेलुगु सिनेमा में अपनी अलग पहचान रखने वाली लक्ष्मी इससे पहले भी सामाजिक मुद्दों पर मुखर रही हैं। ऐसे में इस जांच ने फिल्म इंडस्ट्री और डिजिटल प्रचार की जिम्मेदारी को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

मामले में आगे क्या?

फिलहाल, सीआईडी और ईडी की जांच जारी है और आने वाले दिनों में इस मामले में और भी बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। लक्ष्मी मांचू के बयान के आधार पर एजेंसियां आगे की कार्रवाई तय करेंगी। यह मामला न सिर्फ कानून-व्यवस्था से जुड़ा है, बल्कि डिजिटल युग में सेलेब्रिटीज की सामाजिक जिम्मेदारी पर भी बड़ा सवाल खड़ा करता है।

पिता सुरिंदर की 100वीं जयंती पर इमोशनल हुए अनिल कपूर, तस्वीरों के जरिए जाहिर किया प्यार

अनिल कपूर के दिवंगत पिता सुरिंदर कपूर की आज 100वीं जयंती है। आज का दिन अनिल के लिए काफी इमोशनल है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने पिता की कुछ खास तस्वीरें शेयर कीं। ज्यादातर ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें हैं। इन शानदार तस्वीरों के साथ अनिल ने पिता की याद में एक प्यारा नोट भी लिखा है।

अनिल का इमोशनल पोस्ट

अनिल कपूर ने आज अपने पिता सुरिंदर कपूर की 100वीं जयंती पर इंस्टाग्राम पर कई थ्रोबैक तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में कई बॉलीवुड सितारे नजर आ रहे हैं, जिनमें अनिल और बोनी कपूर भी नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के साथ अनिल ने कैप्शन में लिखा, 'आज मेरे पापा जी की 100वीं जयंती है। उन्हीं की वजह से मैंने पहली बार सफल अभिनेता बनने का सपना देखा था।'

अनिल का ख्वाब

अनिल ने आगे लिखा, 'मेरा बस यही ख्वाब था कि एक दिन वे मुझे एक बड़ा स्टार बनते देखेंगे- एक कामयाब एक्टर जो उनके बैनर के नीचे फिल्में बनाएगा। उनकी कृपा और मार्गदर्शन के बिना 'वो 7 दिन' और 'मिस्टर इंडिया' जैसी फिल्में कभी बन ही नहीं पातीं। अनिल ने आगे लिखा, 'उनकी सादगी, ईमानदारी और मजबूत विश्वास ने मेरे जीवन के हर कदम को आकार दिया। उनकी कमी मुझे बहुत खलती है, लेकिन उनके सपने और सिखाई हुई बातें हर दिन मेरे साथ रहती हैं। जन्मदिन मुबारक हो पापा। आप मेरे मार्गदर्शक थे, हैं और हमेशा रहेंगे।'

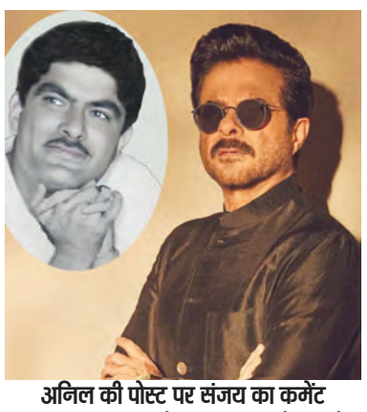

अनिल की पोस्ट पर संजय का कमेंट

अनिल की इस पोस्ट पर हर कोई कमेंट कर अपना प्यार जता रहा है। अनिल के भाई और पिता सुरिंदर कपूर के छोटे बेटे संजय कपूर ने लिखा, 'पापा, आपकी बहुत याद आती है।' वहीं संजय की पत्नी महीप कपूर ने लाल दिल वाले इमोजी बनाए। अनिल की इस पोस्ट पर कई फैंस ने लाल दिल वाले इमोजी बनाया है।

अनिल कपूर का वर्कफ्रंट

अनिल कपूर 2023 में 'एनिमल', 2024 में 'फाइटर' और 2025 में 'वॉर 2' जैसी फिल्मों में नजर आए। अब वह जल्द ही सुरेश त्रिवेणी की एक्शन ड्रामा फिल्म 'सूबेदार' में लीड रोल निभाते नजर आएंगे। इस फिल्म में राधिका मदान भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। बहरहाल, अनिल इन दिनों इस फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। कथित तौर पर इस फिल्म के अलावा वह 'धमाका 4' और 'Savi' जैसी फिल्मों में भी काम कर रहे हैं।

जन्मदिन पर गिफ्ट्स से घिरे नजर आए अहान पांडे, पोस्ट शेयर कर जताई खुशी; शुभकामनाओं के लिए किया शुक्रिया

'सैयारा' फिल्म से रातों-रात स्टार बन चुके अहान पांडे आज अपना 28वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। अहान को सबसे पहले सोशल मीडिया पर उनकी को-स्टार अनीत पड्डा ने बर्थ डे विश किया। इसके बाद उनके परिवार, दोस्त, रिश्तेदार और फैंस ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और साथ ही कई प्यारे गिफ्ट्स भी दिए। अहान ने उन सभी गिफ्ट्स के साथ एक प्यारी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर कर उन सभी का शुक्रियां अदा किया है।

अहान का पोस्ट

अहान पांडे को आज अपने 28वें जन्मदिन पर ढेर सारे गिफ्ट मिले। उन्होंने इंस्टाग्राम पर गिफ्ट्स से घिरी अपनी एक खास फोटो शेयर की है। इसके साथ अहान ने कैप्शन में लिखा, 'सबकी शुभकामनाओं के लिए शुक्रिया और उन सभी लोगों का भी धन्यवाद जिन्होंने इस साल को इतना खास बना दिया। हमेशा ढेर सारा प्यार।'

अहान पांडे का वर्कफ्रंट

अहान पांडे ने हाल ही में यशराज फिल्म्स की हिट फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। कथित तौर पर इस फिल्म के बाद अब वह अली अब्बास जफर की एक्शन-रोमांटिक फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म में अहान के साथ शरवरी वाघ और बॉबी देओल नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होगी। फिल्मों के अलावा अहान ने मॉडलिंग और बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में भी काम किया है।

'राउडी जनार्धना' के लिए रश्मिका मंदाना ने की विजय देवरकोंडा की तारीफ, बताया कमाल का एक्टर है

विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चाओं में हैं। एक दिन पहले ही उनकी नई फिल्म 'राउडी जनार्धना' का अनाउंसमेंट और टाइटल वीडियो जारी किया गया। इसके सामने आने के बाद उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। इसी कड़ी में विजय देवरकोंडा की गर्लफ्रेंड व अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने भी विजय के इस अनाउंसमेंट वीडियो पर रिएक्ट किया है। फिल्म को लेकर उत्साह जताते हुए रश्मिका ने पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं।

रश्मिका ने की तारीफ

रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी पर इस टाइटल वीडियो को शेयर किया है। इसके साथ ही इस पर खुशी जताते हुए अभिनेत्री ने लिखा, 'वाह, क्या गजब का है ये। ये तो कमाल की चीज है! क्या विजुअल्स हैं! क्या म्यूजिक है! क्या वाइब है! क्या एक्टर है! विजय देवरकोंडा और रवि किरण कोला आप दोनों कमाल हैं। मुझे ये बहुत पसंद आया। कीर्ति सुरेश आपको इस फिल्म के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं, क्यूट।'

जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं विजय-रश्मिका

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना के अफेयर को लेकर पिछले काफी वक्त से चर्चाएं चल रही हैं। अब चर्चाएं ये भी हैं कि दोनों साल 2026 में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। अक्तूबर में दोनों के सगाई करने की चर्चाओं ने काफी जोर पकड़ा था। हालांकि, कपल ने इस पर कुछ भी नहीं कहा था। इसके बाद विजय देवरकोंडा की टीम ने हिंदुस्तान टाइम्स को ये कंफर्म किया था कि दोनों ने सगाई कर ली है। उनकी टीम ने यह भी पुष्टि की थी कि वे फरवरी 2026 में शादी करेंगे।

'कॉकटेल 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं रश्मिका

वर्कफ्रंट की बात करें विजय देवरकोंडा आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'किंगडम' में नजर आए थे। इसे हिंदी में 'साम्राज्य' नाम से रिलीज किया गया था। जबकि रश्मिका मंदाना आखिरी बार 'द गर्लफ्रेंड' में नजर आई थीं। इन दिनों रश्मिका मंदाना शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ 'कॉकटेल 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

क्या रणवीर ने छोड़ी 'डॉन 3'? फिल्म को लेकर सस्पेंस के बीच राइटिंग टीम का बड़ा बयान

फरहान अख्तर की फिल्म 'डॉन 3' को लेकर फिर से बातें तेज हो गई हैं। पहले कहा जा रहा था कि इस बार शाहरुख खान की जगह रणवीर सिंह डॉन का किरदार निभाएंगे। लेकिन अब जो खबरें आ रही हैं, उनसे लग रहा है कि मामला अभी साफ नहीं है। फिल्म के नैरेशन से लेकर बाकी टीम की स्थिति तक, कई चीजें इस प्रोजेक्ट को लेकर सवाल खड़े कर रही हैं।

सूत्र का दावा- 'रणवीर नैरेशन से पूरी तरह कॉन्फिडेंट नहीं'

फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया, '12 दिसंबर को फरहान और रणवीर के बीच फिल्म का नैरेशन हुआ था। रणवीर को 'डॉन 3' की पूरी कहानी सुनाई गई, जिसमें फिल्म के पैमाने, एक्शन और उनके किरदार पर काफी चर्चा हुई। लेकिन रणवीर इस नैरेशन से पूरी तरह कॉन्फिडेंट नहीं हुए। खासकर उनके किरदार की गहराई और ग्राफ को लेकर कुछ सवाल थे। उन्होंने फिल्म को 'ना' नहीं कहा है, लेकिन अपनी डेट्स आगे बढ़ा दी हैं। इसका मतलब है कि अभी वे पूरी तरह कमिट नहीं हुए हैं। इसी वजह से फिल्म की टाइमलाइन पहले से और पीछे जा सकती है।

इस बीच 'डॉन 3' की कहानी को लेकर भी एक बड़ा अपडेट सामने आया है। पहले कहा जा रहा था कि फिल्म की कहानी फरहान अख्तर और 'विक्रम वेधा' फेम राइटर - डायरेक्टर जोड़ी पुष्कर और गायत्री मिलकर तैयार कर रहे हैं। लेकिन अब उन्हें भी फिल्म की मौजूदा स्थिति साफ नहीं है। अमर उजाला से बात करते हुए गायत्री ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो हमें नहीं पता 'डॉन 3' में क्या हो रहा है। सबसे पहले तो हमें इस प्रोजेक्ट पर कोई टिप्पणी करने की अनुमति नहीं है। दूसरा, हमें इससे जुड़े काफी समय हो चुका है। इसलिए फिल्म में अभी क्या प्रगति है, कौन है, कौन नहीं.. इसकी हमें कोई जानकारी नहीं है।'

'जी ले जरा' के कारण प्रोजेक्ट की रफ्तार धीमी

उधर, फरहान अख्तर फिलहाल अपनी दूसरी फिल्म 'जी ले जरा' पर ध्यान देना चाहते हैं। इसी वजह से 'डॉन 3' की स्थिति और अनिश्चित हो गई है। इसका असर पहले से जुड़े कलाकारों पर भी पड़ा है। सूत्रों की माने तो शरवरी वाघ और विशाल जेठवा भी फिल्म को लेकर क्लूलेस हैं। टीम में किसी के पास कोई ठोस अपडेट नहीं है।'

क्या ऋतिक रोशन फिर बन सकते हैं डॉन?

एक और दिलचस्प बात यह सामने आई है कि 'डॉन 3' की स्क्रिप्ट पहले ऋतिक रोशन को भी सुनाई गई थी। इसलिए चर्चा है कि अगर रणवीर आगे चलकर उपलब्ध न हों या फिल्म से हट जाएं, तो फरहान अख्तर दोबारा ऋतिक को अप्रोच कर सकते हैं। हालांकि इस पर अभी किसी ने ऑफिसियल बयान नहीं दिया है। सूत्रों का कहना है, 'फरहान विकल्प खुले रखना चाहते हैं। कहानी की मांग और उपलब्धता के मुताबिक किसी भी बड़े स्टार को अप्रोच किया जा सकता है।'

स्थिति अभी साफ नहीं

कुल मिलाकर, 'डॉन 3' की स्थिति अभी भी साफ नहीं है। लीड एक्टर की अनिश्चितता...कहानी लिखने वाली टीम का लंबे समय से प्रोजेक्ट से जुड़ा न होना और मेकर्स का दूसरे कामों में व्यस्त रहना - इन सब वजहों से फिल्म की दिशा तय नहीं हो पा रही है। फैंस अब भी इसी इंतजार में हैं कि आखिर डॉन की गद्दी कौन संभालेगा - रणवीर सिंह, ऋतिक रोशन या फिर कोई बिल्कुल नया चेहरा।

दीपिका की आठ घंटे शिफ्ट की मांग पर अब कियारा आडवाणी ने दी प्रतिक्रिया

दीपिका पादुकोण के आठ घंटे काम करने की मांग करने के बाद इस मुद्दे को लेकर इंडस्ट्री में एक बहस चल रही है। हालांकि, इस मामले पर दीपिका को इंडस्ट्री के कई लोगों का समर्थन भी मिला है। अब इस बहस में नई-नवेली मां बनीं कियारा आडवाणी ने भी एंट्री की है। मां बनने के बाद पहली बार कियारा ने अब आठ घंटे काम करने के मुद्दे पर अपनी राय दी है। उन्होंने प्रोफेशनल जिंदगी और पर्सनल जिंदगी में संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया है।

किसी भी इंडस्ट्री में तनाव अच्छा नहीं

हालिया बातचीत में कियारा आडवाणी ने मां बनने के बाद काम और व्यक्तिगत जिंदगी में संतुलन के महत्व को लेकर बात की। आठ घंटे की शिफ्ट पर चल रही बहस के बारे में पूछे जाने पर कियारा ने कहा कि किसी भी इंडस्ट्री में अत्यधिक तनाव किसी के लिए भी अच्छा नहीं होता। मेरे काम करने का तरीका प्रमुख रूप से तीन प्वॉइंट्स पर निर्भर रहता है। ये हैं- गरिमा, संतुलन और सम्मान। ये तीनों आधार मेरे घर पर और मेरे प्रोफेशनल स्टाफ पर भी लागू होते हैं।

अच्छी स्क्रिप्ट की तलाश में हैं कियारा

अपने काम को लेकर कियारा ने बताया कि वह नई स्क्रिप्ट की तलाश कर रही हैं और आने वाली एक बायोपिक को लेकर खासा उत्साहित हैं। एक्ट्रेस का मानना है कि अब उनके किरदार शैली से ज्यादा कहानी की गहराई पर आधारित होते हैं। अब वह स्क्रिप्ट का चयन कहानी को देखकर करती हैं। उसके जॉनर से कोई लेना-देना नहीं है। बेटी के जन्म के बाद काम को कैसे मैनेज करती हैं, इस पर कियारा ने कहा कि सरायाह के जन्म के बाद से मेंटल हेल्थ मेरी सबसे प्रमुख प्राथमिकता बन गई है। मुझमें अब एक नई स्पष्टता और प्रेरणा है, लेकिन साथ ही खुद के और दूसरों के मेंटल हेल्थ को भी मैं महत्व देती हूं।

'टॉक्सिक' में नजर आएंगी कियारा

कियारा आडवाणी ने इस साल जुलाई में एक बेटी को जन्म दिया है। कियारा और सिद्धार्थ ने अपनी बेटी का नाम सरायाह मल्होत्रा रखा है। कपल ने एक पोस्ट के जरिए अपनी बेटी के नाम का खुलासा किया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो कियारा आडवाणी अब यश की फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी। हाल ही में फिल्म से उनका फर्स्ट लुक रिवील किया गया, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया।

नए साल पर पार्टी नहीं, आदतें बदलें भविष्य अपने आप सुधर जाएगा

नए साल के साथ कई सारी उम्मीदें और सपने जुड़ गए होंगे। बीता साल कैसा रहा, इस पर आत्मचिंतन के साथ ही लोगों के मन में ये विचार जरूर आया होगा कि आने वाला साल इससे बेहतर होगा। जीवन में कुछ अच्छा आएगा। हालांकि कैलेंडर या तारीख बदलने मात्र से जीवन नहीं बदलता। जीवन में बेहतर की प्राप्ति के लिए कुछ प्रयास भी जरूरी है। इसीलिए हर साल नव वर्ष में लोग कुछ संकल्प या न्यू ईयर रेजोल्यूशन (New Year 2026 Resolutions) लेते हैं। ये रेजोल्यूशन कितना पूरा होता है, ये तो आपको सोचना है लेकिन अगर आसानी से साल 2026 को बेहतर बनाना चाहते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें।

साल 2026 की शुरुआत सिर्फ पार्टी से न करें, बल्कि कुछ बातों या आदतों को जीवन में उतार लें। नए साल की सही शुरुआत के लिए इन आदतों को बदल लें।

सुबह की शुरुआत शांति से करें, मोबाइल से नहीं

नए साल का पहला नियम है कि जागते ही फोन न उठाएं, बल्कि खुद को वक्त दें। दिन की शुरुआत मोबाइल नोटिफिकेशन से नहीं, एक गहरी सांस के साथ करें। 10 मिनट का मौन, प्रार्थना या ध्यान दिन की दिशा तय कर देता है। एक दिन में ही इसका असर देखा जा सकता है। अगर नए साल से रोजाना इस आदत को अपने जीवन का हिस्सा बना लेंगे तो मन और शरीर दोनों ऊर्जावान रहेंगे।

रिश्तों में बोलने से ज़्यादा सुनने की आदत

2026 में एक आदत को गांठ की तरह बांध लें। कम बोलें और सही सुनें। घर और दफ्तर दोनों जगह यह आदत टकराव कम करती है और भरोसा बढ़ाती है। खुद बोलने से ज्यादा अहम है कि दूसरों की बाते सुनने की आदत बनाएं।

शरीर को बोझ नहीं, मंदिर समझें

नए साल से अपने शरीर को वैल्यू देना शुरू करें। अनियमित खान-पान छोड़िए। रोज़ 20-30 मिनट चलना, समय पर खाना और पर्याप्त नींद लेना शुरू करें। यही असली न्यू ईयर रिज़ॉल्यूशन है।

खर्च नहीं, समझदारी से निवेश करें

नया साल दिखावे का नहीं, सुरक्षा का साल बनाइए। छोटे-छोटे निवेश और फ़िज़ूलखर्ची पर नियंत्रण आपको मानसिक शांति देंगे।

तुलना छोड़िए, अपनी गति अपनाइए

सोशल मीडिया की दौड़ में खुद को मत खोइए। हर जीवन की समयरेखा अलग होती है। यह सच्चाई मान लेने से आधा तनाव खत्म हो जाता है। लोगों की बराबरी करने के बजाए अपनी अलग पहचान बनाइए।

कृतज्ञता को रोज की आदत बनाएं

आपके पास जितना भी है, उसके लिए धन्यवाद कहना सीखिए। अच्छा परिवार, अच्छा स्वास्थ्य और अच्छे भोजन के लिए रोज रात में भगवान का आभार व्यक्त करें। ये मन को स्थिर और संतुष्ट बनाता है।

सीमाएं तय करें, ना कहना सीखें

हर किसी को खुश करने की कोशिश थकाती है। इस साल 2026 में सम्मानजनक 'ना' कहना सीखें। ये आत्मसम्मान की निशानी होता है।

सीखना कभी बंद न करें

हर महीने एक किताब, एक नई स्किल या एक नया विचार अपनाएं। हर दिन कुछ नया सीखने की कोशिश करें। यही आपको समय से आगे रखेगा।

बीते साल को माफ करें और खुद को भी

साल 2025 की गलतियों को बोझ न समझें, पछतावे के साथ नया साल न शुरू करें। अपनी गलतियों को सीख की तरह अपनाएं। नए साल में अपराधबोध नहीं, स्पष्ट दृष्टि लेकर चलिए।

शादी से पहले इन बातों को याद रखना जरूरी

सफल और खुशहाल वैवाहिक जीवन के कुछ नियम हैं, जिनके बारे में अगर आप जान लें और अपने जीवन में शामिल कर लें तो आपका रिश्ता मजबूत और सुखी बना रहता है। ये नियम न तो आपको शादी के दिन मंडप के नीचे सिखाए जाते हैं और न ही फेरों और वादों में शामिल होते हैं। कई दंपत्तियों के वैवाहिक जीवन के अनुभव के आधार पर ये नियम बनाए गए हैं। शादी करने जा रहे हैं तो आपको ऐसी 20 बातों का ध्यान रखना चाहिए जिसे शादी के बाद अपनाना बहुत जरूरी है।

विवाह जीवन में बड़े बदलाव लेकर आता है। शादी से पहले तक लड़के या लड़की के लिए यह समझ पाना मुश्किल होता है कि विवाह के बाद सिर्फ उन्हें एक साथी नहीं मिलता, बल्कि जिम्मेदारियां, भावनाओं का उतार चढ़ाव भी मिलता है। उन्हें सिर्फ खाना बनाना, परिवार संभालना, एक दूसरे की देखभाल व प्यार करना नहीं आना चाहिए, बल्कि रिश्ते को संभालने के लिए कुछ सच्चाई को भी अपनाना आना चाहिए।

अगर आपकी शादी होने वाली है तो उसके पहले विवाह के 20 नियमों को गांठ बांध लें ताकि आपका जीवन खुशहाल रहे।

प्यार पर्याप्त नहीं- प्यार रिश्तों को शुरू करता है, अनुशासन उन्हें जिंदा रखता है। भावनाएं फीकी पड़ सकती हैं, दिनचर्या निरस हो सकती और गुस्सा बढ़ सकता है। लेकिन सिर्फ वही जोड़े अंत तक टिक पाएंगे जो प्यार कमजोर होने पर भी साथ निभाते हैं।

सम्मान रोमांस से अधिक जरूरी- रोमांस आपको उत्साहित रखता है, लेकिन सम्मान सुरक्षित रखता है। सम्मान के बिना प्यार नाराजगी में बदल जाता है। जल्दबाजी या गुस्से में कभी भी किसी ऐसे व्यक्ति से शादी न करें, जिसकी आप प्रशंसा नहीं करते।

संवाद जरूरी- चुप रहना, चिल्लाने से ज्यादा जल्दी रिश्ता खत्म करता है। अगर आप शादी से पहले पैसों, भावनाओं या उम्मीदों पर बात नहीं कर सकते हैं, तो शादी के बाद गलतफहमियों में डूब जाएंगे।

रूप नहीं चरित्र चुनें- आकर्षण कम हो सकता है लेकिन ईमानदारी, धैर्य और सहानुभूति कभी कम नहीं होती है। सही साथी आकर्षक या रूपवान नहीं, बल्कि चरित्रवान होता है, जो स्थायी रहता है।

शादी एक दिन का वादा नहीं- शादी का बंधन में बंधने में भले ही एक दिन का वक्त लगे लेकिन इस बंधन में बंध जाने के बाद हजारों-लाखों सुबह एक साथ बितानी होती हैं। यानी शादी एक रोज में होती हैं, पर निभाना हर रोज पड़ता है। प्रतिबद्धता का अर्थ है, तब भी उपस्थित रहना जब यह असुविधाजनक हो।

संभावित से विवाह न करें- वे जैसे हैं, वैसे ही शादी करें। ये न सोचे कि वह आपकी उम्मीद के मुताबिक ढल जाएं। प्यार आलस्य, अहंकार और अपरिपक्वता को ठीक नहीं करता है।

भावनात्मक सुरक्षा आकर्षण से पहले - अगर आप उनके सामने कमजोर नहीं पड़ सकते, रो नहीं सकते, अपना दर्द नहीं दिखा सकते हैं तो यह प्यार नहीं, सिर्फ दिखावा है। शारीरिक आकर्षण से ज्यादा शादी में भावनात्मक सुरक्षा मायने रखती हैं।

शादी के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं- शादी कोई स्कोरबोर्ड नहीं है। इसमें एक जीतता है तो दोनों जीतते हैं। जब एक हारता है तो दोनों को उसकी कीमत चुकानी पड़ती है। कपल एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं होते, बल्कि एक ही टीम में खिलाड़ी होते हैं।

क्रिसमस मनाने जा रहे हैं बाहर तो रखें इन बातों का ध्यान

क्रिसमस एक ऐसा त्योहार है, जिसका इंतजार हर कोई सालभर करता है। विदेशों से लेकर भारत तक में क्रिसमस की धूम कई दिन पहले से दिखाई देने लगती है। इतना ही नहीं, क्रिसमस के बाद भी कई जगहों पर पार्टी होती है, क्योंकि क्रिसमस के बाद ही नये साल का स्वागत किया जाता है।

अगर आप भी पार्टी करने के शौकीन हैं तो ये लेख आपके लिए ही है। दरअसल, कई जगहों पर देर रात तक पार्टी चलती है, और बहुत से लोग तो पार्टी में ड्रिंक भी करते हैं। ऐसे में यहां हम कुछ ऐसे टिप्स देंगे जो आपकी सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी हैं। अगर आप इन बातों का ध्यान रखेंगे तो आप खुद को और दूसरों को खतरे से बचा सकें और बिना किसी समस्या के घर तक पहुंच सकेंगे।

अगर आप शराब या किसी अन्य मादक पदार्थ का सेवन कर चुके हैं तो गाड़ी चलाना खतरनाक हो सकता है। कैब या ओला/उबर जैसी टैक्सी सेवाएं लें। ड्रिंक करने के बाद अगर आप ड्राइव करेंगे तो आप न सिर्फ खुद को बल्कि अपने आस-पास से लोगों को भी खतरे में डाल सकते हैं। इसलिए ऐसा करने से बचें।

अगर पार्टी में काफी देर हो गई है तो अकेले घर जाने से बचें। हमेशा किसी दोस्त या परिवार के सदस्य के साथ जाएं। अगर कोई साथ नहीं जा पा रहा है तो अपने किसी करीबी दोस्त के यहां रुक जाएं लेकिन अकेले ट्रैवल करने से बचें। अगर घर पास है तो बात अलग है।

अक्सर हम अपना फोन चार्ज करना भूल जाते हैं, लेकिन अगर आप लेट नाइट पार्टी के लिए जा रहे हैं तो अपना फोन फुल चार्ज रखें। मुसीबत के समय और रात में अकेले वापस आते समय आपका मोबाइल ही आपका साथ देगा। चार्ज मोबाइल आपको कई दिक्कतों से बचा सकता है। आपात स्थिति में पुलिस, एम्बुलेंस और परिवार के किसी सदस्य का नंबर आपके फोन में इमरजेंसी सेक्शन में सेव होना चाहिए।

ये सबसे जरूरी प्वाइंट है। पार्टी के बाद जब घर जा रहे हैं तो अपनी यात्रा के दौरान अपने परिवार या दोस्तों को अपनी लोकेशन शेयर करें ताकि अगर कोई समस्या हो, तो वे आपके संपर्क में रहें। अगर कैब से जा रहे हैं तो कैब में बैठकर अपने किसी परिचित से कॉल पर रहकर लगातार बात करें।

कई बार जब काफी लेट हो जाता है तो हम सभी शॉर्टकट रास्ते लेना पसंद करते हैं। शॉर्टकट रास्तों से भले ही आप जल्दी घर पहुंच जाएं लेकिन हो सकता है ये ये रास्ते खतरनाक हों।

रात के समय अंधेरे और सुनसान रास्तों से बचें। जहां तक संभव हो, रोशनी वाले और सुरक्षित रास्तों का चुनाव करें। किसी नये रास्ते पर जाने की जगह उसी रास्ते से जाएं, जिसका इस्तेमाल आप हमेशा करते हों।

सर्दियों में गमलों में उगाएं सब्जियां बाजार जाना भूल जाएंगे

अनिता एक कुशल गृहिणी है, जो अपने परिवार की सेहत का पूरा ध्यान रखती है। पहले वह महंगी और कभी-कभी बासी सब्जियां खरीदने को मजबूर थी, लेकिन दो वर्ष पहले टमाटर के बढ़ते दाम देखकर उसने गमलों में टमाटर उगाना शुरू किया और धीरे-धीरे अपना किचन गार्डन तैयार कर लिया। अब न बाजार की भीड़ का झंझट है और न महंगी सब्जियों की चिंता। घर में उगी ऑर्गेनिक सब्जियां स्वादिष्ट भी हैं और सेहत के लिए लाभकारी भी। ऐसे में इस सर्दी क्यों न आप भी अपना एक छोटा-सा किचन गार्डन तैयार करें।

कौन से पौधे लगाएं

किचन गार्डन में ऐसे पौधे लगाएं, जो जल्दी बढ़ें और रोजाना के भोजन में काम आएं। आप टमाटर, हरी मिर्च, पालक, मेथी, धनिया, मूली और गाजर जैसे पौधे आसानी से उगा सकती हैं। ये पौधे माइक्रोग्रीन्स के रूप में भी इस्तेमाल होते हैं और बेहद पौष्टिक होते हैं। हर्ब्स के लिए तुलसी, पुदीना, धनिया और लेमनग्रास अच्छे विकल्प हैं। बेल वाली सब्जियां, जैसे कि लौकी और कद्दू ट्रेलिस के सहारे आसानी से बढ़ती हैं। इसके अलावा गोभी और ब्रोकली भी घर में आसानी से उगाई जा सकती हैं। ये सभी पौधे कम जगह और कम खर्च में उग जाते हैं।

सही जगह का चयन

अच्छे किचन गार्डन के लिए सही जगह का चयन बहुत जरूरी है। पौधों को रोजाना 3-5 घंटे धूप, हल्का गरम तापमान और अच्छी हवा चाहिए। टमाटर, हरी मिर्च, पालक, मेथी, धनिया, मूली और गाजर 18-30 डिग्री सेल्सियस में धूप वाली जगह पर अच्छी तरह बढ़ते हैं। हर्ब्स, जैसे तुलसी, पुदीना और लेमनग्रास आधी धूप या हल्की छाया में 15-28 डिग्री सेल्सियस तापमान में सही रहते हैं। बेल वाली सब्जियों को खुली धूप और ट्रेलिस वाली जगह पर 20-32 डिग्री सेल्सियस तापमान चाहिए। रोशनी कम हो तो ग्रो लाइट का उपयोग करें।

गमले और मिट्टी

टमाटर, हरी मिर्च, पालक जैसी चीजें सिरेमिक गमलों में उगाएं, क्योंकि इनमें नमी संतुलित रहती है। तुलसी, पुदीना, धनिया जैसी चीजें सिरेमिक या प्लास्टिक गमलों में अच्छी तरह बढ़ती हैं। बेल वाली सब्जियों को बड़े और गहरे सीमेंट या प्लास्टिक टब में उगाएं। किचन गार्डन की मिट्टी हल्की, भुरभुरी और पोषण युक्त हो। इसके लिए 60 प्रतिशत बगीचे की मिट्टी में 20 प्रतिशत खाद और 20 प्रतिशत रेत मिलाएं। लंबी जड़ों वाले पौधों के लिए 6 इंच गहरा गमला और नीचे कंकड़ की लेयर रखें, ताकि पानी न रुके।

पानी की मात्रा

सर्दियों में सब्जी के पौधों को कम मात्रा में और हमेशा दिन में पानी देना चाहिए, क्योंकि ठंड में मिट्टी देर तक गीली रहती है। पानी देने से पहले मिट्टी की ऊपरी सतह छूकर देखें। अगर वह सूखी लगे, तभी पानी दें। बहुत अधिक पानी जड़ों को सड़ा सकता है। गमलों में जल निकासी अच्छी होनी चाहिए। ठंडी हवा या कोहरे के

दिनों में पानी कम दें और पौधों के आस-पास की मिट्टी को हल्का भुरभुरा रखें, ताकि नमी संतुलित बनी रहे।

नीम तेल आएगा काम

कृषि विशेषज्ञ ऋषिका कौशिक बताती हैं, होम गार्डनिंग में पौधों की स्वस्थ वृद्धि के लिए संतुलित पोषण, सही तकनीक और प्राकृतिक सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए गोबर खाद, वर्मी कंपोस्ट या पत्तियों की खाद का उपयोग करें और हर 2-3 हफ्ते में हल्की मात्रा में खाद डालें। मिक्स्ड प्लांटिंग, जैसे कि टमाटर के साथ धनिया या गाजर के साथ प्याज लगाएं। यह प्राकृतिक कीट नियंत्रण और मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने का आसान तरीका है। मल्चिंग से मिट्टी की नमी बनी रहती है और तापमान नियंत्रित रहता है। सर्दियों में पौधों को ठंड से बचाने के लिए रात में कवर करें या तापमान बहुत घटने पर अंदर रखें। कीट नियंत्रण के लिए नीम तेल स्प्रे प्रभावी है। जगह कम है तो दीवारों पर वर्टिकल गार्डनिंग करें।

घर पर परिवार संग कैसे मनाएं नए साल का जश्न?

नया साल अपने साथ नयी उम्मीदें लेकर आता है। ऐसे में हर कोई इसका स्वागत अपने अंदाज में करता है। ज्यादातर लोग इस मौके पर खूब पार्टी करते हैं और बहुत से लोग इस मौके पर परिवार और दोस्तों के साथ समय व्यतीत करते हैं। तो अगर आप भी इस नए साल का जश्न अपने परिवार के साथ मनाना चाहते हैं, तो इसे खास बनाने के लिए कुछ मजेदार और यादगार तरीकों को अपनाना न भूलें।

चाहे वो घर पर छोटी सी पार्टी हो या फिर एक शानदार डिनर, परिवार के साथ ये समय बिताना हमेशा यादगार रहता है। इस लेख में हम आपको कुछ बेहतरीन और आसान तरीके बताएंगे, जिससे आप अपने परिवार के साथ इस नए साल को और भी खास बना सकते हैं।

घर पर डिनर पार्टी

नया साल मनाने का सबसे अच्छा तरीका है घर पर एक डिनर पार्टी आयोजित करना। परिवार के सभी सदस्य अपने पसंदीदा पकवान बना सकते हैं और एक साथ बैठकर उन्हें खा सकते हैं। आप एक थीम आधारित डिनर भी बना सकते हैं जैसे इमेक योर ओन पिज्जा या फैमिली स्टाइल डिनर, जिससे खाना और भी मजेदार हो जाता है।

फिल्म नाइट

नया साल अपने परिवार के साथ फिल्में देखकर भी मनाया जा सकता है। बच्चों के लिए एनिमेशन फिल्में, और बड़े लोगों के लिए कॉमेडी या रोमांटिक फिल्में पसंद की जा सकती हैं। घर पर एक आरामदायक फिल्म नाइट सेट करें, जिसमें पॉपकॉर्न और स्नैक्स का मजा लें। ये न केवल मनोरंजन का अच्छा तरीका है, बल्कि परिवार के साथ वक्त बिताने का भी बेहतरीन अवसर है।

गेम नाइट

गेम नाइट परिवार के लिए परफेक्ट विकल्प है। आप बोर्ड गेम्स जैसे लूडो, कैरम, या चेस खेल सकते हैं, या फिर वीडियो गेम्स जैसे माइक्रोसॉफ्ट एक्सबॉक्स या निंटेंडो स्विच पर भी खेल सकते हैं। ये एक बेहतरीन तरीका है पूरे परिवार को एक साथ लाने और मजेदार समय बिताने का।

नया साल की शुभकामनाएं लिखना

इस नए साल पर आप अपने परिवार के सभी सदस्यों से एक-दूसरे के लिए शुभकामनाएं लिखने का आदान-प्रदान कर सकते हैं। एक-दूसरे के लिए दिल से शुभ संदेश लिखकर उन्हें पढ़ना और सुनना इस दिन को और भी खास बना सकता है। ये एक अच्छा तरीका है जो परिवार में प्यार और संबंधों को मजबूत करता है।

आउटडोर एक्टिविटीज

अगर मौसम अच्छा हो, तो परिवार के साथ पार्क में पिकनिक मनाना या ट्रैकिंग या साइक्लिंग जैसी आउटडोर एक्टिविटी करना भी एक अच्छा तरीका हो सकता है। खुले आसमान में ताजगी महसूस करते हुए नए साल की शुरुआत करना शरीर और मन दोनों के लिए लाभकारी है। इसके साथ ही आप परिवार के साथ अच्छे वक्त का आनंद ले सकते हैं और एक साथ नए साल की शुरुआत कर सकते हैं।

पढ़ाई के लिए बच्चा विदेश जाना चाहता है? मां के लिए ये फैसले सबसे अहम

जब बच्चा स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद आपके आगे अपने मन की इच्छा जाहिर करे और कहे, "मम्मी, मैं विदेश में पढ़ना चाहता हूं", तो आपका भी दिल दो हिस्सों में बंट जाता है न? एक तरफ गर्व और हां कह देने की भावना, दूसरी तरफ चिंता और अकेलेपन का डर। यही वह घुमावदार रास्ता है, जहां मां होने के नाते आपको धैर्य, अनुभव और अपनी समझ से बच्चे के सपनों को केवल पूरा नहीं करना, बल्कि उसे सुरक्षित, सार्थक और उड़ान भरने योग्य भी बनाना है।

क्यों जाना है?

जब बच्चा विदेश में पढ़ने की इच्छा जताता है तो हर मां का पहला सवाल होना चाहिए, "तुम क्यों जाना चाहते हो?" यह शक नहीं, बल्कि दिशा तय करने का तरीका है। इस स्थिति में मां को बच्चे के शब्दों के पीछे छिपे सही कारणों को समझना होता है, जैसे कि बेहतर शिक्षा, किसी विषय को पढ़ने का जुनून, दुनिया देखने की चाह या दोस्तों की प्रेरणा। अक्सर बच्चे के हाव-भाव सब बता देते हैं, जिन्हें आपको भांपना है। इसलिए सबसे पहले कारण को जानें और फिर आगे बढ़ें।

जानकारी इकट्ठा करें

अगर आपका बच्चा विदेश में पढ़ाई को लेकर गंभीर है तो उसकी मदद करें। कोर्स के अनुसार उस देश का बेहतर विश्वविद्यालय चुनें, फीस, स्कॉलरशिप और रहने-खाने की व्यवस्था देखें। साथ मिलकर योजनाएं बनाएं और रिसर्च करें। अगर उसके पास पहले से योजना है तो उसे ध्यान से देखें और आवश्यक सुझाव जोड़ें। आपकी मदद उसे व्यवस्थित योजना बनाने में मदद कर सकती है।

डायरी में बजट बनाएं

इसके बाद आप फीस, रहने-खाने का खर्च, टिकट, इंश्योरेंस और सभी आर्थिक पहलुओं को एक डायरी में बजट की तरह तैयार करें। स्कॉलरशिप खोजें, बैंक लोन के तकनीकी पहलुओं को जानें और अपनी बचत पर नजर डालें। पूरी योजना इस तरीके से बनाएं, जिससे आर्थिक बोझ को संभाला जा सके।

भरोसे के साथ कुछ सीख

विदेश भेजना बच्चे को ऊंची शिक्षा दिलाना भर नहीं है। यह वह पल है, जब मां मानती है कि बच्चा बड़ा हो गया है। ऐसे में मन में सवाल उठना लाजिमी है कि बच्चे को खाना कौन खिलाएगा, नई भाषा और संस्कृति में कैसे रहेगा, बीमार पड़ेगा, तब कैसे अपनी देखभाल करेगा?

इन सब बातों को सोचकर आपको डरना नहीं है, बल्कि बच्चे पर भरोसा करना है। बेशक नई जगह की शुरुआत मुश्किल होगी, लेकिन आपका विश्वास उसे हिम्मत देगा। आप उसे समझाएं कि "परेशान हो तो फोन करना, रोना पड़े तो रो लेना, लेकिन रुकना नहीं।" आपका यह वाक्य उसे संतुलन, मजबूती और टूटने की इजाजत देगा, जो उसकी असली ताकत बनेगा।

जीवन कौशल सिखाएं

एक मां जानती है कि विदेश जाने से पहले बच्चे को सिर्फ दस्तावेज नहीं, बल्कि जीवन कौशल भी चाहिए, जैसे कि कपड़े धोना, खाना बनाना, पैसे संभालना, आत्मविश्वास और सही निर्णय लेने की समझ। आप भी उसे सिखाएं कि दाल कैसे धुलती है, सब्जी कैसे कटती है, भले बच्चा यह कहे कि उसे सब आता है। आखिर यही छोटी-छोटी बातें उसे विदेश में सही ढंग से जीवन जीने में मदद करेंगी।

नए ढंग से जीया जाए

करियर काउंसलर प्रवेन्द्र सिंह बिरला बताते हैं, बच्चों के करियर के असली एक्सपर्ट उनके माता-पिता होते हैं। इसलिए जब बच्चा विदेश जाने की इच्छा जताए तो सीधे मना करने के बजाय हर पहलू पर सोचें। अधिकतर माता-पिता आर्थिक कारणों या दूर हो जाने के डर से मना कर देते हैं, लेकिन आप ऐसा न करें। यदि आप खर्च वहन नहीं कर सकतीं तो उसे शांत मन से स्थिति समझाएं और अन्य विकल्प बताएं। अगर पूरी योजना बन चुकी है तो उसे समझाएं कि नई जगह से जुड़े, मगर परिवारिक मूल्यों को हमेशा याद रखे। मुश्किलों में बेझिझक बात करे। आप उससे कभी यह न कहें कि "वह अकेले नहीं रह सकता।" ऐसी बातें मनोबल तोड़ती हैं। बच्चे की हर संभव मदद करें, ताकि उसके सपने टूटें नहीं।

सोना 1.36 लाख पार, एक दिन में 2,163 बढ़ा

चांदी भी 2.09 लाख किलो के ऑलटाइम हाई पर, 10 दिन में 23,762 महंगी हुई

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम आज (22 दिसंबर) लगातार दूसरे दिन ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार सोना 2,163 रुपए बढ़कर 1,36,133 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। इससे पहले सोमवार को ये 1,33,970 रुपए पर था।

वहीं, 1 किलो चांदी की कीमत 1,523 रुपए बढ़कर 2,09,250 रुपए प्रति किलो के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई है। इससे पहले सोमवार इसकी कीमत 2,07,727/किलो थी। दस दिन में चांदी 23,762 रुपए महंगी हुई। 10 दिसंबर को इसकी कीमत 1,85,488 रुपए प्रति किलो थी। IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल RBI सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं। इस साल अब तक सोने की कीमत 59,971 रुपए बढ़ी है।

शेयर बाजार फ्लैट बंद हुआ

सेंसेक्स 43 अंक गिरकर 85,525 पर बंद, निफ्टी में तेजी रही, आईटी, फार्मा और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली

मुंबई, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन आज यानी 23 दिसंबर को शेयर बाजार में करीब 400 अंक का उतार-चढ़ाव रहा।

सेंसेक्स 43 अंक गिरकर 85,525 पर बंद हुआ। निफ्टी में 5 अंक की तेजी रही, ये 26,177 के स्तर पर है।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 नीचे बंद हुए। इंफोसिस, टेक महिंद्रा और एयरटेल में 1.5% तक गिरावट रही। आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टीएमपीवी 1% बढ़कर बंद हुए।

निफ्टी के 50 में से 26 शेयर्स गिरकर बंद हुए। एनएसई के आईटी, फार्मा और बैंकिंग सेक्टर में आज गिरावट रही। वहीं, एफएमसीजी, मीडिया और मेटल ऊपर बंद हुए।

ग्लोबल मार्केट में तेजी

एशियाई बाजारों में कोरिया का कोस्पी 0.28% ऊपर 4,117 पर और जापान का निक्केई इंडेक्स 0.021% ऊपर 50,413 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.11% गिरकर 25,774 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.067% बढ़कर 3,920 पर बंद हुआ। 22 दिसंबर को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.47% ऊपर 48,362 पर बंद हुआ था। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट में 0.52% और S&P 500 में 0.64% की तेजी रही थी।

सेब और कीवी पर ड्यूटी छूट अब 'शर्तों' के साथ

टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर टिका सौदा

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी व्यापारिक कूटनीति में एक नया और रणनीतिक अध्याय जोड़ते हुए न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। भारत ने साफ किया है कि न्यूजीलैंड से आने वाले सेब, कीवी और प्रीमियम 'मानुका हनी' (शहद) को भारतीय बाजार में शुल्क (Duty) रियायतें तभी मिलेंगी, जब वह भारत के कृषि क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाने के अपने वादों को धरातल पर उतारेगा। केंद्र सरकार ने इन रियायतों को सीधे तौर पर 'कृषि उत्पादकता एक्शन प्लान' से लिंक कर दिया है, जो यह सुनिश्चित करेगा कि विदेशी माल के साथ-साथ विदेशी तकनीक भी भारतीय खेतों तक पहुंचे।

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, इस पूरे तंत्र की निगरानी के लिए

एक विशेष 'संयुक्त कृषि उत्पादकता परिषद' का गठन किया जाएगा। यह परिषद देखेगी कि न्यूज़ीलैंड समझौते के तहत किए गए वादों- जैसे कि बागवानी में तकनीकी सुधार और क्षमता निर्माण- को पूरा कर रहा है या नहीं। यह कदम घरेलू कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा और बाजार पहुंच के बीच संतुलन बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। समझौते की शर्तों के मुताबिक, न्यूज़ीलैंड ने भारत में सेब, कीवी और शहद उत्पादन की गुणवत्ता और क्षमता बढ़ाने के लिए 'फोकस्ड एक्शन प्लान' पर सहमति जताई है।

भारतीयों के सिर चढ़ कर बोल रही है बिरयानी

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीयों की खाने-पीने की पसंदगी बदल रही है। साल 2025 में लोगों को सबसे ज़्यादा क्या खाना पसंद आया, इसकी जानकारी सामने आ गई है। Swiggy की सालाना फ़ूड ट्रेंड्स रिपोर्ट के मुताबिक, बिरयानी, बर्गर, डोसा और चिकन रोल जैसे जाने-पहचाने पकवानों की मांग सबसे ज़्यादा रही।

स्विगी की यह रिपोर्ट, जिसका नाम 'हाउ इंडिया स्विगी'ड' है, का यह 10वां एडिशन है। रिपोर्ट बताती है कि साल भर में लोगों ने सबसे ज़्यादा क्या ऑर्डर किया। इसमें सुबह के नाश्ते से लेकर देर रात के खाने और त्योहारों के पकवानों तक सब शामिल है। यह रिपोर्ट दिखाती है कि 2025 में भारत के लोगों की खाने की आदतें कैसी रहीं।

साल 2025 में भी बिरयानी ने खाने के मामले में अपना पहला स्थान बनाए रखा। लोगों ने पूरे साल में 93 मिलियन (9.3 करोड़) बिरयानी ऑर्डर कीं। इसका मतलब है कि हर मिनट

194 बिरयानी ऑर्डर हुईं, या हर सेकंड 3.25 बिरयानी खाई गईं। चिकन बिरयानी सबसे ज़्यादा पसंद की गई, जिसके 57.7 मिलियन (5.77 करोड़) ऑर्डर आए और इसे बार-बार ऑर्डर किया गया। बर्गर दूसरे नंबर पर रहा, जिसे 44.2 मिलियन (4.42 करोड़) बार ऑर्डर किया गया। पिज़्ज़ा तीसरे स्थान पर रहा, जिसके 40.1 मिलियन (4.01 करोड़) ऑर्डर आए। वेज डोसा भी लोगों को बहुत पसंद आया, जिसके 26.2 मिलियन (2.62 करोड़) ऑर्डर आए। शाम 3 बजे से 7 बजे के बीच का समय नाश्ते के लिए सबसे ज़्यादा पसंद किया गया। इस समय में बर्गर सबसे ज़्यादा बिके।

चिकन बर्गर के 6.3 मिलियन (63 लाख) ऑर्डर आए, जबकि वेज बर्गर भी पीछे नहीं रहे और उनके 4.2 मिलियन (42 लाख) ऑर्डर आए। चिकन रोल, वेज पिज़्ज़ा और चिकन नगेट्स भी इस दौरान खूब ऑर्डर किए गए। शाम के नाश्ते के समय में चाय और समोसे का कॉम्बिनेशन भी बहुत पॉपुलर रहा। इस दौरान लोगों ने 3.42 मिलियन (34.2 लाख) समोसे और 2.9 मिलियन (29 लाख) कप अदरक वाली चाय ऑर्डर की।

मीठे पकवानों का भी साल 2025 में बोलबाला रहा। व्हाइट चॉकलेट केक सबसे ज़्यादा पसंद किया गया, जिसके 6.9 मिलियन (69 लाख) ऑर्डर आए। चॉकलेट केक और गुलाब जामुन भी पीछे नहीं रहे, जिनके क्रमशः 5.4 मिलियन (54 लाख) और 4.5 मिलियन (45 लाख) ऑर्डर आए। भारतीय मिठाइयों में, काजू बर्फी और बेसन लड्डू भी काफी पसंद किए गए।

आइसक्रीम में भी चॉकलेट का जलवा रहा, जिसमें डार्क चॉकलेट और चॉकलेट संडे सबसे ज़्यादा बिके। भारतीयों ने विदेशी खाने को भी खूब अपनाया। मैक्सिकन खाने के 16 मिलियन (1.6 करोड़) ऑर्डर आए, तिब्बती खाने के 12 मिलियन (1.2 करोड़) से ज़्यादा ऑर्डर आए, और कोरियन खाने के 4.7 मिलियन (47 लाख) ऑर्डर आए।

नए बजट में कैपेक्स पर ही रहेगा जोर

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय बजट 2027 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है और वित्त मंत्रालय के गलियारों में हलचल तेज है। इस गहमागहमी के बीच, अर्न्स्ट एंड यंग (EY) ने अपनी एक रिपोर्ट में सरकार रणनीति के बारे में बताया है। इस रिपोर्ट में उम्मीद जताई गई है कि बजट 2026-27 में भी सरकार अपने अपने विकास के मंत्र पर कायम रहेगी। इसका मतलब है पूंजीगत व्यय (Capex) अर्थव्यवस्था का इंजन बना रहेगा। हालांकि यह भी, उम्मीद है है कि वित्त मंत्री का एक हाथ विकास की डोर थामेगा, तो दूसरा राजकोषीय घाटे की लगाम कसेगा। ईवाई की रिपोर्ट 'इकोनॉमी वॉच' के मुताबिक, भारत इस बार बजट सीजन से पहले आर्थिक आंकड़े मजबूत है। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही (Q2 FY26) में वास्तविक जीडीपी (Real GDP) ने 8.2% की शानदार वृद्धि दर्ज की है। ऐसा मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में आई मजबूती से संभव हो सका। इससे भी बड़ी राहत की बात महंगाई के मोर्चे पर है। खुदरा महंगाई गिरकर 0.7% के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई है। यह गिरावट नीति निर्माताओं के लिए एक बड़े अवसर की तरह है। इस हालात में वे महंगाई की परवाह किए बिना अपना पूरा जोर विकास पर लगा सकते हैं। बेहतरीन आर्थिक आंकड़ों के बीच ईवाई का मानना है कि FY27 में भी सरकार सार्वजनिक पूंजीगत व्यय (Public Capex) को ही विकास का मुख्य हथियार बना सकती है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
सूर्योदय 06-46
सूर्यास्त. 17-44

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु	मे	धनु.....	06-40 बजे
चंद्र	मकर	मे	मकर...	08-45 बजे
मंगल	धनु	मे	कुंभ....	10-28 बजे
बुध	वृश्चिक	मे	मीन....	11-58 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मेष.....	13-24 बजे
शुक्र	धनु	मे	वृष....	15-01 बजे
शनि	मीन	मे	मिथुन.	16-57 बजे
राहु	कुंभ	मे	कर्क...	19-11 बजे
केतु	सिंह	मे	सिंह---	21-30 बजे
			कन्या--	23-46 बजे
			तुला---	02-00 बजे
			वृश्चिक..	04-18 बजे

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - पौष शुक्ल पक्ष बुधवार 24 Dec
तिथि - चतुर्थी 13-11 तक उपरान्त पंचमी
नक्षत्र - श्रवण 07-07 तक उप धनिष्ठा
योग - हर्षण 16-02 तक उप. वज्र
करण - विष्टी 13-11 तक बव

पंचक 13-12 तक

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 12-16 13-39

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06-46 - 08-07	शुभ	उत्पात	17-44 - 19-25	अशुभ
अमृत	08-07 - 09-30	शुभ	शुभ.	19-25 - 21-02	शुभ
काल	09-30 - 10-53	अशुभ	अमृत	21-02 - 22-39	शुभ
शुभ	10-53 - 12-16	शुभ	चंचल	22-39 - 00-16	शुभ
रोग	12-16 - 13-39	अशुभ	रोग	00-16 - 01-53	अशुभ
उत्पात	13-39 - 15-02	अशुभ	काल	01-53 - 03-30	अशुभ
चंचल	15-02 - 16-25	शुभ	लाभ	03-30 - 05-08	शुभ
लाभ	16-25 - 17-44	शुभ	उत्पात	05-08 - 06-46	अशुभ

रिजर्व बैंक ने बेच डाले 11.9 अरब डॉलर

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अक्टूबर 2025 में रुपये को सहारा देने के लिए शुद्ध रूप से 11.9 अरब डॉलर बेचे। इससे यह साफ हो गया है कि आरबीआई ही करेंसी मार्केट में स्थिरता बनाए रखने वाली मुख्य शक्ति है। आरबीआई के दिसंबर बुलेटिन के आंकड़ों से पता चलता है कि केंद्रीय बैंक ने पूरे वित्तीय वर्ष 2025 (FY25) में स्पॉट और फॉरवर्ड दोनों बाजारों में सक्रिय भूमिका निभाई। इसका मकसद रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करना और बाजार को व्यवस्थित रखना था।

स्पॉट मार्केट, जिसे ओवर-द-काउंटर (OTC) मार्केट भी कहते हैं, में केंद्रीय बैंक आरबीआई ने लिक्विडिटी प्रदान करने के लिए डॉलर खरीदे जाने से ज्यादा बेचे। अक्टूबर में डॉलर की कुल खरीद सितंबर के 2.2 अरब डॉलर से बढ़कर 704% उछलकर 17.7 अरब डॉलर हो गई। वहीं, डॉलर की कुल बिक्री 192% बढ़कर 29.6 अरब डॉलर तक पहुंच गई। इस वजह से अक्टूबर में शुद्ध डॉलर बिक्री 11.9 अरब डॉलर रही, जो सितंबर के 7.9 अरब डॉलर से 50% ज्यादा है। यह दिखाता है कि रुपये पर पड़ रहे दबाव को रोकने के लिए आरबीआई ने और भी ज्यादा हस्तक्षेप किया। कुल मिलाकर, अक्टूबर 2025 तक FY25 में आरबीआई की शुद्ध डॉलर बिक्री 34.5 अरब डॉलर रही, जो कॉन्ट्रैक्ट रेट पर 2,91,233 करोड़ रुपये के बराबर है।

रिजर्व बैंक ने ये कदम भी उठाए

स्पॉट मार्केट में दखल देने के साथ-साथ, RBI ने भविष्य की उम्मीदों को प्रभावित करने के लिए फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स का भी सहारा लिया। इससे तुरंत विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल नहीं हुआ।

पाकिस्तान के पास सरकारी एयरलाइन चलाने के लिए पैसा नहीं

नीलामी में 3 कंपनियों ने लगाई बोली

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान इस समय बड़े आर्थिक संकट से गुजर रहा है। पड़ोसी देश की आर्थिक स्थिति इस कदर खराब है कि उसके पास सरकारी एयरलाइन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस को चलाने के लिए पैसा नहीं है। यह कंपनी बड़े घाटे में चल रही है। पाकिस्तान सरकार ने इस एयरलाइन कंपनी को बेचने के लिए मंगलवार को फिर से प्रयास किया। मंगलवार को हुई नीलामी में 3 कंपनियों ने बोली लगाई।

यह नीलामी पाकिस्तान का सरकारी एयरलाइन को बेचने का दूसरा प्रयास था। पाकिस्तान सरकार ने पिछले साल भी इसे बेचने की कोशिश की थी, जो नाकाम रही थी। तब केवल एक ही बोली आई थी, जो सरकार की तय कीमत से बहुत कम थी। इस वजह से लगभग दो दशकों में पाकिस्तान का यह पहला बड़ा निजीकरण नहीं हो पाया था।

पाकिस्तान सरकार पीआईए की 75 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी। हालांकि पाकिस्तान सरकार पीआईए में 100% तक हिस्सेदारी बेचने के लिए तैयार है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 75% से अधिक हिस्सेदारी के लिए 15% का प्रीमियम देना होगा। इस एयरलाइन को खरीदने के लिए तीन कंपनियों ने बोली लगाई है। बोली लगाने वालों में एक समूह था जिसका नेतृत्व लकी सीमेंट लिमिटेड कर रहा था। इस समूह में पावर प्रोड्यूसर हब पावर होल्डिंग्स लिमिटेड, कोहट सीमेंट कंपनी लिमिटेड और निवेश फर्म मेट्रो वेंचर्स भी शामिल थे। दूसरा समूह आरिफ हबीब कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नेतृत्व में था। इसमें फर्टिलाइजर निर्माता फातिमा फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड, निजी स्कूल नेटवर्क सिटी स्कूल्स और रियल एस्टेट फर्म लेक सिटी होल्डिंग्स लिमिटेड शामिल थे। तीसरा बोलीदाता निजी एयरलाइन एयर ब्लू लिमिटेड था। तीनों ग्रुप की ओर से यह बोली एक पारदर्शी बॉक्स में लगाई गई। पाकिस्तान सरकार बुधवार को पीआईए के लिए एक तय कीमत बताएगी और अगर बोली उस कीमत से ज्यादा हुई तो विजेता का ऐलान किया जाएगा।

ओपेक देशों को पीछे छोड़ चीन बना तेल का 'किंग'

क्या कीमत तय करने की मिल गई चाबी?

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। तेल के खेल में चीन नया किंग बनकर उभर रहा है। आम तौर पर तेल की दुनिया में यह माना जाता है कि OPEC+ जैसे बड़े तेल उत्पादक देशों का समूह ही तेल की कीमतों को तय करता है। वे उत्पादन घटाकर या बढ़ाकर अपनी मर्जी का दाम हासिल कर लेते हैं। लेकिन साल 2025 में इस पुरानी सोच को चुनौती मिली। चीन दुनिया का सबसे बड़ा तेल आयातक है। उसने अपनी इस ताकत का इस्तेमाल करके तेल की कीमतों के लिए एक तरह से 'फ्लोर' (न्यूनतम स्तर) और 'सीलिंग' (अधिकतम स्तर) तय कर दी। उसने यह काम अपने तेल के भंडार में तेल डालने या निकालने के जरिए

किया। रॉयटर में प्रकाशित एक आर्टिकल के मुताबिक साल 2022 में OPEC+ ने तेल का उत्पादन घटाया था, जिससे कीमतें बढ़ीं। लेकिन जैसे ही उन्होंने अप्रैल 2025 में उत्पादन बढ़ाना शुरू किया, बढ़ी हुई कीमतें फिर से कम होने लगीं। अब, जब तेल की सप्लाई बहुत ज्यादा होने का खतरा मंडरा रहा है, OPEC+ ने अगले साल की पहली तिमाही में उत्पादन को स्थिर रखने का फैसला किया है। ऐसे में, इस अतिरिक्त तेल को खपाने की जिम्मेदारी चीन पर आ गई है।

साल 2026 में चीन क्या करेगा, यह तेल बाजार के लिए सबसे बड़ा सवाल है। दुसरे देश अपनी रणनीति शायद बीजिंग के फैसलों को देखकर ही बनाएंगे। चीन अपनी रणनीतिक और व्यावसायिक तेल भंडारण की जानकारी सार्वजनिक नहीं करता है। इस वजह से यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि असल में कितना तेल बाजार में आ रहा है और जा रहा है। साथ ही, यह समझना कठिन हो जाता है कि चीन की नीतियां क्या होंगी। लेकिन साल 2025 में यह साफ था कि चीन अपनी घरेलू खपत और रिफाइन किए गए उत्पादों के निर्यात से ज्यादा तेल खरीद रहा था। साल 2025 के पहले 11 महीनों में लगभग 980,000 बैरल प्रति दिन (bpd) अतिरिक्त तेल था। ऐसा इसलिए, क्योंकि कुल आयात और घरेलू उत्पादन 15.80 मिलियन bpd था, जबकि रिफाइनरियों में 14.82 मिलियन bpd तेल इस्तेमाल हुआ।

यह अतिरिक्त तेल मार्च से जमा हो रहा था। इससे पहले जनवरी और फरवरी में रिफाइनरियों ने अपने भंडार से तेल निकाला था। उस समय इस्तेमाल हुआ तेल तेल उपलब्ध तेल से लगभग 30,000 bpd ज्यादा था।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,
जो लोग विलासिता के सामान के व्यवसायों में शामिल हैं, वे लोग आज बहुत लाभ में रहेंगे और साथ ही साथ जो लोग स्वरोजगार में हैं, वे भी अपनी दरों में बढ़ोतरी कर सकते हैं और साथ ही साथ मन वांछित राशि की प्राप्ति कर सकते हैं। उन लोगों पर ध्यान न दें जो लोग आपकी सराहना करने में विफल रहते हैं, बस अपनी विशेषज्ञ कौशल से लाभ प्राप्त करने की इच्छा रखने वालो के महत्व को आप स्वीकार करें।

वृष ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
आपकी वित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि दिख रही है और आगे भी इसमें सुधार की संभावना है, परन्तु आप ऐसा महसूस करेंगे की आपके नियंत्रण से परे स्थितियां आपकी उत्पादकता और काम करने की क्षमता को प्रभावित कर रही है, लेकिन आपका डर निराधार हैं। यहां तक कि आपके वरिष्ठ अधिकारी इस चीज़ को समझते हैं और आपके हालातो के साथ हमदर्दी भी रखते है।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आज के दिन अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के योग है। आज का दिन लॉटरी और सट्टा बाजार के लिए भी लाभप्रद है परन्तु ये धन लाभ कई तरह की जिम्मेदारियां भी साथ लायेगा जिसे आपको नजरअंदाज नहीं करना है। आपको इस पैसे के संबंध में आज एक महत्वपूर्ण काम का निर्वहन करना पड़ सकता है।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
आप सक्रिय हैं और आज आपकी सक्रिय प्रकृति आपको शीर्ष पर रखेगी। आप सभी गतिविधियों के केंद्र पर हैं। आप बहुत अच्छा कर रहे हैं। बस अपनी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहे। अब भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत कुछ है। आप अपने कार्य क्षेत्र को व्यवस्थित रखें और समय-समय पर अपने दस्तावेजों को देखते रहे।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे। आप अपनी कार्य सम्भंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी। कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है, परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे। आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
अपने स्वयं के वित्त एवं धन का नियंत्रण लेना आप के लिए अब बहुत महत्वपूर्ण है और आप इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत से डरते नहीं हैं। आज आप बहुत संगठित और अनुशासित हैं और आप बहुत ही व्यावहारिक तरीके से अपने कार्य क्षेत्र और कैरियर के मुद्दों से निपटने के लिए तैयार हैं।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
जब लोहा गर्म हो तो उस पर निशाना लगाये! यह विशेष रूप से प्रेरक वक्ताओं की भूमिका या इसी तरह की भूमिका वालो के लिए एक महान दिन है। आज आप जनता के साथ बेहतर संवाद करने में सक्षम होंगे और आपको उस के लिए उच्च भुगतान भी किया जा सकता है। तो आप आगे बढे और इस तरह प्रदर्शन करे की लोग आप की बाते सुनने के लिए लालायित रहे।

वृश्चिक तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू,
आपके नए व्यापार विचार जो आपने सुझाये थे वे अब फल देने लगेंगे। आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की सोच सकते है। यह अपने दम पर कुछ करने के लिए सबसे अच्छा समय है। संभावना है कि आप इस समय अपने नए व्यापार के लिए पर्याप्त वित्तपोषण प्राप्त करने में सक्षम होंगे। आपको इस व्यवसाय को स्थापित करने के लिए विदेश में से किसी के साथ साझेदारी में काम करना पड़ सकता है।

धनु ये, यो, भा, भी, भू धा, फा, ढा, भे
हालाँकि आप सावधान और व्यवस्थित है, पर किसी दूसरे के कार्यभार के लिए आप जवाबदेह होंगे। अपने और अपने काम के तरीको पर विश्वास रखे। एक बार में एक काम को सुव्यस्थित तरीके से करे और अगले सप्ताह तक आप चीजों को आकार में वापस पायेंगे। उस समय तक अपने सहकर्मियों के साथ किसी बहस में संलिप्त न हो।

मकर भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है।

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
आज आपके मितव्ययी होने की संभावना हैं, और आप एक असाधारण अवस्था में रहेंगे। आप एक महंगी कला की वस्तु खरीद सकते है क्यों की आप कला के पुजारी है। आप अपने पास के किसी व्यक्ति के लिए एक महंगा उपहार खरीद सकते है जो की उस व्यक्ति को आश्चर्यचकित कर सकता है। आपके कार्यस्थल में सब कुछ सुचारू रूप से चलेगा।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
आज आप एक दार्शनिक मुद्रा में रहेंगे और गहरी सोच वाली ऐसी किसी भी नौकरी में आज आप सफलता को छुएंगे। शिक्षकों, वकीलों, दार्शनिकों, प्रचारकों और राजनेताओ के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा। लेकिन आपको सांसारिक एवं जीवन के गहरे सवालों के बीच ध्यान देने की जरूरत है।व्यावहारिक स्थिति से अपना मुख मोड़ना आज आपकी सबसे बड़ी समस्या है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

'100 मीटर ऊंचाई' की झोल की पोल

विशेषज्ञ ने बताया कैसे होती है तबाही

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। अरावली पर्वतमाला और पर्वत श्रृंखलाएं भारत की सबसे प्राचीन भूवैज्ञानिक संरचनाओं में से हैं, जो दिल्ली से लेकर हरियाणा, राजस्थान और गुजरात तक फैली हुई हैं। ऐतिहासिक रूप से इन्हें 37 जिलों में राज्य सरकारों द्वारा मान्यता दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में केंद्र सरकार की सिफारिशों के बाद अरावली की जिस परिभाषा को मंजूरी दी है, उसके मुताबिक आसपास की जमीन से कम से कम 100 मीटर (328 फीट) ऊंचे जमीन के हिस्से को ही अरावली पहाड़ी माना जाएगा। साथ ही दो या उससे ज्यादा ऐसी पहाड़ियां जो 500 मीटर के दायरे के अंदर हों और उनके बीच जमीन भी मौजूद हो, तब भी उन्हें अरावली हिल्स का हिस्सा माना जाएगा। अब पर्यावरणविदों की चिंता यह है कि महज ऊंचाई के आधार पर अरावली की व्याख्या करने से कई ऐसी पहाड़ियों पर खनन और निर्माण के लिए दरवाजा खुलने का खतरा पैदा हो जाएगा जो 100 मीटर से छोटी हैं।

'बेतहाशा खनन इकोलॉजी के लिए बड़ा खतरा'

अरावली उत्तरी मरुस्थलीकरण के खिलाफ एक प्राकृतिक ढाल है। यह जैव विविधता और जल पुनर्भरण का संरक्षक है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया है कि यहां अनियंत्रित खनन 'देश की पारिस्थितिकी के लिए एक बड़ा खतरा' है और इनकी सुरक्षा के लिए समान मानदंड निर्धारित करने का निर्देश दिया है। इसलिए, पारिस्थितिक स्थिरता, सांस्कृतिक विरासत और सतत विकास के लिए इनका संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

32 लाख साल पहले वजूद में आया अरावली

द फ्रंटलाइन के मुताबिक, दिल्ली से गुजरात तक 650 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैली अरावली पर्वतमाला विश्व की सबसे प्राचीन पर्वतमालाओं में से एक है। लगभग 32 लाख वर्ष पूर्व अस्तित्व में आई यह पर्वतमाला अपनी पहचान के संकट से जूझ रही है। इसकी ऊंचाई अभी 1,722 मीटर रह गई है। 2004 में सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली पर्वतमाला की जैव विविधता को देखते हुए कहा कि इसमें सहारा, इथियोपिया, प्रायद्वीपीय, पूर्वी और यहां तक कि मलय वनस्पतियों और जीवों का मिश्रण पाया जाता है। दिल्ली यूनिवर्सिटी के जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सना रहमान के अनुसार, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में फैली अरावली पर्वतमाला एक जीवंत पारिस्थितिक संरचना और भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे पुरानी पर्वतमाला है। लगभग 670 मिलियन वर्ष पुरानी मानी जाने वाली यह पर्वत श्रृंखला एक प्राकृतिक अवरोधक के रूप में कार्य करती है, जो थार रेगिस्तान के फैलाव को धीमा करती है, सूक्ष्म जलवायु को स्थिर करती है और जलभंडारों को रिचार्ज करती है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से टेंशन में क्यों हैं एक्सपर्ट

अरावली पर्वतमाला पिछले लगभग तीन दशकों से सुप्रीम कोर्ट के न्यायिक हस्तक्षेप का केंद्र रही है। बीते महीने सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा से संबंधित मामले (2025) में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अध्यक्षता वाली एक समिति द्वारा अनुशंसित परिभाषा को स्वीकार कर लिया। न्यायालय ने कहा कि केवल वे भू-आकृतियां जो स्थानीय भू-भाग से कम से कम 100 मीटर ऊपर उठती हैं, अरावली पहाड़ियों के रूप में मान्य होंगी। ऐसी पहाड़ियों के समूह जो एक दूसरे से 500 मीटर के भीतर स्थित हों, अरावली पर्वतमाला का निर्माण करेंगे। भारतीय वन सर्वेक्षण ने बताया है कि विभिन्न राज्यों में 12,081 पहाड़ियों में से केवल 1,048 (8.7 प्रतिशत) ही 100 मीटर के मानदंड को पूरा करती हैं। इससे कई विशेषज्ञ चिंतित हैं।

अरावली हिल्स की अहमियत क्या है?

द हिंदू की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला होने के अलावा, यह इंडो-गंगा के मैदानों के मरुस्थलीकरण को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण पारिस्थितिक अवरोधक के रूप में कार्य करती है। यह थार रेगिस्तान को हरियाणा, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ओर पूर्व की ओर फैलने से रोकने में मदद करती है और जलवायु को स्थिर करने, जैव विविधता का समर्थन करने और भूजल को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। दिल्ली से गुजरात तक 650 किलोमीटर तक फैली यह पर्वत श्रृंखला जल पुनर्भरण प्रणालियों का समर्थन करती है और चंबल, साबरमती और लूणी जैसी महत्वपूर्ण नदियों का स्रोत है। यह बलुआ पत्थर, चूना पत्थर, संगमरमर, ग्रेनाइट और सीसा, जस्ता, तांबा, सोना और टंगस्टन जैसे खनिजों से समृद्ध है।

अरावली और यमुना न होती तो नहीं बस पाती दिल्ली

दिल्ली यूनिवर्सिटी के जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सना रहमान के अनुसार, दिल्ली का बसना दो मानदंडों पर आधारित था। पहली थी-यमुना नदी, दूसरा-अरावली के जंगल। इन दो करणों से दिल्ली को पुराने लोगो ने रहने के लिए चुना। अरावली दुनिया के सबसे पुराने जंगलों में से एक है, ये हिमालय से भी पुराना है।

अरावली पर्वतमाला गुजरात से शुरू होती है और दिल्ली में आकर खत्म होती हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले की मंशा थी कि एकरूपता लाई जाए। कानूनी स्थिरता के लिए कमेटी ने 100 मीटर ऊंचाई को चुना। पर ये पारिस्थितिक रूप से सही नहीं है, क्योंकि अरावली हिल्स में सिर्फ पहाड़िया ही नहीं वादिया भी हैं, तालाब भी हैं जो मिलकार अरावली हिल्स में बंटे हैं।

40 मीटर भी ऊंची हो तो भी अरावली हमारे लिए ढाल

डॉ. सना रहमान के अनुसार, अरावली में सबसे ज्यादा खनन बलुआ पत्थर और अभ्रक का हुआ, जिससे अरावली को काफी नुकसान हुआ था। दिल्ली की अरावली को बचाने के लिए अरावली जैव विविधता पार्क बनाया गया और दिल्ली पर्वतमाला को संरक्षित किया गया। अगर पहाड़ी 40 मीटर ऊंची भी हो तो भी वो लू की हवाओं को काफी हद तक रोक सकती हैं, जल संरक्षण कर सकती हैं, आवास बन सकती हैं।

वन मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर क्या कहा

केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने साफ किया कि 100 मीटर की सुरक्षा सीमा पहाड़ी के बॉटम यानी जिस स्थान तक पहाड़ी का आधार फैला होता है, वहां से मानी जाती है यानी पहाड़ी के नीचे से 100 मीटर तक का पूरा इलाका संरक्षित रहेगा। वहां किसी भी तरह की खुदाई या गतिविधि की अनुमति नहीं होगी। भूपेंद्र यादव ने बताया कि अगर दो अरावली पहाड़ियों के बीच सिर्फ 500 मीटर का ही अंतर है तो वह पूरी जमीन भी अरावली रेंज का हिस्सा मानी जाएगी। यानी केवल पहाड़ ही नहीं, बल्कि उनके बीच की भूमि भी संरक्षण के दायरे में आएगी।

अरावली संरक्षण : भूपेंद्र यादव का बयान बनाम जमीनी हकीकत

डॉ. सना रहमान के अनुसार, केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव का कहना है कि पहाड़ियों के निचले 100 मीटर (नीचे से ऊपर तक) को संरक्षित किया जाएगा। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार अरावली की परिभाषा में 100 मीटर या उससे ऊंची पहाड़ियों को ही 'अरावली' माना जाएगा। इसका सीधा मतलब यह निकलता है कि जो पहाड़ियां 100 मीटर से कम ऊंची हैं, वे परिभाषा के दायरे से बाहर हो जाएंगी और उन्हें 'अरावली' माना ही नहीं जाएगा। डॉ. सना रहमान कहती हैं कि भूपेंद्र यादव अक्सर अपनी बात इस तरह रखते हैं-जहां माइनिंग (खनन) की अनुमति नहीं है, वहां संरक्षण है। लेकिन पारिस्थितिकी (ecology) के लिए यह तर्क पूरी तरह सही नहीं है। केवल माइनिंग रोकना ही अरावली को बचाने के लिए काफी नहीं है।

डॉ सना रहमान के अनुसार, पारिस्थितिक रूप से ये सभी हिस्से अरावली का ही अभिन्न अंग हैं, चाहे उनकी ऊंचाई 100 मीटर से कम ही क्यों न हो। यदि इन्हें केवल परिभाषा के आधार पर संरक्षण से बाहर रखा गया, तो अरावली का अस्तित्व संकट में बना रहेगा।

महिलाओं के लिए समर्पित होगा सरकार का तीसरा साल

सीएम की घोषणा, कई योजनाओं का मिलेगा लाभ

रायपुर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में महिलाओं की सशक्तिकरण को लेकर बड़ा फैसला किया है। सीएम साय ने कहा कि प्रदेश को सबसे अधिक आशीर्वाद मातृशक्ति से मिलता है। माताओं और बहनों के स्नेह, विश्वास और समर्थन से ही सरकार को जनसेवा की ऊर्जा प्राप्त होती है। इसी भाव से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने आगामी वर्ष को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में घोषित किया है।

पहला साल विश्वास का वर्ष था

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में सेवा का पहला वर्ष 'विश्वास वर्ष' के रूप में समर्पित किया गया था, जिसमें शासन और जनता के बीच विश्वास की पुनर्स्थापना का लक्ष्य

सफलतापूर्वक प्राप्त हुआ। लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हुए सरकार ने पारदर्शिता, संवेदनशीलता और संवाद के माध्यम से जनता का भरोसा फिर से अर्जित किया।

अटल जी के लिए समर्पित था दूसरा साल

सीएम साय ने कहा कि सेवा का दूसरा वर्ष भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित 'अटल निर्माण वर्ष' के रूप में मनाया गया। इस दौरान प्रदेश के आधारभूत ढांचे, सामाजिक विकास और जनकल्याण से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्य पूरे हुए। इन उपलब्धियों का विस्तृत 'रिपोर्ट कार्ड' जनता के सामने पेश की गई है जो सरकार की जवाबदेही और पारदर्शिता का परिचायक है।

तीसरा साल महिलाओं के लिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीसरा साल मातृ शक्ति के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि 'महतारी गौरव वर्ष' के दौरान राज्य की सभी प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों का केंद्र बिंदु माताएं और बहनें होंगी। यह वर्ष न केवल मातृशक्ति के सम्मान का प्रतीक होगा, बल्कि उनके सशक्तिकरण, सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और सामाजिक गरिमा को नई ऊंचाई देने का संकल्प भी सिद्ध होगा।

छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव रखी जाएगी

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महतारी गौरव वर्ष के माध्यम से छत्तीसगढ़ में मातृशक्ति के नेतृत्व, सहभागिता और सम्मान का एक नया अध्याय लिखा जाएगा, जो विकसित और समरस छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव बनेगा।

कान में लगा था ब्लूटूथ, फंदे से झूलती मिली लाश

लातेहार, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। लातेहार जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत बेसना टोला में सोमवार रात 19 वर्षीय छात्र ने अपने ही घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान रवि रंजन सिंह, पिता स्वर्गीय श्याम बिहारी सिंह के रूप में हुई है। रवि मनिका डिग्री कॉलेज में बीए का छात्र था।

परिजनों के अनुसार सोमवार रात उसने घर पर खाना नहीं खाया और सीधे अपने कमरे में सोने चला गया। मंगलवार सुबह जब काफी देर तक वह बाहर नहीं निकला, तो परिजनों को शक हुआ। कई बार दरवाजा खटखटाने के बावजूद अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद अनहोनी की आशंका हुई। परिजनों ने पहले आसपास के ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी।

साइबर क्राइम का कहरः भागलपुर और मुजफ्फरपुर में करोड़ों की लूट

धनबाद में होटल से चल रहे गिरोह का भंडाफोड़

धनबाद, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार और झारखंड के विभिन्न जिलों में साइबर ठगों ने आम लोगों से लेकर बैंक अधिकारियों तक को अपना निशाना बनाया है। जहां भागलपुर में ठगों ने 'डिजिटल अरेस्ट' और निवेश के नाम पर करोड़ों उड़ाए, वहीं धनबाद में पुलिस ने एक संगठित गिरोह को दबोचने में कामयाबी हासिल की है।

भागलपुर जिले में साइबर अपराधियों ने दो बड़ी वारदातों को अंजाम दिया है। रेडक्रॉस रोड के निवासी नलिन कुमार राय को साइबर ठगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर डराया। उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' कर यह धमकी दी गई कि उनके खाते में बड़ी गड़बड़ी है। डर के मारे बुजुर्ग ने तीन किस्तों में कुल 1.20 करोड़ रुपये ठगों के खातों में ट्रांसफर कर दिए।

एक अन्य मामले में, ठगों ने भारी मुनाफे का लालच देकर एक बैंक मैनेजर के खाते से भी मोटी रकम साफ कर दी। दोनों मामलों को मिलाकर भागलपुर में 2.30 करोड़ रुपये से अधिक की चपत लगाई गई है।

मुजफ्फरपुर के सरैया निवासी सुजीत कुमार के साथ ठगी का एक नया तरीका अपनाया गया। पीड़ित के पास एक फर्जी मैसेज आया कि उनका 'वाहन चालान' कटा है।

मैसेज में दिए गए लिंक पर जैसे ही उन्होंने क्लिक किया, उनका मोबाइल हैक हो गया। अपराधियों ने उनके क्रेडिट कार्ड और फ्लिपकार्ट अकाउंट का एक्सेस हासिल कर 2.37 लाख रुपये की ऑनलाइन शॉपिंग कर डाली।

एक तरफ जहां ठग सक्रिय थे, वहीं धनबाद पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। एसएसपी की गुप्त सूचना पर पुलिस ने मयहर होटल (पुराना बाजार) में छापेमारी कर 5 साइबर अपराधियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

पुलिस ने मौके से 10 मोबाइल, 16 सिम कार्ड, 38 बैंक दस्तावेजों के साथ-साथ फिंगरप्रिंट क्लोनिंग डिवाइस और एक स्कॉर्पियो गाड़ी बरामद की है। सिटी एसपी के अनुसार, यह गिरोह होटल के कमरों से ही धोखाधड़ी का रैकेट चला रहा था।

दिन दहाड़े बीजेपी नेता की हत्या

कोरबा, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में बीजेपी हत्या की दिन दहाड़े हत्या कर दी गई है। कार सवार बदमाशों ने बीजेपी नेता पर चाकूओं से कई हमले किए हैं। घटना मंगलवार सुबह करीब 10 बजे की है। शुरुआती जानकारी के अनुसार भाजपा के सीनियर नेता अक्षय गर्ग पर तीन लोगों ने चाकू और कुल्हाड़ी से हमला किया है। हमलावर एक बार में आए थे।

हमलावरों ने अक्षय गर्ग पर कई बार चाकू और कुल्हाड़ियों से हमला किया है। घटना का जानकारी मिलते ही कटघोरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई है। पुलिस ने मामले की जांच कर रही है। अक्षय गर्ग पूर्व में जनपद सदस्य भी रह चुके हैं। इसके साथ ही वह ठेकेदारी का काम भी करते थे। फिलहाल उनके पास बीजेपी का कोई पद नहीं था लेकिन उनकी गिनती बीजेपी के सीनियर नेताओं में होती थी। जानकारी के अनुसार, अभी वह केशलपुर गांव में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण भी करवा रहे थे।

अक्षय गर्ग की हत्या के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। कोरबा के दुकानदारों ने बंद का ऐलान कर दिया है। अस्पताल के बाहर और चौक चौराहों पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। स्थानीय लोग आरोपियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

आपसी रंजिश के कारण हो सकती है हत्या

पुलिस के अनुसार, हत्या आपसी रंजिश के कारण हो सकती है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। अक्षय गर्ग सुबह करीब 10 बजे के बीच केशलपुर गांव में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना का काम देखने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में तीन हमलावर पहुंचे और अक्षय गर्ग पर अचानक हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी कार में बैठकर फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों की तलाश तेज कर दी है।

कोरबा जिले के पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि उन्होंने स्वयं मौके पर पहुंच कर जायजा लिया तथा उचित कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने हमलावरों की तलाश में नाकेबंदी कर दी है और मामले की जांच की जा रही है।

सिविल सर्जन के घर लाखों की चोरी

तीन माह से बंद था घर, खिड़की तोड़कर घुसे चोर, बाथरूम का नल भी ले गए

पाकुड़, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र के बैंक कॉलोनी स्थित एक घर में अज्ञात चोरों ने लाखों रुपए की चोरी को अंजाम दिया है। यह घर कोलकाता के सिविल सर्जन जयंतो शुक्ल की पत्नी के नाम पर है। परिवार पिछले तीन महीने से कोलकाता में रह रहा था, जिसके कारण घर खाली था।

चोरों ने खिड़की के रास्ते घर में प्रवेश किया। उन्होंने घर में रखे फ्रिज, एसी का कंप्रेसर, बिजली का सामान, खिड़की की एल्युमीनियम शीट, बाथरूम के नल, अलमारी में रखी साडियां, चादरें और अन्य घरेलू सामान चुरा लिए। चोरी की जानकारी आस-पास के लोगों ने गृह स्वामी के साले मनोजित पांडे को दी। सूचना मिलते ही मनोजित पांडे मौके पर पहुंचे और घटना का मुआयना किया। उन्होंने तुरंत अपने जीजा, सिविल सर्जन जयंतो शुक्ल और नगर थाने को चोरी की सूचना दी।

थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है। मनोजित पांडे ने बताया कि चोरों ने घर के वायरिंग और बाथरूम के वाटर पाइप को भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। उन्होंने अनुमान लगाया कि लाखों रुपए का नुकसान हुआ है और घर को नए सिरे से मरम्मत कराना होगा। मनोजित पांडे के अनुसार, जयंतो शुक्ल के कोलकाता से आने के बाद ही चोरी की सही रकम का पता चल पाएगा।

शीतलहर और कुहासे से कांप रहा पूरा झारखंड

रांची का पारा 5 .4C, विजिबिलिटी 600 मीटर, 20 जिलों में ऑरेंज-यलो अलर्ट

रांची, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची सहित पूरा झारखंड इन दिनों शीतलहर की चपेट में है। सुबह-सुबह पूरा प्रदेश घने कोहरे की चादर ओढ़े नजर आ रहा है। न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। आलम यह है कि राजधानी रांची का न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच चुका है।

मौसम विभाग ने आज रांची, खूंटी, गुमला, सिमडेगा, प. सिंहभूम, बोकारो, धनबाद, सरायकेला, पू. सिंहभूम, जामताड़ा, देवघर, गिरिडीह में शीतलहर का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं गढ़वा, पलामू, चतरा, कोडरमा, हजारीबाग,

लातेहार, लोहरदगा, रामगढ़ के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम केंद्र रांची के अनुसार उत्तर-पश्चिम की ओर से आने वाली बर्फीली व ठंडी हवाओं और दिन में आसमान साफ रहने की वजह से रातें ज्यादा ठंडी रहेंगी। अगले तीन दिनों तक कई इलाकों में घना कोहरा छाया रह सकता है। इसे हाइवे पर चलने वालों को ज्यादा परेशानी हो सकती है। इधर, ठंड की वजह से जहां जमशेदपुर की गाढ़ाबासा निवासी महिला नंदनी देवी (49) की मौत हो गई।ठंड का असर इस कदर है कि डालटनगंज में अधिकतम तापमान में 7.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान में 2.7 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

कोडरमा, हजारीबाग, लातेहार और लोहरदगा सहित कई जिलों में अधिकतम तापमान 20 डिग्री से नीचे चला गया है। सोमवार को सबसे कम विजिबिलिटी देवघर में 200 मीटर, जमशेदपुर में 300 मीटर और रांची में 600 मीटर रिकॉर्ड की गई।

कुहासे की वजह से झारखंड के प्रमुख एयरपोर्ट और आसपास के इलाके में विजिबिलिटी काफी कम हो गई है।

ड्रग्स के साथ दिखे युवक-युवती अरेस्ट

रायपुर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर में युवक-युवती का ड्रग्स, कैश और मोबाइल के साथ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। 17 सेकेंड के इस वीडियो में युवक मोबाइल पर बात कर रहा। युवती वीडियो बनाते और गालियां देती नजर आ रही है। यह वायरल वीडियो अमलीडीह इलाके का बताया जा रहा है। पुलिस ने युवक-युवती को गिरफ्तार कर लिया है। आज शाम 5 बजे पुलिस मामले का खुलासा करेगी।

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक टेबल में मोबाइल, पैसे और ड्रग्स (संभावित एमडीएमए/कोकीन) की 19 लाइन खींची हुई टेबल में दिख रही है। लाइन के पास क्रेडिट कार्ड पड़ा हुआ है। इस वीडियो को युवती ने ही बनाया है। वीडियो वायरल होने के बाद प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा था कि जांच करवाकर कार्रवाई की जाएगी। रायपुर में 6 महीने पहले भी इसी तरह के वीडियो सामने आए थे। जिसके बाद पुलिस ने अभियान चलाकर 79 पैडलर्स को गिरफ्तार किया था। आरोपियों को जेल भेजने के साथ करोड़ों का सामान भी जब्त किया। पुलिस की इस कार्रवाई से पैडलर कुछ दिन थमे, लेकिन नए साल के मद्देनजर रायपुर में फिर से एक्टिव हो गए हैं। इस मामले पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई पिछले 2 महीने में तेज हुई है। पुलिस एंड टू एंड इन्वेस्टिगेशन कर रही है। नशे से जुड़े वायरल वीडियो की पहचान की जा रही है।

पैंगोलिन की खाल के साथ दो गिरफ्तार

डब्ल्यूसीसीबी ने अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह का किया भंडाफोड़

गुमला, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। गुमला जिले में वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दुर्लभ पैंगोलिन की खाल की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में दो लोगों को 6.5 किलोग्राम पैंगोलिन की खाल के साथ गिरफ्तार किया गया है। यह गिरोह अंतरराज्यीय तस्करी में शामिल बताया जा रहा है। कुरुमगढ़ वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी जगदीश राम ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर क्यूआरटी टीम ने रायडीह के मरियम टोली के पास छापेमारी की। इस दौरान तस्करी के उद्देश्य से ले जाई जा रही पैंगोलिन की खाल के साथ दो अभियुक्तों को रंगे हाथ पकड़ा गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के सोगड़ा निवासी रामेश्वर राम और गुमला के सिसई निवासी मानसुर अंसारी के रूप में हुई है। बाजार में इस पैंगोलिन की खाल की कीमत लाखों रुपए आंकी गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह मामला केवल स्थानीय नहीं, बल्कि एक बड़े अंतरराज्यीय और संभवतः अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। डब्ल्यूसीसीबी का अनुमान है कि यह खाल गुमला के कुरुमगढ़ वन क्षेत्र या छत्तीसगढ़ के जंगलों से लाई गई थी। वन प्रमंडल पदाधिकारी अहमद बिलाल अख्तर ने बताया कि पैंगोलिन आईयूसीएन की रेड लिस्ट में 'अत्यंत संकटग्रस्त' प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध है।

यूनिवर्सिटी की चौथी मंजिल से गिरा नाइजीरियन छात्र, मौत

विदेशी गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड पर छत से फेंकने का आरोप, दोनों गिरफ्तार, 2 स्टूडेंट का भिलाई में सरेंडर

रायपुर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर के मंदिर हसौद थाना क्षेत्र स्थित निजी यूनिवर्सिटी की चौथी मंजिल से गिरने से नाइजीरियन की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि विदेशी मूल की एक छात्रा से बदसलूकी को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि, छात्रा ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर सैम को छत से नीचे फेंक दिया।

जानकारी के मुताबिक मृत छात्र का नाम सैम है, जो लाइबिरिया का निवासी था। निजी यूनिवर्सिटी में एमबीए सेंकेड ईयर में था। गिरने की वजह से कई जगहों पर चोटें आई हैं। वहीं पुलिस ने साउथ सूडान निवासी नोई कोंडेट और उसकी गर्लफ्रेंड फेथ को अरेस्ट किया है।

दरअसल, मंगलवार को यूनिवर्सिटी की चार मंजिला इमारत से एक छात्र नीचे गिर गया। छात्र को गंभीर हालत में देखा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही मंदिर हसौद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। जानकारी के मुताबिक नाइजीरियन छात्र सैम और उक्त छात्रा के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसी विवाद के दौरान छात्रा का बॉयफ्रेंड भी वहां पहुंच गया। विवाद बढ़ने के बाद सैम चौथी मंजिल से नीचे गिर गया। हालांकि आरोप है कि सैम को जानबूझकर नीचे फेंका गया।

पुलिस ने साउथ सूडान निवासी नोई कोंडेट और उसकी गर्लफ्रेंड फेथ को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना में कुल चार लोग शामिल बताए जा रहे हैं। इनमें से 2 आरोपियों ने भिलाई में सरेंडर किया है, जिन्हें लेने के लिए रायपुर पुलिस की टीम रवाना हुई।

थाना प्रभारी आशीष यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मौत की वजह ऊंचाई से गिरना सामने आई है। हालांकि, यह हादसा है या हत्या, इस पहलू पर जांच जारी है। छात्रों के बयान, सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है।

ट्रम्प ने सालभर में 18 हजार करोड़ चंदा लिया

बदले में करोड़ों के फायदे दिए, लिस्ट में सुंदर पिचाई और सत्या नडेला जैसे 6 भारतवंशी शामिल

वॉशिंगटन, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद उनकी टीम ने बड़े पैमाने पर चंदा जुटाया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की जांच में सामने आया है कि चुनाव के बाद ट्रम्प और उनके करीबियों ने करीब 2 अरब डॉलर (18 हजार करोड़ रुपए) अलग-अलग फंड और योजनाओं के लिए इकट्ठा किए। यह रकम उनके इलेक्शन कैंपेन के लिए जुटाई गई राशि से भी ज्यादा है।

रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी कागजात, फंडिंग रिकॉर्ड और कई लोगों से बातचीत करके पता लगा कि कम से कम 346 बड़े दानदाता ऐसे हैं, जिनमें से हर एक ने 2.5 लाख डॉलर या उससे ज्यादा का चंदा दिया।

इन लोगों से ही करीब 50 करोड़ डॉलर से ज्यादा की रकम आई। इनमें से लगभग 200 दानदाता ऐसे हैं, जिन्हें या जिनके कारोबार को ट्रम्प सरकार के फैसलों से फायदा मिला। इनमें सुंदर पिचाई और सत्या नडेला जैसे 6 भारतवंशी बिजनेसमैन शामिल हैं। इन फायदों में कई बातें शामिल हैं। किसी को राष्ट्रपति की तरफ से माफी मिली, किसी के खिलाफ

चल रहे केस खत्म हो गए, किसी कंपनी को बड़े सरकारी ठेके मिल गए तो किसी को सीधे व्हाइट हाउस तक पहुंच मिली या सरकार में बड़ा पद दिया गया।

हालांकि रिपोर्ट यह भी कहती है कि यह साबित करना मुश्किल है कि किसी ने पैसा दिया और बदले में सीधा फायदा मिला, लेकिन इतना जरूर है कि पैसे और फायदों का यह रिश्ता सवाल खड़े करता है।

ट्रम्प की टीम ने पैसे जुटाने के लिए कई अलग-अलग रास्ते बनाए। इनमें सबसे बड़ा है एमएजीए (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) Inc., जो एक सुपर पीएसी है। पीएसी एक ऐसा संगठन होता है, जो राजनीति के लिए पैसा इकट्ठा करता है और उस पैसे से किसी उम्मीदवार या पार्टी का समर्थन करता है।

इसने नवंबर 2024 से जून 2025 के बीच करीब 200 मिलियन डॉलर जुटाए। इसके अलावा ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह के लिए बनी कमेटी ने करीब 240 मिलियन डॉलर जुटाए, जो अमेरिका के इतिहास में सबसे ज्यादा है।

इतना ही नहीं, व्हाइट हाउस में एक शानदार बॉलरूम बनाने के लिए भी चंदा लिया जा रहा है। ट्रम्प का कहना है कि इसके लिए करीब 350 मिलियन डॉलर जुट चुके हैं, हालांकि टाइम्स को करीब 100 मिलियन डॉलर के दानदाताओं की पुष्टि मिली है। यह पैसा 'ट्रस्ट फॉर दे नेशनल मॉल' नाम के संगठन के जरिए लिया जा रहा है।

इसके अलावा अमेरिका की आजादी के 250 साल पूरे होने पर होने वाले कार्यक्रमों के लिए बने संगठन 'अमेरिका250', व्हाइट हाउस हिस्टोरिकल एसोसिएशन और एक राजनीतिक समूह सिक्योरिंग अमेरिकन ग्रेटनेस के लिए भी पैसा जुटाया गया।

इनमें से कई जगह दान देने वालों के नाम सार्वजनिक करना जरूरी नहीं है, इसलिए पूरा सिस्टम काफी हद तक सीक्रेट बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प खुद इस पर नजर रखते हैं कि कौन कितना पैसा दे रहा है। उनकी फंडरेजिंग प्रमुख मेरिडिथ ओ'रूर्क उन्हें रेगुलर जानकारी देती हैं। कई लॉबिस्ट अपने क्लाइंट्स को सलाह देते हैं कि अगर ट्रम्प का ध्यान और पहुंच चाहिए तो इन संगठनों को दान देना फायदेमंद हो सकता है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि एक महिला ने MAGA Inc. को 25 लाख डॉलर दिए और कुछ महीनों बाद उसके पिता को जस्टिस डिपार्टमेंट से रिश्वत मामले में बहुत कम सजा मिली।

इसी तरह एक इंजीनियरिंग कंपनी पार्सन्स ने बॉलरूम प्रोजेक्ट के लिए 25 लाख डॉलर दिए और वह ट्रम्प के गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम जैसे अरबों डॉलर के सरकारी ठेकों की दौड़ में है।

वीडियो गेम कंपनी रोब्लॉक्स के सीईओ ने भी बड़ा दान दिया और ट्रम्प की एआई से जुड़ी नीतियों की तारीफ की।

एसयू-57 की पूरी टेक्नोलॉजी और सोर्स कोड देने को बिलकुल तैयार

रूस ने फिर दोहराया ऑफर

मॉस्को, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस ने एक बार फिर भारत को सुखोई एसयू-57 की टेक्नोलॉजी और सोर्स कोड देने का ऑफर दोहराया है। रूसी विमान निर्माता कंपनी यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन के सीईओ वादिम बडेखा ने कहा है कि रूस एकमात्र ऐसा देश है जो अपने पांचवीं पीढ़ी के मल्टीरोल फाइटर जेट एसयू-57ई के साथ भारतीय वायु सेना की जरूरतों को पूरा कर सकता है। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी भारत के साथ एसयू-57 लड़ाकू विमान की टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को नई ऊंचाई तक ले जाने को तैयार है, बल्कि भारत अगर इस विमान को खरीदने का विकल्प चुनता है तो वह इसका सोर्स कोड भी शेयर कर सकता है।

आईएएफ की जरूरतें पूरा करेगा एसयू-57

इंटरव्यू में यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन के सीईओ वादिम बडेखा ने कहा कि भारतीय वायुसेना को लंबे समय से आधुनिक लड़ाकू विमानों की आवश्यकता है। भारत ने हाल में ही अपने मिग-21 बाइसन को

रिटायर किया है। उन्होंने कहा, दुनिया में कुछ ही ऐसे देश हैं जो न केवल अपने पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों का उत्पादन करते हैं, बल्कि उन्हें भारत को उचित शर्तों पर देने के लिए भी तैयार हैं। भारत को अपने खुद के विमानों का डेवलपमेंट करने में टाइम लगेगा। इसलिए, हमारी राय में, रूस ही एकमात्र ऐसा साझेदार है जो एसयू-57ई के संबंध में भारत की सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है, चाहे वह उत्पाद की गुणवत्ता हो या मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत संयुक्त उत्पादन का अनुभव।

2018 में भारत के एसयू-57 प्रोग्राम से बाहर निकलने के सवाल पर वादिम बडेखा ने कहा कि इतनी तकनीकी जटिलता और इतने इनोवेशन से युक्त विमान का डेवलपमेंट हमेशा जोखिम भरा होता है। इस जोखिम को कम करने की भारतीय पक्ष की इच्छा स्वाभाविक है। हमने उन चिंताओं का समाधान कर दिया है और यह प्रदर्शित किया है कि विमान का विकास हो चुका है और इसने युद्धक्षेत्र में अपनी क्षमता साबित कर दी है। उन्होंने आगे कहा कि सहयोग करने की हमारी तत्परता में कोई बदलाव नहीं आया है। अब रूसी वायुसेना को एसयू-57 की आपूर्ति बड़े पैमाने पर की जा रही है। हमने एसयू-57ई की एक्सपोर्ट डिलीवरी के लिए भी समझौते किए हैं।

उन्होंने दावा किया कि आज का एसयू-57 उस विमान से काफी अलग है जिसने 15 साल पहले पहली बार उड़ान भरी थी। वर्षों से, इस लड़ाकू विमान में महत्वपूर्ण विकास हुआ है और यह लगातार बेहतर होता जा रहा है, विमान की हथियार और प्रणाली क्षमताओं का विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमने एसयू-57 विमान पर एक नए इंजन – प्रोडक्ट 177 – का फ्लाइट टेस्ट शुरू कर दिया है। यह नया इंजन अधिक थ्रस्ट प्रदान करता है और एसयू-57 की सुपरसोनिक क्रूज क्षमताओं को बढ़ाएगा, इसके समग्र प्रदर्शन में सुधार करेगा और इसकी स्टील्थ क्षमताओं को बेहतर बनाएगा।

यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन के सीईओ वादिम बडेखा ने कहा कि एसयू-57 एक ऐसा विमान है जिसमें आधुनिकीकरण की अपार संभावनाएं और ओपन एवियोनिक्स मैकेनिज्म है।

जापान खत्म करेगा चीन की दादागिरी

समुद्र से निकालेगा सोने से भी कीमती कीचड़

टोक्यो, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। जापान ने रेयर अर्थ एलीमेंट पर चीन की दादागिरी की खत्म करने करने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रहा है। निक्केई एशिया अखबार के अनुसार, जापान ने 2027 तक गहरे समुद्र से दुर्लभ खनिज निकालने और उन्हें रिफाइन करने की एक योजना बनाई है। रिपोर्ट के अनुसार, जापान समुद्र की सतह से 6000 मीटर नीचे समुद्र तल में दुर्लभ खनिजों की तलाश करेगा। इसके लिए समुद्र तल से मिट्टी निकालकर उसे मुख्य भूमि पर प्रोसेस किया जाएगा। जापान खास तौर पर डिस्प्रोसियम जैसे दुर्लभ खनिजों की तलाश कर रहा है जिनका इस्तेमाल ऑटोमाबाइल इंडस्ट्री में होता है।

जापान के पास दुनिया की सबसे बड़ी ऑटोमाबाइल इंडस्ट्री में से एक है, जिसमें टोयोटा, होंडा, सुजुकी और निसान जैसे ब्रांड दुनिया के कई हिस्सों में जाने-माने नाम हैं। लेकिन साल 2010 में सेनकाकू द्वीपों पर विवाद के कारण चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स की सप्लाई रोक दी जिससे जापानी इंडस्ट्री को मुश्किल का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही जापान अपने रेयर अर्थ की सप्लाई में विविधता लानी शुरू कर दी थी। पिछले कुछ सालों में वह चीन पर अपनी निर्भरता को एक तिहाई तक कम करने में कामयाब रहा है। चीन दुनिया भर में रेयर अर्थ की सप्लाई का लगभग 70 फीसदी नियंत्रित करता है। रिफाइनिंग क्षमता में यह 90 प्रतिशत पहुंच जाता है। 2010 की घटना के बाद जापान ने ऑस्ट्रेलियाई कंपनी Lynas में हिस्सेदारी खरीदी। इससे चीन पर निर्भर हुए बिना जापान के लिए दुर्लभ खनिजों को दीर्घ अवधि के लिए सप्लाई पक्की हुई। अब जापान की योजना अपने समुद्री क्षेत्र से दुर्लभ खनिजों का दोहन करना है। निक्केई एशिया के अनुसार, जापान अपने दूर द्वीप पर स्थित मिनमिटोरिशिमा पर एक फैसिलिटी बनाएगा, जहां समुद्र का कीचड़ निकाला जा सके। इस कीचड़ को समुद्र तल से अलग करके फाइनल रिफाइनिंग के लिए मुख्य भूमिक पर ले जाया जाएगा।

पाकिस्तान ने लीबिया को बेचा हथियार तो भड़का बलूचिस्तान

बलूच नेताओं ने क्या कहा

इस्लामाबाद, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने लीबिया को साढ़े चार अरब डॉलर के हथियारों की बिक्री का समझौता किया है। इस समझौते को पाकिस्तान अपनी बड़ी जीत के तौर पर प्रदर्शित कर रहा है। हालांकि, सच्चाई यह है कि कोई भी जिम्मेदार देश युद्धग्रस्त लीबिया को हथियार बेचना नहीं चाहता। ऐसे में लीबिया को पाकिस्तान जैसा गैरजिम्मेदार मुल्क इकलौता विकल्प लगा। अब इस सौदे को लेकर पाकिस्तान में ही विरोध के सुर उठने शुरू हो गए हैं। बलूचिस्तान के बागी नेताओं ने पाकिस्तान-लीबिया हथियार समझौते पर चिंता जताते हुए कड़ी आलोचना की है। बलूच नेताओं ने इसे लीबिया पर लगाए गए संयुक्त राष्ट्र के हथियार प्रतिबंध का खुला उल्लंघन बताया।

बलूचिस्तान के निर्वासित विद्रोही नेता मीर यार बलूच ने X पर लिखा, बलूचिस्तान गणराज्य लीबिया की युद्धरत सेना, लीबियाई नेशनल आर्मी (एलएनए) को पाकिस्तान द्वारा चार से साढ़े चार अरब डॉलर के हथियारों की बिक्री

की खबरों पर गहरी चिंता और बेचैनी व्यक्त करता है। यह कार्रवाई न केवल 2011 से लीबिया पर लगाए गए संयुक्त राष्ट्र के हथियार प्रतिबंध का खुला उल्लंघन है, बल्कि वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए भी एक गंभीर खतरा है। एक तरफ, पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र का सदस्य होने का दावा करता है, जबकि दूसरी तरफ, वह लीबिया जैसे गृहयुद्ध में फंसे देश को उन्नत सैन्य उपकरण बेचकर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करता है। यह दोहरा मापदंड पाकिस्तान के तथाकथित शांतिप्रिय होने के दावे को पूरी तरह से उजागर करता है।

उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान गणराज्य इस बात से भी बहुत चिंतित है कि, जैसा कि पहले भी हुआ है, पाकिस्तान हथियारों के ट्रांसफर और रक्षा समझौतों की आड़ में अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। हम इस डर को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि पाकिस्तान ने हथियारों के हस्तांतरण के बहाने अपने सामरिक परमाणु हथियारों को ईरान, तुर्की, कतर, सऊदी अरब या अन्य अस्थिर क्षेत्रों में फैलाने की योजना बनाई है, जिसके परिणाम पूरी दुनिया के लिए विनाशकारी हो सकते हैं।

बलूच नेता ने कहा कि इस खतरनाक गतिविधि में चीन की संलिप्तता भी एक निर्विवाद सच्चाई है। JF-17 जैसे विमान चीन और पाकिस्तान के संयुक्त प्रोजेक्ट हैं, और चीन के तकनीकी और राजनीतिक समर्थन के बिना, पाकिस्तान इस पैमाने पर हथियारों का निर्यात नहीं कर सकता।

चीन-पाकिस्तान गठबंधन के तहत, लीबिया को हथियारों की आपूर्ति न केवल अफ्रीका और मध्य पूर्व में शांति के लिए खतरा है, बल्कि इजरायल और वैश्विक सुरक्षा के लिए भी एक गंभीर खतरे की घंटी है।

उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान गणराज्य चेतावनी देता है कि यदि पाकिस्तान हथियारों के ट्रांसफर के नाम पर अपने परमाणु हथियार या सामरिक परमाणु क्षमताओं को लीबिया की धरती पर ट्रांसफर करने में सफल होता है, तो ये हथियार हमास, हिजबुल्लाह और अन्य इजरायल विरोधी चरमपंथी तत्वों के हाथों में पड़ सकते हैं।

लंदन में ग्रेटा थनबर्ग गिरफ्तार

फलस्तीन समर्थकों की भूख हड़ताल का समर्थन करना पड़ा भारी

लंदन, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में फलस्तीन समर्थक आंदोलन उस समय सुर्खियों में आ गया, जब पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ग्रेटा उन कार्यकर्ताओं के समर्थन में प्रदर्शन कर रही थीं, जो हिरासत में लिए जाने के विरोध में भूख हड़ताल पर हैं। यह कार्रवाई ऐसे वक्त हुई है, जब पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को लेकर वैश्विक स्तर पर विरोध प्रदर्शन तेज हो रहे हैं। मध्य लंदन में हुए इस प्रदर्शन के दौरान ग्रेटा थनबर्ग फलस्तीन समर्थक संगठन 'प्रिजनर्स फॉर फलस्तीन' के साथ खड़ी नजर आईं। सोशल मीडिया पर साझा वीडियो में ग्रेटा भूख हड़ताल कर रहे कैदियों के समर्थन में तख्ती पकड़े दिखीं। ये कैदी 'फलस्तीन एक्शन' संगठन से जुड़े बताए जा रहे हैं, जिसे ब्रिटिश सरकार ने इस साल की शुरुआत में प्रतिबंधित संगठन घोषित किया था। इसी आधार पर पुलिस ने ग्रेटा को प्रतिबंधित संगठन के समर्थन के आरोप में हिरासत में लिया।

यह प्रदर्शन केवल भूख हड़ताल तक सीमित नहीं था। इसी दौरान दो अन्य कार्यकर्ताओं ने लंदन के वित्तीय केंद्र में स्थित एक बीमा कंपनी के बाहर लाल रंग का पेंट छिड़क दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि यह कंपनी Elbit Systems से जुड़ी है, जो इस्राइल की रक्षा जरूरतों से संबंधित मानी जाती है। सिटी ऑफ लंदन पुलिस ने इस मामले में एक पुरुष और एक महिला को आपराधिक नुकसान के संदेह में गिरफ्तार किया, जबकि बाद में एक तीसरी महिला को प्रतिबंधित संगठन के समर्थन के आरोप में पकड़ा गया।

500 किलो की मूर्ति, हीरे सोने चांदी से अनोखा श्रृंगार

श्री राम मंदिर के लिए आई 5 क्विंटल की हीरे जड़ी सोने-चांदी की प्रतिमा

अयोध्या 23 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के उडुपी के पेजावर मठ के धर्माध्यक्ष स्वामी विश्व प्रसन्ना तीर्थ के प्रेरणा से उनके शिष्यों ने अयोध्या के राम मंदिर के लिए एक दुर्लभ आकर्षक भेंट भेजी है। यह प्रभु राम की सोने, चांदी व हीरे से जड़ित कर्नाटक शिल्प कला की प्रतिमा है। इसका वजन 5 क्विंटल और आकार 10X8 फीट है।

राम मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि इस प्रतिमा को डाक विभाग के द्वारा भेजा गया है जिसका विस्तृत विवरण आना शेष है। अभी केवल इतना पता है कि स्वामी विश्व प्रसन्ना तीर्थ ने इसे भिजवाया है। बताया गया है इसको राम मंदिर परिसर में गोस्वामी तुलसीदास के मंदिर के बगल में अंगद टीला के पास स्थापित करना प्रस्तावित है। हालांकि, अंतिम निर्णय उडुपी के स्वामी के आने पर ही लिया जाएगा।

यह खूबसूरत प्रतिमा दक्षिण भारतीय शिल्प कला की अद्भुत कृति है। इसकी चमक से लोग बेहद प्रभावित हैं। यह अयोध्या के राम मंदिर में पहुंच रहे श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी। बताया गया कि इस दुर्लभ प्रतिमा को राम मंदिर को

विश्व स्तरीय अध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए भेजा गया है। इसे विशेष अनुष्ठान आयोजित कर स्थापित किया जाएगा। यह किसी एक व्यक्ति नहीं बल्कि पूरे कर्नाटक राज्य की भेंट के रूप में जानी जाएगी।

जब प्रतिमा मंदिर परिसर में पहुंची तो देखने वालों की भीड़ जुट गई। मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र की मौजूदगी में बड़े बाक्स को खोल पर प्रतिमा का दर्शन किया गया। उसके बाद इसे विशेष व्यवस्था में अंदर ले जा कर सुरक्षित रखा गया है। यह लकड़ी के बड़े बाक्स में पैक करके भेजी गई है।

सड़क हादसा युवक की मौत

हजारीबाग, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। हजारीबाग के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत भगत सिंह चौक पर बीती रात एक सड़क हादसे में 26 वर्षीय युवक रमेश की मौत हो गई। यह घटना रात करीब एक बजे हुई, जब बंशीलाल चौक की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक कांग्रेस ऑफिस रोड की तरफ से आ रहे एक पिकअप वाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक चला रहे रमेश की मौके पर ही मृत्यु हो गई। बाइक पर सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में से एक युवक को बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर किया गया है।

ज्ञानपीठ से सम्मानित साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल का निधन

88 साल की उम्र में ली अंतिम सांस रायपुर एम्स में चल रहा था इलाज

रायपुर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मशहूर कवि, कथाकार और उपन्यासकार विनोद कुमार शुक्ल का 88 साल की उम्र में मंगलवार शाम को निधन हो गया है। एक महीने पहले ही उन्हें भारत के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार से नवाजा गया था। विनोद शुक्ल पिछले कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे। उनका रायपुर एम्स में इलाज चल रहा था।

साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को ज्ञानपीठ के महाप्रबंधक आरएन तिवारी ने वाग्देवी की प्रतिमा और पुरस्कार का चेक सौंपकर उन्हें सम्मानित किया था। ज्ञानपीठ पुरस्कार पाने वाले वे छत्तीसगढ़ के पहले साहित्यकार हैं।

इस दौरान विनोद कुमार शुक्ल ने कहा था- जब हिन्दी भाषा सहित तमाम भाषाओं पर संकट की बात

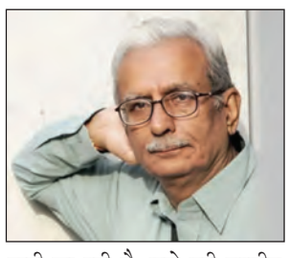

कही जा रही है, मुझे पूरी उम्मीद है कि नई पीढ़ी हर भाषा और हर विचारधारा का सम्मान करेगी। किसी भाषा या अच्छे विचार का नष्ट होना, मनुष्यता का नष्ट होना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विनोद कुमार शुक्ल से उनका हाल-चाल जाना था। पीएम छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस पर रायपुर आए थे। इस दौरान विनोद कुमार शुक्ल ने प्रधानमंत्री से कहा था कि, 'लिखना मेरे लिए सांस लेने जैसा है। मैं जल्द से जल्द घर लौटना चाहता हूं - मैं लिखना जारी रखना चाहता हूं।'

पीएम मोदी ने विनोद कुमार शुक्ल के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा- ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात लेखक विनोद कुमार शुक्ल जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। हिन्दी साहित्य जगत में अपने अमूल्य योगदान के लिए वे हमेशा स्मरणीय रहेंगे।

लंबे समय से बच्चों और किशोरों के लिए भी लेखन कर रहे विनोद कुमार शुक्ल ने कहा था कि उन्हें नई पीढ़ी से बहुत उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा, अच्छी किताबें हमेशा साथ रखनी चाहिए। किसी भी क्षेत्र में शास्त्रीयता को पाना है तो उस क्षेत्र के सबसे अच्छे साहित्य के पास जाना चाहिए।

हाई-प्रोफाइल सेक्स रैकेट देर रात पुलिस की रेड

दुर्ग-भिलाई, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के स्मृति नगर थाना क्षेत्र के जुनवानी स्थित होटल क्राउड में अवैध रूप से देह व्यापार संचालित किए जाने का मामला सामने आया है।

पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर होटल में दबिश दी, जहां बाहर से आई दो युवतियां मौजूद मिलीं। इस मामले में होटल मैनेजर के खिलाफ भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। पुलिस ने सतना मध्यप्रदेश निवासी होटल मैनेजर प्रदीप मिश्रा (23) के साथ संदिग्ध महिला लखनऊ उत्तर प्रदेश निवासी नाजरीन बानो (23) और दमन गुजरात निवासी सनम अंसारी उम्र 25 साल को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया है।

बांग्लादेश में हिंसा पर चीन ने तोड़ी चुप्पी

चुनाव पर मोहम्मद यूनुस को दिया कड़ा संदेश

बीजिंग, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन ने बांग्लादेश हो रही हिंसक घटनाओं पर चिंता जताते देश में तय समय पर चुनाव कराने पर जोर दिया है। चीन की ओर से कहा गया है कि वह बांग्लादेश में फरवरी में चुनाव और स्थिरता के अपने पारंपरिक राजनयिक रुख पर कायम है।

चीन का बयान ऐसे समय आया है, जब बांग्लादेश में युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद देशभर में हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। हिंसा की वजह से देश में प्रस्तावित चुनाव के टाले जाने का अंदेशा जताया जा रहा है। बांग्लादेश में अगले वर्ष 12 फरवरी को चुनाव होना है।

बांग्लादेश की स्थिति पर पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'चीन ने स्पष्ट कहा है कि हम बांग्लादेश में सुरक्षित, स्थिर और सुचारू संसदीय चुनाव चाहते हैं।

हमारा मानना है कि बांग्लादेश के विभिन्न क्षेत्र महत्वपूर्ण राजनीतिक एजेंडों को ठीक से आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय एकता और स्थिरता बनाए रखेंगे।'

चीन ने तय समय पर चुनाव पर जोर देकर यूनुस सरकार को कड़ा संदेश दिया है क्योंकि उन्होंने कई बार इलेक्शन में टालमटोल का रवैया दिखाया है। चीन की नजर बांग्लादेश की स्थिति पर लगी हुई है क्योंकि हालिया वर्षों में उसके संबंध ढाका से काफी बेहतर हो गए हैं। पिछले कुछ सालों में ढाका के लिए चीन मुख्य आर्थिक और रणनीतिक पार्टनर बनकर उभरा है।

खासतौर से मोहम्मद यूनुस के सत्ता में आने के बाद से चीन ने आर्थिक के साथ-साथ सैन्य सहयोग भी ढाका से बढ़ाया है।

बांग्लादेश में जारी हिंसा का हवाला देते हुए चुनाव टाले जाने की आशंका कई एक्सपर्ट जता रहे हैं।

खालिदा जिया की सरकार में वाणिज्य मंत्री रहे आमिर खसरू महमूद चौधरी ने भी यूनुस प्रशासन पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने भीड़ के हिंसक विरोध प्रदर्शनों को चुनाव रोकने के 'औजार' के तौर पर इस्तेमाल किए जाने का शक जताया है।

बांग्लादेश के आगामी चुनाव को टालने पर नाराजगी जताते हुए देश के अहम राजनीतिक दल बीएनपी ने कहा है कि वह इसके पक्ष में नहीं है।

बीएनपी ने पहले भी जल्दी से जल्दी चुनाव कराने पर जोर दिया है। बीएनपी नेताओं ने एक बार फिर कहा है कि फरवरी में होने वाले चुनाव का लोगों को इंतजार है। आम लोगों के अलावा उम्मीदवार भी अपने क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

नशीली कफ सिरप सिंडिकेट पर पुलिस का प्रहार

रांची, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। नशीली कफ सिरप की लेकर रांची पुलिस एक्शन में आ गई है। राजधानी रांची में एक साथ 3 लोकेशन पर रांची पुलिस की एसआईटी टीम ने छापेमारी शुरू की है।

जिले के एसएससी राकेश रंजन के निर्देश पर ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में एसआईटी टीम का गठन किया गया है। इसी टीम की ओर से एक साथ रांची के तीन स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। रांची के तुपुदाना इलाके में इंडस्ट्रियल एरिया के शैली ट्रेडर्स में सिटी डीएसपी के वी. रमन के नेतृत्व में छापेमारी की जा रही है। इस दौरान कई अहम दस्तावेज भी पुलिस के हाथ लगे हैं।

सिटी डीएसपी के वी रमन ने बताया कि कई अहम दस्तावेज मिले है। इसके साथ ही वित्तीय लेनदेन, एग्रीमेंट, बड़ी संख्या में बैंक चेकबुक और इसके साथ दो हथियार भी बरामद किए गए है। हथियार की जांच कराई जा रही है कि उसका नेचर क्या है।

डीएसपी ने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच में इंटर स्टेट दस्तावेज प्राप्त हुए हैं। अब तक मिले दस्तावेजों के अनुसार नशीले कप सिरप के धंधे को झारखंड समेत दूसरे राज्यों में भी चलाया जा रहा था। इससे पहले भी ईडी की ओर से शैली ट्रेडर्स में छापेमारी की जा चुकी है।

अरावली पर छिड़ा महासंग्राम: अरावली की लड़ाई अब सड़कों पर, कांग्रेस ने अंदोलन का किया ऐलान

जयपुर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अरावली की पहाड़ियां अब सियासत के संग्राम की गवाह बनने जा रही है। कांग्रेस ने अरावली विवाद को लेकर अब सड़कों पर लड़ाई छेड़ने का ऐलान कर दिया है। मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस मुद्दे को लेकर संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। डोटासरा ने ऐलान किया कि प्रदेश के 19 जिलों में इस मुद्दे पर आक्रोश है और कांग्रेस पार्टी जनता के साथ मिलकर आंदोलन करेगी। मनरेगा को कमजोर करने के विरोध के साथ-साथ 'अरावली बचाओ अभियान' चलाया जाएगा। धरना-प्रदर्शन होंगे, जन जागरण किया जाएगा और केंद्र सरकार से सुप्रीम कोर्ट जाने व कानून लाने की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि जब तक मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर स्पष्ट जवाब नहीं देंगे, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर अरावली के खनन के जरिए देश की खनिज संपदा की लूट की साजिश कर रही है। पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि अरावली में खनन कराने के लिए कई कंपनियों से पैसे लिए गए हैं। डोटासरा बोले कि भाजपा शासन में अधिकारियों और माफियाओं के बीच बड़ी डील और साझेदारी हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद को "क्लियर कट व्यापारी" बताते हैं और यही मानसिकता आज सरकार की नीतियों में दिख रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र में सरकार बनने के बाद से ही संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करना और माफियाओं के हित में काम करना भाजपा की नीति रही है। उन्होंने कहा कि यह सरकार संगठित गिरोह की तरह देश की खनिज संपदा को लूटने में लगी है। अरावली पर्वतमाला को लेकर ताजा मामला इसी साजिश का हिस्सा है। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार के दबाव में जो रिपोर्ट पेश करवाई गई है, उससे साफ है कि खनन के नाम पर अरावली की लगभग 90 प्रतिशत भूमि को तबाह करने की तैयारी की जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि अरावली हमारी जीवन रेखा है-यह पर्यावरण संतुलन, धूल भरी आंधियों से बचाव, लोगों की आस्था, किसानों और पशुधन की आजीविका का आधार है। इसे खत्म करने की सुनियोजित साजिश रची जा रही है। डोटासरा ने आरोप लगाया कि लंबे समय से इस दिशा में प्रयास किए जा रहे थे और इसी रणनीति के तहत अलवर से जीतकर आए सांसद भूपेंद्र यादव को केंद्रीय मंत्री बनाया गया। अनुभवहीन लोगों को जिम्मेदारी देकर उन्हें केंद्र की मनमानी में सहयोग करने की स्थिति में रखा गया।

डोटासरा ने कहा कि सरकार जनता को यह कहकर गुमराह कर रही है कि केवल 0.91 प्रतिशत वन क्षेत्र में ही खनन होगा, जबकि हकीकत यह है कि करीब 68 हजार एकड़ के विशाल क्षेत्र को खनन विभाग के हवाले करने की तैयारी है। उन्होंने सवाल उठाया कि इस मुद्दे पर खनिज मंत्री की बजाय अरुण चतुर्वेदी और राजेंद्र सिंह राठौड़ जैसे भाजपा नेता बयान क्यों दे रहे हैं। अरुण चतुर्वेदी राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष हैं, जो एक संवैधानिक पद है। यदि संवैधानिक संस्थाओं के पदाधिकारी राजनीतिक प्रवक्ता की भूमिका निभाएंगे, तो पारदर्शिता और न्याय कैसे मिलेगा?

बोले- ग्रीन कॉरिडोर का वादा था अब खनन कॉरिडोर की हो रही बात

उन्होंने भाजपा के 2023 के संकल्प पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी ने अरावली को बचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाने का वादा किया था, लेकिन आज खनन कॉरिडोर की बात हो रही है। डोटासरा ने आरोप लगाया कि जैसे इलेक्टोरल बॉन्ड में हुआ, वैसे ही अब खनन माफियाओं से वसूली की जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सनातन की बात तो करती है, लेकिन अरावली में मौजूद धार्मिक स्थलों और पूरे भूगोल की किसी को चिंता नहीं है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मुख्यमंत्री के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कहते हैं, "अरावली का मैं कुछ नहीं बिगड़ने दूँगा।" लेकिन उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि क्या ऊपर वाले ने उनसे पूछ लिया? बिना पर्ची के पहली बार आपने यह बात कही है, लेकिन करेंगे क्या—इस पर कोई स्पष्टता नहीं है।

3 जिलों में कलक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी, खाली कराए परिसर

अजमेर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में जिला कलक्ट्रेट कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अजमेर, धौलपुर और बाड़मेर जिला कलक्ट्रेट को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिससे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया।

अजमेर, धौलपुर और बाड़मेर कलक्ट्रेट कार्यालयों में सुबह करीब 11.45 बजे धमकी भरा ई-मेल मिला। धमकी भरा ई-मेल मिलते ही प्रशासन ने एहतियातन कलक्ट्रेट परिसरों को खाली करवाया। पुलिस, बम निरोधक दस्ता व डॉग स्क्वॉड को मौके पर बुलाया गया। तीनों जगह सघन तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि, अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

बाड़मेर कलक्ट्रेट को सुबह ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस ने पूरे कलक्ट्रेट कार्यालय को खाली करवाकर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि धमकी मिलने के बाद कलक्ट्रेट परिसर को सील कर दिया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसी कर जांच कर रही है। हालांकि, अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

एडिशनल एसपी सिटी हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि अजमेर जिला कलक्टर लोकबंधु के पास आज सुबह धमकी भरा ईमेल आया। अजमेर में उर्स के चलते कलक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी से हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल कलक्ट्रेट परिसर को खाली करवाया।

अजमेर में तीसरी बार मेल से मिली धमकी

इस महीने में तीसरी बार अजमेर जिला कलक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे पहले 4 और 10 दिसंबर को भी अजमेर जिला कलक्ट्रेट और दरगाह को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

धौलपुर कलक्ट्रेट को भी बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कलेक्ट्रेट परिसर को खाली कराया। सुरक्षा के मद्देनजर कलक्ट्रेट से सटे एसपी कार्यालय को भी खाली कराया गया। जांच के लिए भरतपुर से डॉग स्क्वायड टीम मौके पर बुलाई गई। एसपी विकास सांगवान स्वयं पुलिस बल के साथ परिसर की सघन जांच कर रहे हैं।

'एसआईआर का विरोध करने वालों को खुद भी नहीं पता कि वे विरोध क्यों कर रहे हैं': गजेंद्र शेखावत

जोधपुर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत अपने गृह नगर जोधपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने देश और राजनीति से जुड़े विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने सांस्कृतिक आयोजनों, एसआईआर को लेकर हो रहे विरोध और संसद में विपक्ष के आचरण पर खुलकर अपनी राय रखी।

केंद्रीय मंत्री ने गोवा में आयोजित सरेन्डिपिटी आर्ट फेस्टिवल का उल्लेख करते हुए कहा कि यह देश का सबसे बड़ा सांस्कृतिक महोत्सव है, जो पिछले कई वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा है। उन्होंने बताया कि हीरो मोटर्स के सहयोग से आयोजित इस फेस्टिवल का यह दसवां चैप्टर था। शेखावत के अनुसार इस आयोजन में विजुअल आर्ट और परफॉर्मेंस आर्ट से जुड़े 900 से अधिक इवेंट्स होते हैं, जो

मल्टीपल लोकेशन पर आयोजित किए जाते हैं और पूरा शहर इसमें शामिल रहता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन शहरों में पर्यटन को बढ़ावा देते हैं और उनका अनुभव इस फेस्टिवल को लेकर बेहद सकारात्मक रहा।

एसआईआर के मुद्दे पर बोलते हुए गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं, उन्हें स्वयं भी यह स्पष्ट नहीं है कि वे किस कारण से इसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल विरोध करने के उद्देश्य से विरोध किया जा रहा है। शेखावत ने कहा कि कुछ लोग इस आशंका में विरोध कर रहे हैं कि भारत की संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप जो मतदाता नहीं होने चाहिए, उनके नाम मतदाता सूची में होंगे और उन्हें अनुचित लाभ मिल रहा होगा। ऐसे लोग ही एसआईआर का विरोध कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं जो कुछ समय पहले स्वयं SIR की मांग कर रहे थे और अब वही लोग इसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने इसे भ्रमित मनस्थिति का परिणाम बताया और कहा कि ऐसे लोगों का भ्रम उन्हें मुबारक। शेखावत ने कहा कि सरकार और संस्थाएं पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपना काम कर रही हैं। चुनावों का निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की संविधान प्रदत्त जिम्मेदारी है और उसी जिम्मेदारी के तहत आयोग सभी आवश्यक कदम उठा रहा है।

संसद में विपक्ष द्वारा पेपर फाड़ने के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने कहा कि संसद वह स्थान है जहां चर्चा, विचार-विमर्श और विचारों का आदान-प्रदान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसद में सरकार के निर्णयों की समीक्षा होनी चाहिए और योजनाएं धरातल पर कैसे उतर रही हैं, इस पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों से संसद को राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का अखाड़ा बना दिया गया है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

'रील स्टार' कहे जाने पर क्या बोलीं आईएएस टीना डाबी

क्यों मचा सियासी-प्रशासनिक बवाल, विवाद से एबीवीपीका नाता कैसा?

बाड़मेर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान कैडर की चर्चित आईएएस अधिकारी और बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी को लेकर एक विवाद सोशल मीडिया पर देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। यह मामला तब शुरू हुआ जब कॉलेज फीस बढ़ोतरी के विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर टीना डाबी को 'रील स्टार' कहने के आरोप में एबीवीपी के विभाग संगठन मंत्री सहित 4-5 पदाधिकारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया था। अब विवाद को लेकर बाड़मेर कलेक्टर टीना की प्रतिक्रिया भी सामने आ गई है।

जिला कलेक्टर टीना डाबी ने कहा कि इस पूरे मामले को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। इस तरह के किसी विवाद की बात नहीं है। प्रदर्शन के दौरान अधिकारियों के साथ बदसलूकी की गई थी। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए छात्र नेताओं को हिरासत में लिया गया था। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी प्रकार का मुकदमा दर्ज नहीं किया गया और उन छात्र नेताओं को बाद में छोड़ दिया गया था।

दरअसल, शनिवार को जिले के एमबीसी कन्या महाविद्यालय की छात्राएं कॉलेज की फीस में बढ़ोतरी के विरोध में कॉलेज गेट पर ताला लगाकर सड़क पर धरना प्रदर्शन कर रही थीं। इस दौरान कॉलेज प्राचार्य, पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने छात्राओं को समझाने की कोशिश की। लेकिन छात्राएं विश्वविद्यालय के फीस बढ़ोतरी के फैसले को तुरंत वापस लेने की मांग पर अड़ी रहीं। हालांकि बाद में प्रशासन के आश्वासन के बाद छात्राओं का धरना प्रदर्शन समाप्त हो गया।

इस बीच पुलिस ने कॉलेज के पास से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के विभाग संगठन मंत्री पवन ऐचरा सहित कुछ पदाधिकारियों को हिरासत में लिया। आरोप था कि उन्होंने प्रदर्शन के दौरान कलेक्टर टीना डाबी को 'रील स्टार' कहा था। इसके बाद कॉलेज की छात्राएं भी थाने पहुंचीं और देखते ही देखते मामला तूल पकड़ गया। एबीवीपी के कार्यकर्ता थाने में धरने पर बैठ गए और गिरफ्तार पदाधिकारियों को रिहा करने की मांग करने लगे।

कोतवाली थाने के बाहर कॉलेज छात्राओं, एबीवीपी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का जमावड़ा लग गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना और अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह चांदावत थाने पहुंचे और वार्ता की। कई घंटे तक चली बातचीत के बाद एसपी नरेंद्र सिंह मीणा ने इस कार्रवाई के लिए माफी मांगी और मामले को शांत कराया।

पुलिस हिरासत में लिए गए एबीवीपी के विभाग संगठन मंत्री बाड़मेर-जालौर के पवन ऐचरा ने बताया कि उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें थाने क्यों ले जाया गया। उन्होंने किसी अधिकारी पर कोई टिप्पणी नहीं की थी। अगर ऐसा कुछ होता तो उन पर एफआईआर दर्ज की जाती। बाद में प्रशासन को अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने उनसे माफी मांगी।

बार-बार तबादले से आहत सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार गुप्ता ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

राजस्थान हाईकोर्ट को दिए तबादले पर पुनर्विचार करने के निर्देश

जयपुर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर। बार-बार किए जा रहे तबादले के खिलाफ वरिष्ठ जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश से इस मामले पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने को कहा है। साथ ही कहा कि प्रशासनिक मामलों से संबंधित हाईकोर्ट न्यायाधीशों की कमेटी से परामर्श कर निर्णय किया जाए। अच्छा होगा यदि दो सप्ताह में निर्णय कर लिया जाए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायाधीश जॉयमाल्या बागची एवं न्यायाधीश विपुल एम पंचोली की पीठ ने दिनेश कुमार गुप्ता की याचिका को निस्तारित करते हुए यह आदेश दिया।

गुप्ता का हाल ही ब्यावर से जालौर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर तबादला किया गया। याचिका में इसे चुनौती देते हुए कहा कि 10 माह बाद सेवानिवृत्ति होने वाली है। याचिका में गुप्ता ने अपने अब तक के उत्कृष्ट सेवा रिकॉर्ड और पूर्व पदस्थापनों का उल्लेख किया, वहीं बार-बार तबादले के कारण होने वाली समस्याओं का जिक्र किया। साथ ही कहा कि स्वास्थ्य समस्या के चलते जयपुर में इलाज की आवश्यकता है। ऐसे में जयपुर के आसपास पदस्थापित किए जाने का आग्रह किया गया। याचिका में बताया कि तबादले के संबंध में तीन दिसंबर को हाईकोर्ट प्रशासन को अपना अभ्यावेदन दिया, लेकिन उस पर कोई निर्णय नहीं होने पर यह याचिका दायर की।

तंत्र-मंत्र के नाम पर 10 लाख की ठगी, फर्जी 'बंगाली बाबा' गिरफ्तार

झुंझुनूं, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की झुंझुनूं जिला पुलिस ने तंत्र-मंत्र और अनुष्ठान के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक फर्जी तांत्रिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को 'बंगाल का बाबा' बताता था, जबकि जांच में वह हरियाणा का निवासी निकला। पुलिस ने उसे देशभर में तलाश और आखिरकार मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले से दबोच लिया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने एक परिवार के सदस्य पर भूत-प्रेत का साया होने का डर दिखाया। इसके बाद अनुष्ठान और तांत्रिक क्रियाओं के नाम पर परिवार को सम्मोहित कर करीब 10 लाख 10 हजार 840 रुपये ठग लिए। अनिष्ट होने की आशंका दिखाकर आरोपी ने कई महीनों तक पीड़ित परिवार से किस्तों में रकम ऐंठी।

पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि आरोपी ने पहले बर्तन बेचने के बहाने पीड़ित के घर में प्रवेश किया। इसके बाद उसने परिवार के एक सदस्य को ओपरी का साया होने की बात कहकर डराया और बंगाल से तांत्रिक बुलाने का दावा किया। कुछ समय बाद आरोपी खुद 'बंगाली बाबा' बनकर पहुंचा और अनुष्ठान शुरू कर दिया।

मामला दर्ज होने के बाद मेहाड़ा थाना पुलिस ने आरोपी की तलाश में राजस्थान, हरियाणा और मध्यप्रदेश के कई इलाकों में दबिश दी। निजामपुर, नांगल चौधरी, कोटपुतली, दौसा, सवाई माधोपुर सहित अनेक स्थानों पर छानबीन के बाद आरोपी की लोकेशन मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले के पिपराही गांव में ट्रेस हुई।

बच्चों पर दबाव बर्दाश्त नहीं! जबरन सांता क्लॉज बनाने की मनाही, शिक्षा विभाग ने दी चेतावनी

श्रीगंगानगर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर जिले के निजी स्कूलों में क्रिसमस के अवसर पर बच्चों को सांता क्लॉज की ड्रेस पहनाने के लिए अभिभावकों पर दबाव बनाने की शिकायतों के बाद शिक्षा विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) अशोक वधवा ने सभी निजी स्कूलों के प्राचार्यों और प्रबंधकों को आदेश जारी कर चेतावनी दी है कि यदि ऐसी कोई शिकायत प्राप्त हुई तो संबंधित स्कूल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यह आदेश भारत-तिब्बत सहयोग मंच की शिकायत पर आधारित है।

मंच के जिलाध्यक्ष सुखजीत सिंह अटवाल के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर यह मांग की थी कि स्कूलों में बच्चों को जबरन सांता क्लॉज नहीं बनाया जाए। ज्ञापन में कहा गया कि श्रीगंगानगर मुख्य रूप से सनातन हिंदू-सिख बहुल क्षेत्र है और पिछले कुछ वर्षों से स्कूलों में क्रिसमस पर बच्चों को जबरन सांता क्लॉज बनाना एक प्रथा बन गई है।

मंच ने स्कूलों में भारतीय संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की भी मांग की। अटवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित किया है, जो गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों के बलिदान की स्मृति में मनाया जाता है। इसलिए सभी स्कूलों को इस दिन भारतीय संस्कृति के गौरव और श्रेष्ठ बलिदान की परंपरा के अनुरूप कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

एडीईओ अशोक वधवा ने स्पष्ट किया कि यदि अभिभावकों और बच्चों की सहमति से सांता क्लॉज बनाया जा रहा है, तो इसमें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन जबरदस्ती करने पर नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, एक तरफ बाल दिवस मनाया जा रहा है, दूसरी तरफ क्रिसमस। शिकायतें आई हैं कि निजी स्कूलों में दबाव डालकर बच्चों को सांता बनाया जा रहा है। सहमति से ठीक है, लेकिन जबरन नहीं।

श्री सांवलिया जी मंदिर में सुरक्षा गार्ड पर अभद्रता का आरोप

दर्शन को आए श्रद्धालु से की मारपीट

चित्तौड़गढ़, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ स्थित श्री सांवलियाजी मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के साथ सुरक्षा में तैनात टाइगर सिक्योरिटी फोर्स के गार्डों की कथित दादागिरी का एक और मामला सामने आया है। रविवार रात को मध्यप्रदेश से आए एक श्रद्धालु के साथ गार्डों द्वारा अभद्रता और मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया है। इस घटना के बाद मंदिर परिसर और कार्यालय के बाहर काफी देर तक हंगामा होता रहा। मध्यप्रदेश के नीमच जिले के कुकड़ेश्वर निवासी प्रियांशु मालवीय अपने कुछ साथियों के साथ श्री सांवलियाजी मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे थे। दर्शन के बाद वे कॉरिडोर से बाहर निकल रहे थे। उनके साथी आगे निकल गए, जबकि प्रियांशु पीछे रह गए। आरोप है कि उन्होंने कॉरिडोर में लगी जाली से हाथ बाहर निकालकर मंदिर का फोटो लेने का प्रयास किया। इसी दौरान वहां तैनात एक सिक्योरिटी गार्ड ने फोटो लेने को लेकर कथित तौर पर गाली-गलौज की। श्रद्धालु प्रियांशु मालवीय के अनुसार उन्होंने गार्ड को यह कहते हुए टोका कि यह मंदिर है और यहां इस तरह की भाषा का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए।

संगरिया में एथेनॉल फैक्ट्री पर बवाल, किसानों का टोल प्लाजा पर धरना, हटाने की मांग तेज

हनुमानगढ़ , 23 दिसंबर (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ जिले के टिब्बी क्षेत्र में एथेनॉल फैक्ट्री को लेकर चले लंबे विवाद के बाद अब संगरिया क्षेत्र में प्रस्तावित बायो एथेनॉल प्लांट के खिलाफ किसानों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया है। सादुलशहर के खैरूवाला टोल प्लाजा पर सैकड़ों किसानों ने जोरदार प्रदर्शन किया और फैक्ट्री को हटाने की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन व नारेबाजी की।प्रदर्शन की सूचना मिलते ही संगरिया उपखंड अधिकारी जय कौशिक, तहसीलदार मोनिका बंसल, थानाधिकारी अमरसिंह और चौकी प्रभारी ताराचंद गोदारा पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। शाम को प्रशासन और किसानों के बीच वार्ता हुई, जिसमें सभी पक्षों से संवाद के माध्यम से मुद्दे पर चर्चा करने का प्रस्ताव रखा गया। संघर्ष समिति के सदस्य परमिंदर खीचड़ ने कहा कि जिस तरह टिब्बी के राठीखेड़ा क्षेत्र में एथेनॉल फैक्ट्री को लेकर विवाद हुआ, उसी तर्ज पर अब सादुलशहर सीमा क्षेत्र में भी एथेनॉल फैक्ट्री स्थापित की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा होगा, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसानों का कहना है कि संगरिया के बुगलावाली के पास प्रस्तावित फैक्ट्री से पानी और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचेगा। यदि सरकार ने फैक्ट्री नहीं हटाई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

विवाद के बीच फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से सफाई दी गई है। प्रबंधन का कहना है कि किसान टिब्बी के घटनाक्रम को आधार बनाकर विरोध कर रहे हैं, जबकि यह प्लांट उससे पूरी तरह अलग है। प्रस्तावित स्थान बारानी भूमि पर स्थित है, जहां नहर का पानी नहीं पहुंचता। यहां का भूमिगत पानी लगभग 17 हजार टीडीएस वाला खारा है, जो न तो पीने योग्य है और न ही सिंचाई के लिए उपयोगी। प्रबंधन ने कहा कि किसानों की आशंकाओं को आपसी चर्चा के माध्यम से दूर किया जा सकता है।

पुलिस पर हमला पड़ा भारी, सादुलशहर में अंतरराज्यीय लुटेरा गैंग धराया, महिला समेत चार गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर जिले के सादुलशहर थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मियों को निशाना बनाने की एक बड़ी वारदात को पुलिस ने समय रहते नाकाम कर दिया। इस मामले में पुलिस ने एक महिला सहित अंतरराज्यीय गैंग के चार शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपी बेहद योजनाबद्ध तरीके से लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे, लेकिन पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से न केवल लूट की कोशिश विफल हुई, बल्कि सभी बदमाशों को दबोच लिया गया।

डीवाईएसपी भूपेंद्र सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार रात सादुलशहर में सिविल ड्रेस में ड्यूटी पर तैनात दो पुलिसकर्मियों को लूटने का प्रयास किया गया। आरोपियों ने उन्हें आम नागरिक समझकर निशाना बनाया, लेकिन पुलिसकर्मियों की सतर्कता से उनकी योजना नाकाम हो गई। बदमाशों ने मौके पर दहशत फैलाने के उद्देश्य से हवाई फायरिंग की और वहां से फरार हो गए।

सांसदों की ब्रीफिंग पर 13.50 लाख खर्च

कांग्रेस सरकार पर दोहरे मापदंड का आरोप

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पर एक बार फिर दोहरे मापदंड अपनाने के आरोप लगे हैं। संसद सत्र से पहले सांसदों के लिए आयोजित एक ब्रीफिंग सत्र पर सरकार द्वारा लगभग 13.50 लाख रुपये खर्च किए जाने को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में सवाल उठने लगे हैं। यह खर्च मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के उन दावों के विपरीत बताया जा रहा है, जिनमें वे बार-बार सरकार के पास धन की कमी का हवाला देते रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्ति लाभों के विस्तार, कर्मचारियों के लंबित भत्तों और ठेकेदारों के बिलों के भुगतान में धनाभाव की बात कही थी। साथ ही, सरकारी खर्च बचाने के लिए इकोनॉमी क्लास में यात्रा करने के उनके दावे पर भी अब सवाल उठ रहे हैं।

बताया गया है कि उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने 8 मार्च को प्रजा भवन में राज्य के सांसदों के साथ यह बैठक की थी। बैठक का उद्देश्य सांसदों को संसद में उठाए जाने वाले राज्य से जुड़े मुद्दों और लंबित मांगों की जानकारी देना था। योजना विभाग द्वारा 22 दिसंबर को जारी सरकारी आदेश के अनुसार, इस ब्रीफिंग सत्र पर कुल 13,59,217 रुपये खर्च किए गए। इसमें होटल ताज कृष्णा, बंजारा हिल्स को 8.43 लाख रुपये, होटल द प्लाजा, बेगमपेट को 1.95 लाख रुपये, एनएम कंपनी को 3.06 लाख रुपये, अंजली फ्लोरिस्ट्स को 6,000 रुपये और संतोष एंटरप्राइजेज को 7,200 रुपये का भुगतान शामिल है। सरकारी आदेश की प्रतियां सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कांग्रेस सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े हो गए हैं। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने कहा है कि जब सरकार कर्ज चुकाने और विकास कार्यों के लिए धन की कमी की बात कर रही है, तब इस तरह के खर्च जनता को गलत संदेश देते हैं।

नए साल के जश्न में कानून तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई : सज्जनार

सीपी ने फील्ड स्तर के अधिकारियों को दिए कई निर्देश

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नए साल के जश्न के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हैदराबाद पुलिस ने कड़े इंतज़ाम किए हैं। पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार, आईपीएस ने मंगलवार को स्पष्ट चेतावनी दी कि जश्न की आड़ में कानून की सीमाएं लांघने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि शहरभर में बुधवार से विशेष शराब पीकर वाहन चलाने (ड्रंक एंड ड्राइव) के खिलाफ अभियान शुरू किया जाएगा, जो नए साल के दिन तक जारी रहेगा। बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से फील्ड स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए पुलिस आयुक्त ने क्रिसमस, वैकुंठ एकादशी और नववर्ष के अवसर पर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त ने कहा, शराब पीकर वाहन चलाने पर शून्य सहनशीलता होगी। 31 दिसंबर की रात शहर के 100 स्थानों पर ड्रंक ड्राइव जांच की जाएगी। इसके लिए अतिरिक्त बल की सात प्लाटून तैनात की जाएंगी। उन्होंने चेतावनी दी कि नशे की हालत में वाहन चलाते पकड़े जाने पर वाहन जब्त किया जाएगा, 10,000 का जुर्माना लगाया जाएगा और छह महीने तक की जेल हो सकती है। साथ ही ऐसे मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द करने की सिफारिश भी की जाएगी। उन्होंने पार्टी में शामिल होने वालों से 'डिज़ाइनेटेड ड्राइवर' रखने या कैब सेवाओं का उपयोग करने की अपील की। रेसिंग, व्हीलिंग और लापरवाह ड्राइविंग में लिप्त युवाओं के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने निर्देश दिए हैं कि पब और होटलों (तीन सितारा और उससे ऊपर) में नववर्ष की पूर्व संध्या के कार्यक्रम रात 1 बजे तक ही समाप्त होने चाहिए। ध्वनि प्रदूषण मानकों का कड़ाई से पालन कराने पर ज़ोर देते हुए आयुक्त ने कहा कि तय सीमा से अधिक आवाज़ करने वाले साउंड सिस्टम जब्त कर लिए जाएंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी आयोजन स्थल पर गांजा या अन्य मादक पदार्थों का सेवन पाया गया या अश्लील नृत्य की अनुमति दी गई, तो प्रबंधन के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे और लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 15 'शी टीमों' को सादे कपड़ों में भीड़भाड़ वाले इलाकों, पार्टी स्थलों और प्रमुख चौराहों पर तैनात किया जाएगा। किसी भी तरह की बदसलूकी या उत्पीड़न की शिकायत पर तुरंत गिरफ्तारी की जाएगी। पुलिस आयुक्त ने नागरिकों से कानून का सम्मान करते हुए 2026 का सुरक्षित स्वागत करने की अपील की, ताकि जश्न की यादें सुखद रहें। अधिकारियों को चिन्हित 'हॉट स्पॉट्स' पर निगरानी बढ़ाने और हिस्ट्रीशीटर्स की गतिविधियों पर नज़र रखने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम्स) एम. श्रीनिवासुलु सहित डीसीपी एन. श्वेता, रक्षित कृष्णमूर्ति, रूपेश, आर. वेंकटेश्वरलु, वी. अरविंद बाबू और लावण्या नाइक जाधव उपस्थित रहे।

साइबरबाद पुलिस ने 2025 में सड़क सुरक्षा में मिश्रित रुझान दर्ज किए

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में सड़क सुरक्षा संकेतकों में मिश्रित रुझान देखे गए। घातक सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई, जबकि कुल दुर्घटनाओं और यातायात प्रवर्तन में वृद्धि हुई। घातक सड़क दुर्घटनाओं की संख्या 2024 में 856 से घटकर 2025 में 803 रही, जो छह प्रतिशत से अधिक की कमी दर्शाती है। हालांकि, गैर-घातक दुर्घटनाएं 2,281 से बढ़कर 2,827 और गैर-चोट वाली दुर्घटनाएं 692 से बढ़कर 978 हुईं। दोपहिया वाहन चालकों की मौतें 52.8 प्रतिशत रहीं, जबकि पैदल यात्रियों की मौतें बढ़कर 33.5 प्रतिशत हो गईं। भारी वाहनों से जुड़ी मौतें 4.8 प्रतिशत तक बढ़ीं।

शराब पीकर वाहन चलाने (डीडी) के मामलों में कमी आई, जो 18,959 से घटकर 15,706 हुई, लेकिन जेल की सजाओं में 32 से बढ़कर 385 का भारी उछाल देखा गया। यातायात प्रवर्तन में भी तेजी आई। 10.27 लाख से अधिक संपर्क चालान और 25.93 लाख ई-चालान जारी किए गए, जिससे 239.37 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया, जो 2024 में 111.81 करोड़ रुपये से दोगुना से अधिक है। अधिकारियों ने सड़क की स्थिति, तेज गति और मिश्रित यातायात को मौतों में वृद्धि के प्रमुख कारण बताया।

अत्तापुर रोड पर ट्रैफिक पुलिस होमगार्ड की डीसीएम से टक्कर में मौत

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को अत्तापुर रोड पर एक सड़क दुर्घटना में ट्रैफिक पुलिस के होमगार्ड सैयद अब्दुल सत्तार (40) की मौत हो गई। वे टोलीचौकी ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में कार्यरत थे और दोपहर में ड्यूटी खत्म होने के बाद अपनी मोटरसाइकिल से घर जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, पीवीएनआर एक्सप्रेसवे के पिलर नंबर 192 पर एक डीसीएम वैन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। सत्तार सड़क पर गिर गए और सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हैदराबाद में ईगल फोर्स ने ड्रग तस्करों सहित पांच लोगों को गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस की ईगल फोर्स टीम ने सोमवार को शहर के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर तीन ड्रग तस्करों और दो उपभोक्ताओं सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 15 ग्राम एमडीएमए, 12 एलएसडी ब्लॉट और चार मोबाइल फोन जब्त किए गए। पहले मामले में पुलिस ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के छात्र रितिश सुदर्शनम, निजी कर्मचारी डेनिस मार्टिन, डिस्क जॉकी एम सतीश कुमार और निजी कर्मचारी पांडा स्टीवहंस को गिरफ्तार किया। पांडा ने नेरेडमेट निवासी राहुल से ड्रग्स खरीदी और सतीश की मदद से इन्हें विभिन्न ग्राहकों को बेचा।

दूसरे मामले में सरूरनगर निवासी बोइनपल्ली कृष्णा साई वर्षित (25) को गिरफ्तार किया गया।

तेलंगाना लाइफ साइंसेज़ के नए निदेशक व सीईओ बने सर्वेश सिंह

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश में जीवन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी स्थान रखने वाला तेलंगाना अब नवाचार की दिशा में और तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। यह बात आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू ने कही। सोमवार को सचिवालय में तेलंगाना लाइफ साइंसेज़ के निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में कार्यभार संभालने के बाद मंत्री से शिष्टाचार भेंट करने पहुंचे सर्वेश सिंह को श्रीधर बाबू ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि फार्मा और लाइफ साइंसेज़ क्षेत्र में सर्वेश सिंह के 22 वर्षों के व्यापक अनुभव से राज्य में एक सशक्त और समग्र इकोसिस्टम विकसित करने में मदद मिलेगी। मंत्री ने बताया कि दुनिया में आपूर्ति की जाने वाली कुल वैक्सीन का लगभग एक-तिहाई हिस्सा तेलंगाना से निर्यात किया जाता है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद वैश्विक वैक्सीन राजधानी के रूप में उभरा है और फार्मास्यूटिकल निर्यात के मामले में तेलंगाना देश में प्रथम स्थान पर है। श्रीधर बाबू ने आगे कहा कि जीनोम वैली के विस्तार और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के माध्यम से राज्य सरकार जीवन विज्ञान क्षेत्र में नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए व्यापक अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि सर्वेश सिंह के नेतृत्व में तेलंगाना लाइफ साइंसेज़ नई ऊंचाइयों को छुएगा।

अमावस्या से शुरू हुई नागोबा जतारा की तैयारी

पांच दिन तक होगा आदिवासी धार्मिक आयोजन

आदिलाबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेसराम जनजाति से जुड़े आदिवासी समुदायों ने अमावस्या के साथ ही नागबा या सर्प देवता की पूजा प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह आयोजन नागोबा जतारा के रूप में मनाया जाता है, जो समुदाय का पांच दिवसीय महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व है। इस संबंध में निर्णय सोमवार रात इंदरवेल्ली मंडल के केसलापुर गांव स्थित नागोबा मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक में बुजुर्गों, पुजारियों और कबीले के सदस्यों ने सर्वसम्मति से जतारा की तैयारियों को आगे बढ़ाने का फैसला किया।

बुजुर्गों के अनुसार, मंगलवार से सात गांवों में बैलगाड़ी के माध्यम से कचुर प्रचार शुरू किया जाएगा, जो 18 जनवरी को होने वाली महापूजा का संदेश फैलाने के लिए किया जा रहा है। इसके बाद सिरिकोंडा मंडल के राजमपेट गांव में मेले के दौरान अनुष्ठानों में उपयोग होने वाले पवित्र बर्तनों की खरीद की जाएगी। इसके पश्चात मेसराम परिवार जनाराम मंडल के कलामदुगु से गोदावरी नदी का पवित्र जल लाने के लिए रवाना होगा। यह यात्रा 150 किलोमीटर से अधिक लंबी होगी, जिसमें वे करीब 150 आदिवासी गांवों से गुजरेंगे। परंपरा के अनुसार पवित्र जल 1,400 वर्ष पुराने पीतल के पात्र 'झारी' में लाया जाएगा। नागोबा जतारा के दौरान महापूजा, सतीक पूजा, पर्सपेन पूजा, बनपेन पूजा, भेतंग, बेताल पूजा और प्रजा दरबार जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। नागोबा जतारा को आदिवासी समाज का दूसरा सबसे बड़ा धार्मिक जमावड़ा माना जाता है, जिसमें तेलंगाना सहित महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।

हैदराबाद में तांडनाना-अन्नामाचार्य अंतर्राष्ट्रीय संगीत प्रतियोगिता 2025 का फाइनल संपन्न

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एचआईटीएक्स के पास अन्नामाचार्य भवन वाहिनी (एबीवी) में तांडनाना-अन्नामाचार्य अंतर्राष्ट्रीय संगीत प्रतियोगिता 2025 का फाइनल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 500 से अधिक संगीत प्रेमियों ने भाग लिया और प्रतियोगिता का आनंद लिया।

विजेता रहे : भट्टिप्रोलु मेघना (सब-जूनियर श्रेणी), चिरपल्ली श्री महालक्ष्मी (जूनियर श्रेणी) और समुद्राला लक्ष्मी हरि चंदना (सीनियर श्रेणी)।

अन्नमाचार्य भावना वाहिनी की संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. शोभा राजू ने इस आयोजन का नेतृत्व किया। कार्यक्रम का उद्देश्य संत कवि अन्नमाचार्य की पवित्र रचनाओं का प्रचार-प्रसार करना है।

समापन समारोह में श्री चिन्ना जीयर स्वामी ने भाग लिया। फाइनलिस्टों का मूल्यांकन जूरी ने किया, जिसमें फिल्म निर्देशक शेखर कम्मुला, संगीत निर्देशक वंदेमातरम श्रीनिवास और पार्श्व गायिका सुनीता उपद्रस्ता और गायत्री शामिल थे।

नए नियमों से एच-1बी और एच-4 वीजा प्रक्रिया में देरी

भारतीयों की नौकरियां खतरे में

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिकी सरकार ने संकेत दिया है कि 15 दिसंबर से लागू हुए नए नियमों के चलते एच-1बी और एच-4 गैर-आप्रवासी कार्य वीजा की प्रक्रिया में सामान्य से अधिक समय लग सकता है। इसके चलते बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवरों की नौकरियां खतरे में पड़ गई हैं। अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावास दुनिया भर में एच-1बी और एच-4 वीजा आवेदनों को स्वीकार कर रहे हैं, लेकिन भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने आवेदकों को जल्द से जल्द आवेदन करने की सलाह दी है। दूतावास ने स्पष्ट किया है कि इन वीजा श्रेणियों में अतिरिक्त प्रसंस्करण समय लगेगा।

नए नियमों के तहत अमेरिकी विदेश विभाग ने सभी एच-1बी और एच-4 आवेदकों की ऑनलाइन उपस्थिति की गहन समीक्षा शुरू की है। आवेदकों को फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने खातों की जानकारी साझा करना अनिवार्य कर दिया गया है, चाहे खाते पिछले पांच वर्षों से निष्क्रिय ही क्यों न हों। इस बदलाव के कारण कई भारतीयों के वीजा अपॉइंटमेंट अक्टूबर 2026 तक के लिए टाल दिए गए हैं। इससे कई लोग विदेश में फंसे हुए हैं और कुछ अपनी नौकरियां भी खो चुके हैं।

क्रेडाई प्रॉपर्टी शो 6-8 फरवरी को होगा

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्रेडाई हैदराबाद प्रॉपर्टी शो 2026 में घर खरीदारों को 'परमानेंट हो जाओ' का न्योता दे रहा है। क्रेडाई हैदराबाद, जो भारत के प्राइवेट रियल एस्टेट डेवलपर्स की सबसे बड़ी संस्था का शहर चैप्टर है, ने आज क्रेडाई हैदराबाद प्रॉपर्टी शो 2026 की घोषणा की, जो 6 से 8 फरवरी 2026 तक हॉल 4, हाईटेक्स एग्जीबिशन सेंटर में होगा।

यह प्रॉपर्टी शो क्रेडाई की विश्वसनीयता पर आधारित है। 2026 के एडिशन का संदेश है 'परमानेंट हो जाओ', जो घर खरीदारों को हैदराबाद में निवेश करने और शहर को अपना स्थायी घर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह थीम हैदराबाद के एक स्थिर, अवसरों से भरे और भविष्य के लिए तैयार महानगर के रूप में विकास को दर्शाती है, जहां लंबे समय तक घर का मालिक होना सुरक्षा, विकास और जीवन की गुणवत्ता प्रदान करता है।

अध्यक्ष एन. जयदीप रेड्डी, अध्यक्ष-निर्वाचित बी. जगन्नाथ राव और महासचिव के. क्रांति किरण रेड्डी, साथ ही प्रॉपर्टी शो के संयोजक सुशील कुमार जैन और सह-संयोजक एन. वेणुगोपाल और अन्य पदाधिकारियों और प्रबंध समिति के सदस्यों की उपस्थिति में उक्त घोषणा की गई।

केवल क्रेडाई सदस्य डेवलपर्स के क्रेडाई-अनुमोदित प्रोजेक्ट ही दिखाए जाएंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि आगंतुकों को विशेष रूप से सत्यापित, नियमों का पालन करने वाले और विश्वसनीय डेवलपमेंट्स तक पहुंच मिले। प्रदर्शनी में हैदराबाद भर में अपार्टमेंट, विला, प्लॉटेड डेवलपमेंट और ऑफिस स्पेस सहित आवासीय और वाणिज्यिक पेशकशों की एक विस्तृत श्रृंखला होगी।

एक ही छत के नीचे विश्वसनीय प्रोजेक्ट्स को लाकर, क्रेडाई हैदराबाद का लक्ष्य घर खरीदने की प्रक्रिया को सरल बनाना है, साथ ही पारदर्शिता और उपभोक्ता के भरोसे को मज़बूत करना है।

इस मौके पर हैदराबाद के प्रेसिडेंट, एन. जयदीप रेड्डी ने कहा हैदराबाद का रियल एस्टेट सेक्टर मजबूत बुनियाद दिखा रहा है, जिसे एक स्थिर और सक्रिय सरकार, लगातार इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और निवेशकों के लगातार भरोसे का सपोर्ट मिल रहा है। 2025 में हाल ही में हुए जीएचएमसी और एचएमडीए के ज़मीन की नीलामी ने हैदराबाद को भारत के सबसे प्रीमियम और लिक्विड ज़मीन बाज़ारों में से एक के रूप में फिर से स्थापित किया है, खासकर कोकापेट-नियोपोलिस-गोल्डन माइल, रायदुर्ग और बचुपल्ली जैसे हाई-ग्रोथ कॉरिडोर में। ये हाई-वैल्यू ट्रांज़ैक्शन लंबी अवधि की मांग का संकेत देते हैं और उम्मीद है कि बेंचमार्क कीमतों को ऊपर ले जाएंगे। घर खरीदने वालों के नज़रिए से, यह मौजूदा दौर अगले प्राइस साइकिल शुरू होने से पहले निवेश करने का एक अच्छा मौका है।

उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट 2025 से मिली गति ने शहर के विकास के अगले चरण के लिए एक मज़बूत मैक्रोइकोनॉमिक नींव रखी है, जिससे डेवलपर्स और घर खरीदने वालों दोनों का भरोसा बना हुआ है।

बालाजीनगर स्थित श्री आईमाताजी बडेर में 25 दिसंबर एक शाम संत श्री गुलारामजी महाराज के नाम भव्य जागरण के लिए विचार-विमर्श करते हुए कमिटी अध्यक्ष अचलाराम हाम्बड़, सचिव राजाराम सोयल, कोषाध्यक्ष भंवरलाल हाम्बड़, सहसचिव धनाराम पंवार, संस्थापक केसाराम गहलोत, सलाहकार हेमाराम बर्फा, व्यवस्थापक ओमप्रकाश सोयल, पारस राठौड़, सोहनलाल भायल, बालाजीनगर सीरवी समाज अध्यक्ष जयराम पंवार, पुजारी खिवारामजी व अन्य।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

संख्याः सी/ई-नीलामीयों की सूची/एससी/2025-26, दि.22-12-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति, भारतीय गणराज्य की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा वाणिज्यिक आय तथा एनएफआर संविदाओं हेतु ई-नीलामी आमंत्रित हैं। तदनुसार, एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों हेतु ई-नीलामी संसाधित की है, जिसे https://www.ireps.gov.in/website पर अधिसूचित किया है।

क्रम सं. 1, श्रेणीः एडवर्टाइजिंग, सूची संख्याः एडवीटी-सीएच जेड-स्थैतिक, नीलामी शुरू तिथि व समयः 23 दिसंबर-25 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशंस)/रेल(रेलें) -सीएचजेड, नीलामी विवरणः चर्लापल्ली स्टेशन के भीतर स्थैतिक बोड्र्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों के प्रदर्शन हेतु संविदा।

क्रम सं. 2, श्रेणीः एमआईएससी-स्थैतिक, सूची संख्याः हेल्थ कियोस्क-1-3, नीलामी शुरू तिथि व समयः 24 दिसंबर-25 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशंस)/रेल(रेलें) -सीएचजेड, एलपीआई, बीएमटी, नीलामी विवरणः चर्लापल्ली, लिंगमपल्ली व बेगमपेट स्टेशनों पर हेल्थ कियोस्क के इंस्टाल्लेशन, रखरखाव व संचालन हेतु वैयक्तिक या इन्डीवीज्युल संविदाएं।

क्रम सं. 3, श्रेणीः पार्किंग, सूची संख्याः एससी-पार्किंग-0125, नीलामी शुरू तिथि व समयः 25 दिसंबर-25 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशंस)/रेल(रेलें) -एचटीसीवाय,बीएचएलके, केक्यूडी, नीलामी विवरणः हायटेक सिटी, भालकी व खैरताबाद स्टेशनों पर इन्डीवीज्युल पार्किंग संविदाएं।

क्रम सं. 4, श्रेणीः एमपीएस, सूची संख्याः एससी-एमपीएस-एमयुएल-1201, नीलामी शुरू तिथि व समयः 25 दिसंबर-25 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशंस)/रेल(रेलें) -बीआयडीआर, एसकेजेडआर, नीलामी विवरणः बिदर व सिरपुर कागजनगर स्टेशनों पर इन्डीवीज्युल मल्टि-परपज स्टाल्स।

क्रम सं. 5, श्रेणीः एडवर्टाइजिंग, सूची संख्याः एससी-एडीवीटी-मिक्स्ड-5, नीलामी शुरू तिथि व समयः 26 दिसंबर-25 के 13.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशंस)/रेल(रेलें) -12759/60, 17319/20, 12728/28, केजेडजे, आरडीएम, बीपीजेड, एसकेजेडआर, वायएडीडी, एससी, डब्ल्यूएल, नीलामी विवरणः 1. रेल सं.12759/60 तथा 17319/17320 (रेक लिंक) तथा 12727/28 गोदावरी एक्सप्रेस के बाहरी तरफ विनाइल रैपिंग हेतु संविदा। 2. काजीपेट रेलवे स्टेशन तथा रामगुंडम, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर तथा जम्मीकुंटा रेलवे स्टेशनों के परिसंचरण क्षेत्र पर डिजीटल बोड्र्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु संविदा। 3. यादाद्री रेलवे स्टेशन के पास युनिपोल की स्थापना हेतु संविदा। 4. सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के गेट-2 बुकिंग आफिस के पास एडवर्टाइजमेंट डिस्प्ले सहित सेल्फ टिकेटिंग झोन की स्थापना हेतु संविदा। 5. वरंगल रेलवे स्टेशन के भीतर स्थैतिक बोड्र्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों के प्रदर्शन हेतु संविदा।

क्रम सं. 6, श्रेणीः एमआयएससी-स्थैतिक, सूची संख्याः एससी-एमआयएससी-सीआर-1, नीलामी शुरू तिथि व समयः 26 दिसंबर-25 के 13.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशंस)/रेल(रेलें) -1एचएफजेड, बीएमटी, बीपीए, जेइटी, नीलामी विवरणः 1. हाफिजपेटा रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रिकल व्हीकल चार्जिंग स्टेशन हेतु संविदा। 2.बेगमपेट पर रोबोटिक रिलेक्सेशन चेयर्स तथा डिजीटल क्लोकरूम का इंस्टाल्लेशन, संचालन व रखरखाव। 3. बेल्लमपल्ली स्टेशन पर वैगान क्लीनींग संविदा। 4. जेम्स स्ट्रीट रेलवे स्टेशन पर चाट स्टाल सहित फूड ट्रक्स/ज्यूस बार की स्थापना व संचालन हेतु संविदा।

क्रम सं. 7, श्रेणीः पार्सल, सूची संख्याः एससी-पार्सल-2125, नीलामी शुरू तिथि व समयः 26 दिसंबर-25 के 13.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशंस)/रेल(रेलें) -17320, 17030, 20915, 12764, 12732, 12710, 22718/17, 22850/49, 12774/73, 17007/08, नीलामी विवरणः 17320, 17030, 20915, 12764, 12732, 12710 के एसएलआर कोच (सिंगल कम्पार्टमेंट) में पार्सल स्पेस एवम् 22718/17, 22850/49, 12774/73, 17007/08 के पार्सल वैन में पार्सल स्पेस।

क्रम सं. 8, श्रेणीः पार्किंग, सूची संख्याः एससी-पार्किंग-1225, नीलामी शुरू तिथि व समयः 03 जनवरी-26 के 10.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशंस)/रेल(रेलें) -बीजी, पीआरएलआई, नीलामी विवरणः भोंगिर तथा परली रेलवे स्टेशनों पर इन्डीवीज्युएल पार्किंग संविदा।

क्रम सं. 9, श्रेणीः एमआयएससी-स्थैतिक, सूची संख्याः एमआयएससी-एफयुएन-एफटी, नीलामी शुरू तिथि व समयः 03 जनवरी-26 के 13.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशंस)/रेल(रेलें) -जेइटी, बीएमटी, बीडीएनएच, एसएसीएच, एनड़ीएमएच, एफजेडजीएच, केजेडजे, नीलामी विवरणः1. जेम्स स्ट्रीट, बेगमपेट, भूदेवीनगर हाल्ट, नेरेडमेट, सुचित्रा सेंटर, फेरोजगुडा हाल्ट स्टेशनों पर बैटरी स्वैपिंग स्टेशन की स्थापना व संचालन हेतु इन्डीवीज्युएल या वैयक्तिक संविदाएं। 2, ओल्ड रेलवे क्वार्टर्स, काजीपेट रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध क्षेत्र में फन झोन की स्थापना हेतु संविदा। 3.बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर चाट स्टाल सहित फूड ट्रक्स/ज्यूस बार की स्थापना व संचालन हेतु संविदा।

क्रम सं. 10, श्रेणीः एमपीएस, सूची संख्याः एससी-एमपीएस-एमयुएल-1225, नीलामी शुरू तिथि व समयः 03 जनवरी-26 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशंस)/रेल(रेलें) -केजेडजे, बीपीए, एमडीआर, नीलामी विवरणः काजीपेट, बेल्लमपल्ली व मधिरा स्टेशनों पर इन्डीवीज्युल मल्टि-परपज स्टाल्स का ठेका।

क्रम सं. 11, श्रेणीः पे एण्ड यूज, सूची संख्याः एससी-आरडीएम-एसीडब्ल्यूएच-1, नीलामी शुरू तिथि व समयः 03 जनवरी-26 के 14.30 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशंस)/रेल(रेलें) -आरडीएम, नीलामी विवरणः रामगुंडम स्टेशन पर प्रि-पेड एसी वेटिंग हाल के संचालन व रखरखाव हेतु ठेका।

क्रम सं. 12, श्रेणीः पार्सल्स, सूची संख्याः एससी-पार्सल-2225, नीलामी शुरू तिथि व समयः 05 जनवरी-26 के 11.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशंस)/रेल(रेलें) -12704, 12734, 12776, 17256, 22737, नीलामी विवरणः12704, 12734, 12776, 17256, 22737 के एसएलआर कोच (सिंगल कम्पार्टमेंट) में पार्सल स्पेस।

इच्छुक पार्टीज व ठेकेदारगण ध्यान दें कि, ई-नीलामी सूचना के विस्तृत विवरण हेतु उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं। पूछताछ/स्पष्टीकरणों हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

A2097 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक/सिकंदराबाद

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सं.जीएनटी/सी.79/कैटरिंग/ई-नीलामी/15/2025

PUB/1641/25

ई-नीलामी लीजिंग के माध्यम से प्रदान वाणिज्यिक आय संविदाओं हेतु गुंटूर डिवीजन की संयुक्त मासिक सूची

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटूर डिवीजन, गुंटूर द्वारा आईआरईपीएस वेब पोर्टल के ई-नीलामी लीजिंग माड्यूल के माध्यम से ई-बोलियां या ई-बिड्स आमंत्रित हैं। कैटरिंग कैटलाग्स तथा वाटर वेन्डिंग मशीनों (डब्ल्यूवीएमएस) का प्रकाशित विवरण निम्न प्रकार है।

दि.05-01-2026 नुसार कैटरिंग स्टाल्स ई-नीलामी

क्रम सं.	संविदा का प्रकार	स्टेशन/श्रेणी/स्थान	संविदा अवधि	पूर्व धरोहर राशि मूल्य	नीलामी प्रारंभ तिथि व समय
1	ज्यूस बार	सत्तेनपल्ली -डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	05-01-2026 के 11.00 बजे
2	टी स्टाल	मचेर्ला -डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	05-01-2026 के 11.00 बजे
3	टी स्टाल	रेपल्ले -डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	05-01-2026 के 11.00 बजे
4	टी स्टाल,	डोर्नकोंडा-डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	05-01-2026 के 11.00 बजे
5	टी स्टाल	डोर्नकोंडा-डी (पीएफ नं.2 व 3)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	05-01-2026 के 11.00 बजे
6	ज्यूस बार	कम्बम-डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	05-01-2026 के 11.00 बजे
7	ज्यूस बार	कम्बम-डी (पीएफ नं.2 व 3)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	05-01-2026 के 11.00 बजे
8	टी स्टाल	वेमुरू-डी (पीएफ-1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	05-01-2026 के 11.00 बजे
9	टी स्टाल	नलगोंडा-बी (पीएफ-2)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	05-01-2026 के 11.00 बजे

दि. 06-01-2026 नुसार वाटर वेन्डिंग मशीनों (डब्ल्यूवीएमएस) का संचालन व रखरखाव

क्रम सं.	संविदा का प्रकार	स्टेशन	संविदा अवधि	पूर्व धरोहर राशि मूल्य	नीलामी प्रारंभ तिथि व समय
1	डब्ल्यूवीएम	क्लस्टर-4 (एसएपी, पीजीआर,एनडीकेडी तथा एमसीएलए)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	06-01-2026 के 11.00 बजे
2	डब्ल्यूवीएम	क्लस्टर-5 (एसआरजीए तथा एनएलडीए)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	06-01-2026 के 11.00 बजे
3	डब्ल्यूवीएम	विनुकोंडा (वीकेएन) (प्लेटफार्म नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	06-01-2026 के 11.00 बजे-
4	डब्ल्यूवीएम	सवाल्यापुरम (एसवायएम) (प्लेटफार्म नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%-	06-01-2026 के 11.00 बजे
5	डब्ल्यूवीएम	डोनकोंडा (डीकेडी) (प्लेटफार्म नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	06-01-2026 के 11.00 बजे
6	डब्ल्यूवीएम	कम्बम (सीबीएम) (प्लेटफार्म नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	06-01-2026 के 11.00 बजे
7	डब्ल्यूवीएम	गिद्दलूर (जीआयडी) (प्लेटफार्म नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	06-01-2026 के 11.00 बजे

निविदाकार की यह जिम्मेदारी है कि, डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट प्राप्त करें तथा ई-निविदाओं में भाग लेने के लिए स्वयं को आईआरईपीएस ''ई'' नीलामी लीजिंग में पंजीकृत करें। आईआरईपीएस पोर्टल द्वारा ''ई'' नीलामी लीजिंग में भाग लेने तथा पंजीकरण की आवश्यकताएं विवरण जोकि, **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पोर्टल पर मैन्युएल एण्ड गाइडलाइन्स के तहत उपलब्ध है। निविदाकार को जब कभी भी बुलाए जाने पर, अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर तत्संबंधित आवश्यक दस्तावेजों को प्रस्तुत करना होगा। आईआरईपीएस पोर्टल में भुगतान व आवश्यक दस्तावेजों की अपलोडिंग के दौरान घटित किसी भी अवरोध के लिए रेल प्रशासन कतई जिम्मेदार नही होगा। यथोचित व संपूर्ण तौर पर न भरे हुए निर्दिष्ट नियम शर्तों को अनुसरण न करे हुए, निविदा प्रपत्र को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा। उपरोक्त निविदा का संपूर्ण विवरण ई-नीलामी लीजिंग माड्यूल के **वेबसाइटः**www.ireps.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध है।

A2088 हस्ता./- वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक/गुंटूर

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

निविदा सं. 30257203, दिनांक: 15.12.2025

कार्य का नाम : (1) आपूर्ति की तिथि के बाद से 30 महीने वारंटी अवधि के साथ वाइड बेस कर्व PSC स्लीपर (RT-8979-8982) के लिए कर्व चेक रेल (RT-8985) हेतु CI ब्रैकेट की आपूर्ति, मात्रा : 12402 संख्यक।

(2) आपूर्ति की तिथि के बाद से 30 महीने वारंटी अवधि के साथ वाइड बेस कर्व PSC स्लीपर (RT-8979-8982) के लिए कर्व चेक रेल (RT-8985) हेतु CI ब्रैकेट की आपूर्ति, मात्रा : 39332 संख्यक, TPI एजेंसी द्वारा निरीक्षण।

द्रष्टव्य : सामग्री 120 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 06.01.2026 को 1500 बजे।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-928/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बीसीसीआई ने महिला क्रिकेटर्स की घरेलू मैच फीस बढ़ाई

एक फर्स्ट-क्लास और वनडे के लिए 50 हजार मिलेंगे, जूनियर प्लेयर्स की फीस भी डबल

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने महिला क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक फैसला लिया है। घरेलू क्रिकेट में समान वेतन की ओर कदम बढ़ते हुए महिला क्रिकेटरों और मैच अधिकारियों की मैच फीस दोगुनी से भी अधिक बढ़ा दी है। यह कदम भारत की पहली वनडे वर्ल्ड कप जीत के बाद उठाया गया है। इस वेतन वृद्धि को बोर्ड की शीर्ष परिषद से भी मंजूरी मिल गई है। संशोधित संरचना के अनुसार घरेलू टूर्नामेंटों में खेलने वाली सीनियर महिला क्रिकेटरों को अब प्रतिदिन 50 हजार रुपये से 60 हजार रुपये के बीच मिलेंगे, जो मौजूदा 20 हजार रुपये (रिजर्व खिलाड़ियों के लिए 10,000 रुपये) प्रति मैच दिन से काफी

अधिक है।

महिला क्रिकेटर्स का नया मैच फीस स्ट्रक्चर

सीनियर महिला घरेलू वनडे टूर्नामेंट और बहुदिवसीय प्रतियोगिताओं में एकादश में शामिल खिलाड़ियों को प्रतिदिन 50,000 रुपये मिलेंगे। वहीं दूसरी तरफ रिजर्व खिलाड़ियों को इसकी आधी राशि यानी 25,000 रुपये प्रति दिन मिलेंगे। राष्ट्रीय टी20 टूर्नामेंट में प्लेइंग इलेवन में शामिल खिलाड़ियों को प्रति मैच 25,000 रुपये मिलेंगे, जबकि रिजर्व खिलाड़ियों को 12,500 रुपये मिलेंगे। बीसीसीआई के अधिकारियों के अनुसार कोई महिला क्रिकेटर पूरे सत्र के दौरान सभी प्रारूपों में खेलती है, तो वह 12 लाख से लेकर 14 लाख रुपये तक कमा सकती है।

शीर्ष परिषद ने जूनियर महिला क्रिकेटरों के पारिश्रमिक में भी वृद्धि की है। अंडर-23 और अंडर-19 श्रेणियों की खिलाड़ियों (एकादश में शामिल) को प्रतिदिन 25,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा, जबकि रिजर्व खिलाड़ियों को 12,500 रुपये मिलेंगे। अंपायर और मैच रेफरी सहित मैच अधिकारियों को भी इस तरह की बढोतरी का फायदा मिलेगा।

विराट कोहली का मैच बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में नहीं देख पाएंगे फैंस!

बेंगलुरु, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु में दिल्ली और आंध्र प्रदेश के बीच विजय हजारे ट्रॉफी का मैच होना है. विराट कोहली उस मैच में खेलने वाले हैं. मगर क्रिकेट फैंस वो मुकाबला नहीं देख पाएंगे. ऐसी खबर है कि विराट कोहली को खेलते देखने के लिए दर्शकों को चिन्नास्वामी स्टेडियम में एंट्री नहीं मिलेगी. मतलब ये मुकाबला खाली स्टेडियम में कराया जाएगा. विजय हजारे ट्रॉफी में विराट कोहली दिल्ली की टीम का हिस्सा हैं.

खाली स्टेडियम में मैच कराने के आदेश- रिपोर्ट

कर्नाटक सरकार ने इसे लेकर केएससीए को आदेश जारी किया है और कहा है कि दिल्ली और आंध्र प्रदेश का मुकाबला, जिसमें विराट कोहली खेलने वाले हैं, वो खाली चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही कराया जाए. इस बीच बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को बैक-अप वेन्यू के तौर पर रखा गया है. अगर चिन्नास्वामी पर होने वाले आगे के मैचों के लिए पुलिस की परमिशन नहीं मिलती है तो उस सूरत में मुकाबले वहां कराए जा सकते हैं.

विराट कोहली के मैच में दर्शकों की एंट्री क्यों बंद?

दिल्ली और आंध्र प्रदेश के बीच विजय हजारे ट्रॉफी का मुकाबला पहले अलूर में खेला जाना था. लेकिन, विराट कोहली और ऋषभ पंत की इस मैच के लिए उपलब्धता को देखते हुए उसके वेन्यू को अलूर से बेंगलुरु के चिन्नास्वामी में शिफ्ट किया गया. ईएसपीएन क्रिकइंफो का मानना है कि विराट कोहली और ऋषभ पंत की लोकप्रियता को देखते हुए कर्नाटक सरकार नहीं चाहती कि फिर से कोई भगदड़ मचे. यही वजह है कि उसने केएससीए को मुकाबला खाली स्टेडियम में कराने का आदेश दिया है.

आईपीएल 2025 के बाद आरसीबी की विक्ट्री परेड के दौरान बेंगलुरु में जनसैलाब उमड़ पड़ा था, जिसमें मची भगदड़ में कई लोग घायल हो गए थे और 11 जानें चली गई थी. तभी से बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट की वापसी नहीं हो सकी है. केएससीए की अपील पर कर्नाटक सरकार ने हालांकि कुछ पुलिस वाले, फायर सेफ्टी और पब्लिक वर्क से जुड़े लोगों की एक कमेटी बनाई है, जिसमें 22 दिसंबर को स्टेडियम का दौरा किया. ये कमेटी 23 दिसंबर को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी. लेकिन, इस बीच ऐसा माना जा रहा कि जैसे कयास हैं कि दर्शकों के लिए स्टेडियम में एंट्री नहीं मिलेगी, वही बात वो कमेटी भी अपनी रिपोर्ट में बताने वाली है.

टी-20 वर्ल्ड कप में क्या होगी भारत की प्लेइंग-11

संजू और ईशान में कौन करेगा विकेटकीपिंग? क्या बुमराह होंगे इकलौते तेज गेंदबाज

मुंबई, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2026 के लिए शनिवार को भारतीय टीम का एलान किया गया। 15 सदस्यीय यह टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी में 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलकर अपनी तैयारियों को और पुख्ता करेगी।

टी20 सीरीज का आगाज 21 जनवरी, 2026 से होगा। वहीं टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से होगी। विश्व कप और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान भारत की आदर्श प्लेइंग 11 क्या हो सकती है? आइए जानते हैं।

गिल का कटा पत□ता

लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे शुभमन गिल को भारतीय स्क्वॉड में जगह नहीं दी गई है। इससे भारत की ओपनिंग पेयर की समस्या खत्म हो गई है। अब अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन पारी की शुरुआत कर सकते हैं। दोनों टीम को तेज शुरुआत दिलाते हैं। 3 नंबर पर तिलक वर्मा और 4 पर सूर्यकुमार यादव का आना तय है। हालांकि, सूर्या की फॉर्म भारत के लिए चिंता का विषय है। लंबे समय से भारतीय टी20 कप्तान का बल्ला खामोश है।

रिंकू-दुबे में होगी जंग

इनफॉर्म ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को नंबर 5 पर भेजा जा सकता है। हार्दिक गेंद से भी योगदान देने में सक्षम हैं। उपकप्तान अक्षर पटेल नंबर 6 पर उतर सकते हैं। पटेल की बतौर उपकप्तान वापसी हुई है। बतौर फिनिशर टीम मैनेजमेंट शिवम दुबे या रिंकू सिंह पर भरोसा जता सकता है। स्पिन गेंदबाजी की कमान कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती के हाथों में रह सकती है। वहीं तेज गेंदबाजी के लिए जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह पर भरोसा जताया जा सकता है।

भारत की संभावित प□लेइंग 11

अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल (उपकप्तान), शिवम दुबे, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह।

अंकुश जाधव का शानदार प्रदर्शन

पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण जीता

भोपाल, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। नौसेना के किरण अंकुश जाधव ने 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में ओलंपियन अर्जुन बबूता की पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता। जाधव ने 252.1 अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया जबकि बबूता ने 251.4 अंक के साथ रजत पदक जीता। 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 229.8 अंक के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

अर्जुन के रेलवे की टीम के साथी शाहू तुषार माने 209.3 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे।

हिमांशु (181.1), रामायण तोमर (166.7), ओंकार विकास वाघमारे (145.4) और प्रदीप सिंह (123.3) ने भी फाइनल में जगह बनाई। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल जूनियर फाइनल में गुजरात के मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 254.3 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। पश्चिम बंगाल के अभिनव साव ने 251.6 अंक के साथ रजत पदक जीता जबकि ओंकार विकास वाघमारे ने 230.1 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक अपने नाम किया।

2026 फुटबॉल वर्ल्ड कप में खेल पाएंगे ब्राजील के स्टार नेमार? स्वास्थ्य पर आया बड़ा अपडेट

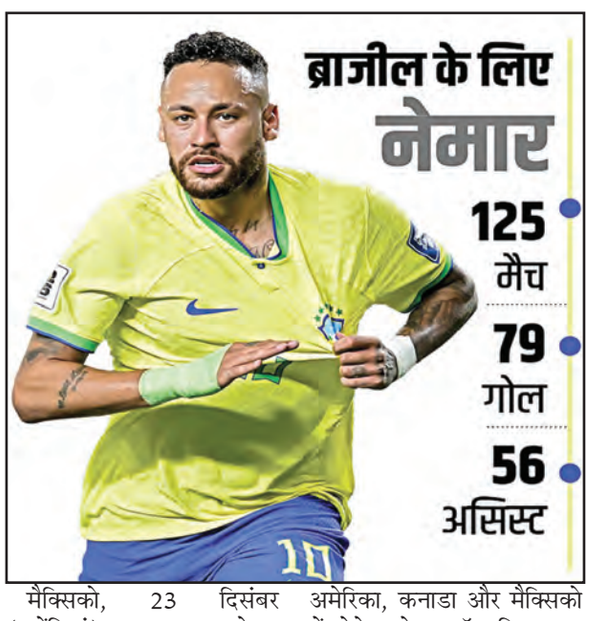

मैक्सिको, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। स्टार स्ट्राइकर नेमार के बाएं घुटने की सर्जरी हुई है लेकिन उन्हें अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में खेलने और ब्राजील की तरफ से फाइनल में गोल करने की उम्मीद है।

नेमार के क्लब सैंटोस ने बताया कि इस 33 वर्षीय खिलाड़ी के बाएं घुटने की मामूली सर्जरी हुई है। इस चोट के कारण वह इस साल लंबे समय तक बाहर रहे। उनकी आर्थ्रोस्कोपी सर्जरी रोड्रिगो लास्मार ने की, जो ब्राजील टीम से भी जुड़े हुए हैं।

पिछले सप्ताहांत साओ पाउलो में एक संगीत कार्यक्रम के दौरान नेमार ने कहा था उन्हें अब भी विश्व कप में खेलने और फाइनल में गोल करने की उम्मीद है। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने अभी तक नेमार को टीम में शामिल नहीं किया है।

नेमार ने कहा, 'हम इस बार कप को ब्राजील लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। जुलाई में आप हमें इसकी याद दिला सकते हैं। एंसेलोटी इसमें हमारी मदद करना।'

राशिद खान की जान को खतरा?

सुरक्षा के लिए खरीदी बुलेट प्रूफ कार

काबुल, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। तालिबानी हुकूमत वाले अफगानिस्तान में राशिद खान खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते. इसका खुलासा उन्होंने केविन पीटरसन को दिए इंटरव्यू में किया है. राशिद खान खान ने बताया कि अपनी सुरक्षा के लिए वो वहां बुलेट प्रूफ कार में सफर करते हैं. अफगान स्पिनर से ये सुनकर केविन पीटरसन भी चौंक गए. लेकिन, राशिद खान ने बताया कि इसमें चौंकने वाली बात नहीं क्योंकि उनके देश में अब ये नॉर्मल है.

केविन पीटरसन ने बातचीत का वो वीडियो क्लिप अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें राशिद खान अफगानिस्तान की मौजूदा आबो-हवा में अपनी जिंदगी का हाल बयां कर रहे हैं. वीडियो में राशिद खान से इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ये पूछते हैं कि अफगानिस्तान में उनकी जिंदगी

कैसी है? क्या वो सड़क पर आराम से घूम लेते हैं? इस पर राशिद खान कहते हैं कि- सवाल ही पैदा नहीं होता.

राशिद खान ने बताया कि सड़क पर घूमना-टहलना तो दूर वो एक नॉर्मल कार में भी नहीं चल सकते. वो आगे कहते हैं कि उनके पास अपनी खुद की एक बुलेट प्रूफ कार है. इस पर केविन पीटरसन चौंकते हुए पूछते हैं क्या, आपके पास काबुल में बुलेट प्रूफ कार है? राशिद का जवाब आता है – हां बिल्कुल, मैं अपनी बुलेट प्रूफ कार में ही सफर करता हूं. मुझे वहां उसकी जरूरत है.

राशिद की जान को खतरा? सुरक्षा के लिए बुलेट प्रूफ कार

केविन पीटरसन का अगला सवाल होता है- मगर क्यों? उन्हें बुलेट प्रूफ कार की क्या जरूरत? इस पर राशिद खान कहते हैं कि वो उनकी सुरक्षा के लिए जरूरी है. बस इसलिए कि वो सुरक्षित रहें. राशिद का जवाब सुनकर केविन पीटरसन अगला सवाल करते हैं- मगर कोई उन्हें गोली नहीं मारने वाला? इस पर राशिद कहते हैं कि भले ही कोई उन्हें शूट ना करे, गोली ना मारे लेकिन हालात ऐसे हैं कि आप कभी भी. कहीं भी गलत जगह पर हो सकते हैं, जिसका आपको अंदाजा भी नहीं होगा. केविन कहते हैं कि ये तो हैरान करने वाली बात है. राशिद खान ने आगे बताया कि कभी-कभी लोग कार के दरवाजे को खोलने लगते हैं. वैसे में बुलेट प्रूफ कार में आप सुरक्षित है.

नीरज चोपड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। नीरज के साथ इस दौरान पत्नी हिमानी मोर भी मौजूद रहीं। नीरज ने इस साल पूर्व टेनिस खिलाड़ी हिमानी से शादी की थी और वह फिलहाल ब्रेक पर चल रहे हैं।

पीएम मोदी ने एक्स पर नीरज के साथ मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा, 'नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोरी के साथ आज सात, लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की। हमने इस दौरान खेल सहित विभिन्न मुद्दों पर बात की।'

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा इस साल आखिरकार 90 मीटर की बाधा पार करने में सफल रहे, लेकिन वह विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव नहीं कर सके थे। नीरज ने दोहा डायमंड लीग में भाला फेंक में मानक माने जाने वाले 90 मीटर की दूरी हासिल की। नीरज ने अपना भाला 90.23 मीटर तक फेंका और ऐसा करने वाले एशिया के तीसरे और कुल मिलाकर 25वें खिलाड़ी बन गए। लेकिन इसी वर्ष टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पदक जीतने में नाकाम रहने से उन्हें निराशा भी हाथ लगी।

चौथे एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम का ऐलान

26 दिसंबर से खेला जाएगा मुकाबला

मेलबर्न, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का चौथा मैच मेलबर्न में खेला जाएगा. 26 दिसंबर को बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच खेला जाएगा. इस मैच के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है. ऑस्ट्रेलिया की इस टीम में नियमित कप्तान पैट कमिंस और ऑफ स्पिनर नाथन लियोन का नाम भी शामिल नहीं है.

कमिंस ने पर्थ और ब्रिसबेन में हुए सीरीज के पहले दो टेस्ट मैच भी नहीं खेले थे. ऑस्ट्रेलिया ने ये दोनों टेस्ट मैच जीते थे. उनकी पीठ में दर्द था. इसके बाद उन्होंने ऐडिलेड में खेले गए सीरीज के तीसरे मैच में वापीस की. इस मैच में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई. कमिंस ने ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई. कमिंस ने 6 विकेट लिए. ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को इस मैच में 82 रन से हराया. जीत के बाद कमिंस ने पहले ही इशारा दे दिया था कि वह शायद

सीरीज के चौथे टेस्ट मैच से बाहर रहें. कहा था कि हम टेस्ट सीरीज जीत चुके हैं. ऐसे में संभव है कि मैं अपने शरीर पर अतिरिक्त दबाव न देते हुए मेलबर्न टेस्ट से बाहर रहूं. किसी भी तरह की इंजरी से दूर रखने के लिए पैट कमिंस को आराम देने का फैसला किया गया है. कमिंस की जगह तेज गेंदबाज झाय रिचर्डसन को टीम में जगह दी गई है.

दिग्गज ऑफ स्पिनर नाथन लियोन भी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं हैं. लायन को ऐडिलेड टेस्ट के दौरान चोट लग गई थी. मैच के आखिरी दिन बाउंड्री पर गेंद को रोकने के प्रयास में उनके दाहिने हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी. लायन की अब सर्जरी होगी. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने साफ किया है कि लियोन के टियर का ऑपरेशन होगा. और इसी वजह से यह स्पिनर लंबे वक्त के लिए टीम से बाहर हो गया है. नाथन लायन की जगह अब टॉड मर्फी को अंतिम 11 में रखा गया है. एडिलेड टेस्ट से बाहर रहे अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ मेलबर्न में वापसी करेंगे. कमिंस की गैरमौजूदगी में स्मिथ ही टीम की कमान संभालेंगे. स्मिथ पर्थ और ब्रिसबेन में खेले गए सीरीज के पहले और दूसरे टेस्ट में भी कप्तान थे और टीम को बड़ी जीत दिलाने में कामयाब रहे थे. ऑस्ट्रेलिया ने इस सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना रखी है.

मेलबर्न टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम

स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, टॉड मर्फी, माइकल नेसर, झाई रिचर्डसन, मिशेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, ब्यू वेबस्टर

सुनील गावस्कर के व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा

दिल्ली हाईकोर्ट सख्त, आपत्तिजनक कंटेंट हटाने का आदेश

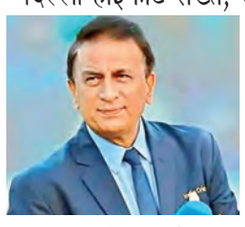

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मशहूर कमेंटेटर सुनील गावस्कर के व्यक्तित्व अधिकारों (पर्सनैलिटी राइट्स) की अहम रक्षा करते हुए कई वेबसाइटों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को उनकी अनुमति के बिना नाम, तस्वीर या पहचान का व्यावसायिक इस्तेमाल करने से रोक दिया है। कोर्ट ने साथ ही इंटरनेट पर मौजूद आपत्तिजनक और अश्लील कंटेंट को हटाने का भी सख्त आदेश दिया है। जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने यह स्पष्ट किया कि सुनील गावस्कर की छवि, आवाज, हाव-भाव या व्यक्तित्व से जुड़े किसी भी तत्व का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक तकनीक के जरिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने ऐसे सभी प्रतिवादियों को ऐसा करने से तुरंत रोकने का निर्देश दिया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि जिन वेबसाइट्स पर आपत्तिजनक सामग्री मौजूद है, उन्हें 72 घंटे के भीतर संबंधित यूआरएल हटाने होंगे। यदि वेबसाइट्स ऐसा करने में विफल रहती हैं, तो सोशल मीडिया इंटरमीडियरीज को खुद आगे बढ़कर उस सामग्री को हटाना होगा।

इससे पहले 12 दिसंबर को हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया था कि वे सुनील गावस्कर की शिकायत पर सात दिनों के भीतर कार्रवाई करें। कोर्ट ने गावस्कर के वकील को पहले इंटरमीडियरीज से संपर्क करने को कहा था और उनकी याचिका को आईटी नियम 2021 के तहत औपचारिक शिकायत मानने का निर्देश दिया था। मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि कुछ आपत्तिजनक सामग्री हटा दी गई है, लेकिन कई लिंक और कंटेंट अभी भी इंटरनेट पर मौजूद हैं। इस पर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए दोबारा हटाने के निर्देश जारी किए और मामले की अगली सुनवाई 22 मई को तय की।

इंग्लिश कोच मैकुलम बोले- नहीं पता कोच रहूंगा या नहीं

ईसीबी मैनेजर ने कहा- खिलाड़ियों के शराब पीने के दावे की जांच होगी

मेलबर्न, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने मौजूदा एशेज में शानदार प्रदर्शन किया है. सिर्फ 11 दिनों में ट्रॉफी जीतने से इंग्लैंड को एक बड़ी मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है. बोल्ड बैजबॉल फिलॉसफी, जिसे कभी 'टेस्ट क्रिकेट को बचाने वाली क्रांति' कहा गया था, अब नाकाम साबित हो रही है. बेन स्टोक्स की टीम अपने अटैकिंग अप्रोच पर कायम रही, लेकिन अहम पलों में बार-बार फेल हुई, ये ट्रेंड पिछले 18 महीनों से दिख रहा है.

मैक्कुलम को हटाने की मांग

इसका नतीजा बहुत बुरा हुआ है, इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी और एक्सपर्ट्स खुलकर अपनी निराशा जाहिर कर रहे हैं. लाजमी है कि हेड कोच ब्रेंडन मैक्कुलम पर दबाव बढ़ गया है, और उन्हें हटाने की मांग भी बढ़ रही है. हालांकि, बड़ा सवाल ये है कि क्या इंग्लैंड सच में उन्हें हटाने का जोखिम उठा सकता है. असल में कोई

दूसरा ऑप्शन ज्यादा नहीं है. जेसन गिलेस्पी, एलेक स्टीवर्ट और जोनाथन ट्रॉट जैसे नामों का जिक्र हुआ है, लेकिन कोई भी बेहतर विकल्प या लंबे समय का पक्का समाधान नहीं है.

मैक्कुलम से पहले क्या था?

ये भी याद रखना ज़रूरी है कि मैक्कुलम के कोच बनने से पहले इंग्लैंड की क्या हालत थी. दिग्गज गेंदबाज़ जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड होने के बावजूद, टीम में कॉन्फिडेंस, क्लैरिटी और दिशा की कमी थी. बैजबॉल ने शुरू में विश्वास और पहचान वापस दिलाई, भले ही अब इसकी कमियां बुरी तरह सामने आ गई हों.

'बैजबॉल 2.0' की जरूरत

बैजबॉल पूरी तरह से फेल नहीं हुआ है; बल्कि, ये भ्रम है कि बेसिक चीजों को नजरअंदाज किया जा सकता है, वो खत्म हो गया है. अगर मैक्कुलम को बिना किसी साफ रिप्लेसमेंट फिलॉसफी के हटाया जाता है, तो इंग्लैंड एक और आइडेंटिटी क्राइसिस का रिस्क उठाएगा. हालांकि, उन्हें बनाए रखने के लिए बदलाव की जरूरत है, एक ज्यादा अपनाने लायक बेहतर 'बैजबॉल 2.0' लाया जा सकता है. टेस्ट क्रिकेट धैर्य, तैयारी और स्किल को इनाम देता है, स्लोगन को नहीं. जब तक इंग्लैंड इस सच्चाई को नहीं अपनाता, कोई भी कोच उनकी परेशानी को सच में ठीक नहीं कर सकता.

जनसमर्थन से बीआरएस नेताओं को जवाब देंगे : भट्टी विक्रमार्क

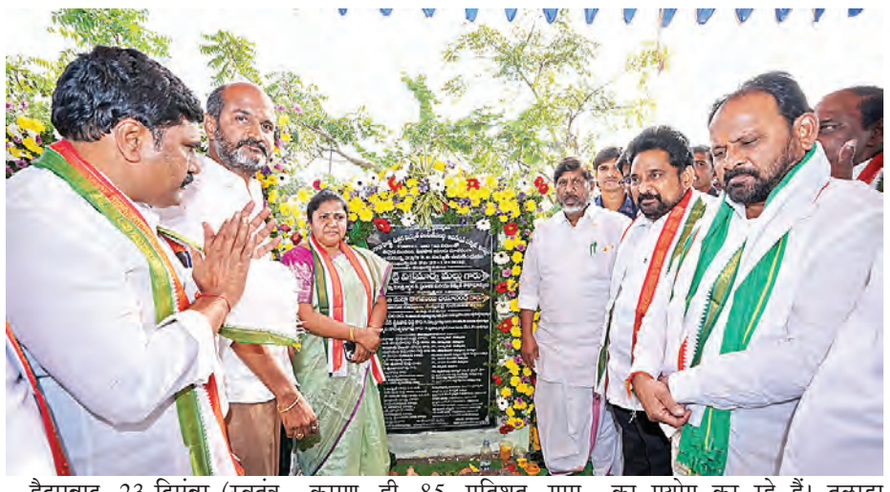

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण ही 85 प्रतिशत ग्राम पंचायतों में कांग्रेस समर्थित सरपंच निर्वाचित हुए हैं। इसी जनसमर्थन से घबराकर बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। तल्लाडा मंडल के पाथा पिनापाका गांव में उप-स्टेशन कार्यों के शिलान्यास के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस इस तरह की भाषा में विश्वास नहीं रखती, बल्कि अपने कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से बीआरएस नेताओं को सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि दो वर्षों तक फार्महाउस में रहने के बाद अचानक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर 'चमड़ी उतारने' जैसी भाषा का प्रयोग करना पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने सवाल किया कि विपक्ष के नेता होने के बावजूद केसीआर पिछले दो वर्षों में एक दिन भी विधानसभा क्यों नहीं आए। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि विपक्ष में रहते हुए उन्होंने कभी विधानसभा सत्र नहीं छोड़ा और लगातार जनता के मुद्दे उठाए। उन्होंने चेतावनी दी कि जनता के लिए काम करने वालों को धमकाने वालों को कांग्रेस चुपचाप नहीं देखेगी।

कांग्रेस पर पीवी नरसिम्हा राव को सम्मान न देने का भाजपा का आरोप

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कांग्रेस पर पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव को उचित सम्मान न देने का आरोप लगाया। उनकी पुण्यतिथि पर नेकलेस रोड स्थित पीवी घाट पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद उन्होंने कहा कि आर्थिक सुधारों के जरिए देश की दिशा बदलने में नरसिम्हा राव की भूमिका ऐतिहासिक रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस में केवल गांधी परिवार को ही सम्मान मिलता है और पीवी नरसिम्हा राव को दिल्ली में अंतिम संस्कार तक की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने भारत रत्न देकर उनके योगदान को सम्मानित किया। कांग्रेस को चाहिए कि वह महान नेताओं का सम्मान करना सीखे।

ट्रांसजेंडर समुदाय के साथ संवाद बैठक आयोजित

डीसीपी नॉर्थ ज़ोन कार्यालय में 25 सदस्यों की सहभागिता

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नॉर्थ जोन की उपायुक्त पुलिस (डीसीपी) कार्यालय में ट्रांसजेंडर समुदाय के साथ एक संवादात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त पुलिस, नॉर्थ ज़ोन, सुश्री एस. रश्मि पेरूमल ने की। नॉर्थ ज़ोन क्षेत्र में निवास व कार्यरत लगभग 25 ट्रांसजेंडर व्यक्तियों ने इसमें भाग लिया।

बैठक के दौरान प्रतिभागियों ने सामाजिक समावेशन की कमी, सीमित सामाजिक स्वीकृति तथा आजीविका के अवसरों की बाधाओं सहित विभिन्न समस्याओं को सामने रखा। साथ ही, विवाह, गृहप्रवेश और अन्य सामाजिक आयोजनों के दौरान कथित रूप से अधिक धनराशि की मांग को लेकर आम जनता से प्राप्त शिकायतों पर भी चर्चा हुई, जिससे सार्वजनिक असुविधा और आशंका उत्पन्न होने की बात कही गई।

डीसीपी ने समुदाय के सदस्यों को कौशल विकास, नए व्यवसायों को अपनाने, स्व-रोजगार की ओर अग्रसर होने और सम्मानजनक आजीविका के साधन अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि समुदाय की वास्तविक समस्याओं को संबंधित सरकारी विभागों के समक्ष उठाकर आवश्यक सहायता, कल्याणकारी योजनाओं और पुनर्वास उपायों के लिए प्रयास किए जाएंगे।

प्रतिभागियों ने पहचान पत्रों की अनुपलब्धता के कारण स्थानीय और बाहरी व्यक्तियों की पहचान में कठिनाइयों का मुद्दा उठाया तथा उचित पहचान पत्र जारी करने का अनुरोध किया। कुछ सदस्यों ने यह भी बताया कि ट्रांसजेंडर प्रमाण-पत्र न मिलने के कारण वे सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। इन सभी बिंदुओं पर चर्चा कर आवश्यक स्पष्टीकरण दिए गए। समुदाय को किसी भी प्रकार की धमकी या जबरन वसूली से दूर रहने की सलाह दी गई और चेतावनी दी गई कि ऐसी गतिविधियां न केवल पारंपरिक स्वीकृति और जनसमर्थन को प्रभावित करेंगी, बल्कि कानून के तहत दंडात्मक कार्रवाई को भी आमंत्रित करेंगी। बैठक का समापन पुलिस की ओर से इस आश्वासन के साथ हुआ कि ट्रांसजेंडर समुदाय के साथ रचनात्मक संवाद जारी रखा जाएगा, वैध और टिकाऊ आजीविका के अवसरों को बढ़ावा दिया जाएगा, सार्वजनिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी तथा सभी की गरिमा और अधिकारों की रक्षा की जाएगी।

चेक डैम विस्फोट मामले में जन जांच आयोग गठित करने की मांग

केटी रामाराव का कांग्रेस सरकार पर हमला

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में चेक डैम की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने राज्य सरकार से जन जांच आयोग गठित करने की मांग की है। उन्होंने यह मांग विश्व प्रसिद्ध जल विशेषज्ञ राजेंद्र सिंह की सिफारिशों के आधार पर की है। केटी रामाराव ने कहा कि कांग्रेस सरकार चेक डैम की सुरक्षा में पूरी तरह विफल रही है और रेत माफिया द्वारा सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि तेलंगाना की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वाले रेत माफिया और अन्य दोषियों को कानून के कटघरे में लाया जाए।

उन्होंने बताया कि जल मंत्री ने आदिवी सोमनपल्ली में कथित रूप से विस्फोटित चेक डैम और तनुगुला में एक अन्य संरचना का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि भारी बारिश के मौसम में क्षति संभव है, लेकिन दिसंबर जैसे कम वर्षा वाले महीने में चेक डैम का टूटना संदेह पैदा करता है। केटी रामाराव ने कहा कि राजेंद्र सिंह की रिपोर्ट ने कांग्रेस मंत्रियों के उन दावों की पोल खोल दी है, जिनमें चेक डैम को प्राकृतिक कारणों से क्षतिग्रस्त बताया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि यह मानव निर्मित विनाश है और चेक डैम को जानबूझकर विस्फोट से उड़ाया गया।

बीआरएस नेता ने सवाल उठाया कि क्या रेत की लूट में बाधा बनने के कारण करोड़ों रुपये की लागत से बने चेक डैम को नष्ट किया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर किसानों के हितों की अनदेखी करने और रेत ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री से जवाब की मांग करते हुए केटी रामाराव ने कहा कि सरकार विकास करने में असमर्थ है, लेकिन बनी हुई सार्वजनिक संपत्तियों को नष्ट करने में माहिर बन चुकी है।

दक्षिण मध्य रेलवे पर क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय में मंगलवार को संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी.खाडे, सभी प्रधान विभागाध्यक्ष, अपर मंडल रेल प्रबंधक/सिकंदराबाद, संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। अन्य मंडलों व कारखानों के प्रतिनिधियों ने ऑन लाइन माध्यम से सहभागिता की। महाप्रबंधक ने कहा कि इस रेलवे पर राजभाषा के क्षेत्र में अच्छा कार्य हो रहा है। इस रेलवे के मुख्यालय को रेल मंत्री राजभाषा शील्ड का प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने पर उन्होंने सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षणों को ध्यान में रखते हुए सभी अधिकारी/कर्मचारी काम करें। बैठक के आरंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी ने अध्यक्ष तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस रेलवे के मुख्यालय सहित सभी मंडलों और कारखानों में हिंदी के प्रयोग-प्रसार के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। डॉ.श्याम सुंदर साहु, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने पिछली तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की मदों पर विस्तार से चर्चा की। एम.के.नागराजु, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, प्रधान कार्यालय ने पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी। मंडलों और कारखानों के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और अगली तिमाही की कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी। बैठक के बाद रेल निलयम ऑडिटोरियम में विजयवाडा मंडल के नाटक की टीम ने 'अखंड पर्व' नामक नाटक का मंचन किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक/दमरे, सभी प्रधान विभागाध्यक्ष, अन्य अधिकारी, दमरे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पीवी नरसिम्हा राव की 21वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव की 21वीं पुण्यतिथि पर हैदराबाद में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

विधान परिषद अध्यक्ष जी सुखेंद्र रेड्डी, विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, परिषद् सदस्य वानी देवी, बोंगरापु दयानंद सहित कई नेताओं ने विधानसभा भवन में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। नेताओं ने उन्हें आधुनिक भारत का शिल्पकार बताते हुए उनके आर्थिक सुधारों की सराहना की।

किसानों की जरूरतों के अनुरूप ऋण उपलब्ध कराया जाए : अतिरिक्त कलेक्टर

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) श्रीनिवास ने कहा कि किसानों की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें पर्याप्त और समय पर ऋण उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि वर्ष 2026-27 के लिए तय किए जाने वाले वित्त के पैमाने में पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि की जाए, विशेष रूप से धान, कपास, मक्का तथा अन्य नकदी फसलों के लिए। अतिरिक्त कलेक्टर मंगलवार को हैदराबाद जिला सहकारी केंद्रीय बैंक लिमिटेड के तत्वावधान में एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के सम्मेलन कक्ष में आयोजित जिला स्तरीय तकनीकी समिति की बैठक में बोल रहे थे। इस बैठक में रंगारेड्डी, मेडचल और विकाराबाद जिलों के लिए वर्ष 2026-27 के वित्तीय पैमाने को अंतिम रूप दिया गया। बैठक के दौरान समिति के सदस्यों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने किसानों के लिए वित्तपोषण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने-अपने सुझाव रखे। किसानों को ऋण उपलब्ध कराने से संबंधित सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक के सीईओ भास्कर सुब्रमण्यम, महाप्रबंधक प्रभाकर रेड्डी, नाबार्ड के डीडीएम, रंगारेड्डी जिले के एलडीएम सुशील कुमार, जिला कृषि अधिकारी उषा, जिला बागवानी अधिकारी सुरेश सहित मेडचल और विकाराबाद जिलों के कृषि, बागवानी एवं पशुपालन विभागों के अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मेदक में दोहरे हत्याकांड के आरोपी को आजीवन कारावास

मेदक, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक की एक अदालत ने दोहरे हत्याकांड के मामले में आरोपी एक व्यक्ति को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 60,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अदालत के अनुसार, रुद्राराम गांव निवासी वोटेम मल्लेशम (32) ने अक्टूबर और नवंबर 2024 के दौरान चिन्ना शंकरमपेट मंडल में 10 दिनों से भी कम समय के भीतर दो अलग-अलग लोगों की हत्या की थी। इन घटनाओं के बाद पुलिस ने मामले की गहन जांच कर आरोपी को गिरफ्तार किया था।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने सोमवार को आरोपी को दोषी करार देते हुए सख्त सजा सुनाई। अदालत ने कहा कि इस तरह के अपराध समाज में भय पैदा करते हैं और ऐसे मामलों में कठोर दंड आवश्यक है। मामले में फैसला आने के बाद जिला पुलिस अधीक्षक डीवी श्रीनिवास राव ने पुलिस अधिकारियों और अभियोजन पक्ष के प्रयासों की सराहना की।

पीवी नरसिम्हा राव की पुण्यतिथि पर केटी रामाराव ने अर्पित की श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मंगलवार को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की 21वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने राव को आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए कहा कि वे तेलंगाना के लिए अपार गौरव का स्रोत हैं। केटी रामाराव ने पीवी नरसिम्हा राव को नए भारत का निर्माता और तेलंगाना का प्रिय पुत्र बताते हुए कहा कि उनका योगदान पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, समाज सुधारक और विद्वान के रूप में राव की सेवाएं सदैव स्मरणीय रहेंगी।

उन्होंने राव द्वारा किए गए आर्थिक सुधारों को ऐतिहासिक बताया और कहा कि इन्हीं सुधारों ने आधुनिक भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। केटी रामाराव ने यह भी कहा कि 2014 में तेलंगाना राज्य गठन के बाद बीआरएस सरकार ने पीवी नरसिम्हा राव को सम्मान देने के लिए कई कदम उठाए। उनकी जन्म शताब्दी का भव्य आयोजन किया गया, नेकलेस रोड का नाम बदलकर पीवी नरसिम्हा राव मार्ग रखा गया, पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय का नाम उनके नाम पर रखा गया और उनकी प्रतिमा स्थापित की गई। उन्होंने बताया कि बीआरएस सरकार ने केंद्र से राव को भारत रत्न देने की मांग करते हुए प्रस्ताव पारित किया था, जिसे 2024 में मरणोपरांत सम्मान के रूप में प्रदान किया गया।

इसके साथ ही उनकी पुत्री को एमएलसी नियुक्त कर सम्मानित किया गया।

मेदक में सड़क हादसा, दो युवकों की मौत, एक गंभीर घायल

मेदक, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले में सोमवार रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा हवेलीघनपुर मंडल के शालीपेट गांव के पास हुआ। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान बुरुगुपल्ली गांव निवासी दासारी सुमन (26) और गुंडू बालैया (29) के रूप में हुई है। दोनों अपने एक मित्र के साथ बाइक से मेदक से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि सुमन और बालैया की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक पर सवार तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुची और जांच शुरू की। घायल युवक को तत्काल मेदक के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

सफाई कर्मचारियों के वेतन पर बीआरएस के पूर्व पार्षदों का धरना

कुमराम भीम आसिफाबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के पूर्व पार्षदों ने मंगलवार को कागजनगर नगरपालिका के सामने धरना प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मचारियों के समर्थन में एकजुटता व्यक्त की। ये कर्मचारी पिछले पांच महीनों से अपने वेतन की मांग को लेकर विरोध कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने अब तक वेतन जारी नहीं किया।

पूर्व पार्षदों ने कहा कि सफाई कर्मचारियों के वेतन में देरी करना नगरपालिका का अन्यायपूर्ण कार्य है और यह सरकार का शर्मनाक व्यवहार है। उन्होंने स्थानीय विधायक डॉ. हरीश बाबू की समस्या के समाधान में लापरवाही की भी आलोचना की। पूर्व पार्षदों ने दृढ़ता से कहा कि वे हमेशा श्रमिकों के समर्थन में खड़े रहेंगे और सरकार से जल्द से जल्द वेतन जारी करने का कदम उठाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। बंका शिव प्रसाद, विजय यादव, थाटी जय चंदर, वनमाला रामू, वली, बाबा, महेबूब, वसीम और जाकिर सहित कई पूर्व पार्षद और नेता इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

तकनीकी दक्षता दिखाने वाले पुलिस कर्मियों को पुरस्कार

अतिरिक्त डीजीपी वी.वी. श्रीनिवास राव ने किया सम्मानित

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस विभाग में तकनीकी ज्ञान का प्रभावी उपयोग करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मंगलवार को पुरस्कार प्रदान किए गए। डीजीपी कार्यालय में आयोजित 'मेगा रिवॉर्ड मेला' कार्यक्रम के तहत अतिरिक्त डीजीपी (टेक्निकल सर्विसेज) वी.वी. श्रीनिवास राव ने कुल 160 पुलिस कर्मियों को प्रशंसा पत्र एवं रिवॉर्ड प्रदान किए। इस अवसर पर पुलिस स्टेशनों और जिला इकाइयों के स्तर पर तकनीक को आम जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कर्मियों को सम्मानित किया गया। आईटी सेल कोऑर्डिनेटर्स एवं आईटी कोर टीम के 80 सदस्य, टेक टीम (ई-कॉप्स) के 71 सदस्य, आईटी एंड सी तथा अन्य तकनीकी सहायक स्टाफ के 9 सदस्य शामिल हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिरिक्त डीजीपी वी.वी. श्रीनिवास राव ने कहा कि जमीनी स्तर पर डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और ई-पुलिसिंग प्लेटफॉर्म्स के सुचारु संचालन में इन कर्मियों का योगदान सराहनीय है। उन्होंने बताया कि डेटा आधारित जांच प्रक्रिया और नागरिक सेवाओं को अधिक पारदर्शी बनाने में तकनीकी विभाग पुलिस विभाग की रीढ़ की हड्डी के समान कार्य कर रहा है। नवाचारों को प्रोत्साहित कर स्मार्ट पुलिसिंग के लक्ष्यों को प्राप्त करने का विश्वास भी उन्होंने व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में आईटी एंड सी की एसपी (इनचार्ज डीआईजी) किरण कुमारी, एसपी (पीसी एंड एस) जी. लक्ष्मी गौतमी, अतिरिक्त एसपी रविचंद्र, डीएसपी खाजा मोइनुद्दीन, नवीन कुमार, शांति सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलुरी सुधकर राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में वरिष्ठ टीम का प्रबंधक नियुक्त

मंचेरियल, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के महासचिव पुलुरी सुधकर को 24 से 28 दिसंबर तक विजयवाड़ा में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की बैडमिंटन प्रतियोगिता में भाग लेने वाली वरिष्ठ टीम का प्रबंधक नियुक्त किया गया है।

इस नियुक्ति की जानकारी मंगलवार को तेलंगाना बैडमिंटन एसोसिएशन के महासचिव पुलेला गोपिचंद ने एक पत्र जारी कर दी। सुधकर को एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष जी. मुकेश गौड़, उपाध्यक्ष भास्करला वासु, बंदा मीना रेड्डी, कोषाध्यक्ष सत्यपाल रेड्डी, संयुक्त सचिव रमेश रेड्डी, सदस्य लक्ष्मीनारायण और हर्षा ने बधाई दी। सुधकर ने इस अवसर पर गोपिचंद का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्हें क्षेत्र में उनके योगदान को ध्यान में रखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

तिरुमला में श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर सवाल

प्राथमिक उपचार केंद्रों के अभाव पर सांसद वामसी की चिंता

तिरुपति, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला में श्रद्धालुओं की सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। सांसद वामसी ने आरोप लगाया कि पैदल मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में प्राथमिक उपचार (फर्स्ट-एड) केंद्रों की अनुपस्थिति के कारण आपात स्थितियों में श्रद्धालु असुरक्षित बने हुए हैं। उन्होंने सीढ़ियों के पास बसों और कारों की आवाजाही के बीच श्रद्धालुओं के व्यस्त सड़कों को पार करने की खतरनाक स्थिति की ओर भी ध्यान दिलाया। सांसद ने सवाल उठाया कि क्या श्रद्धालुओं की सुरक्षा को हवा के हवाले छोड़ दिया गया है।

तत्काल कदम उठाने की मांग करते हुए वामसी ने मंत्री लोकेश को चुनौती दी कि वे स्वयं सात पहाड़ियों के पैदल मार्ग पर चलकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करें। उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर उच्चतम स्तर पर हस्तक्षेप कर सुविधाओं में सुधार सुनिश्चित करने की भी अपील की। उल्लेखनीय है कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के प्रबंधन को लेकर राजनीतिक बहस फिर तेज हो गई है। यह बयान उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की आलोचना और टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी श्यामला राव को हाल ही में हटाए जाने की पृष्ठभूमि में सामने आया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.